ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विजय उत्सव हुआ हिंसक : दो भाजपा कार्यकर्ताओं को चाकू घोंपा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 11 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-162

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज का पहला दिन

पहली फाइल और पहला हस्ताक्षर किसानों के लिए

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल का औपचारिक रूप से दायित्व संभाला और अपनो पहला निर्णय प्रधानमंत्री किसान निधि की 17वीं किस्त की मंजूरी देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किया। प्रधानमंत्री द्वारा अपने कार्यालय में मंगवाई गई पहली फाइल और उनके पहले हस्ताक्षर से यह स्पष्ट संदेश गया कि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताएं क्या होंगी।

कार्यालय पहुंचते ही प्रधानमंत्री ने सबसे पहले किसान निधि की किस्त जारी करने की फाइल पर हस्ताक्षर किए। इससे 9.3 करोड़ किसानों को फायदा होगा और करीब 20,000 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। फाइल पर हस्ताक्षर करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार किसान कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध सरकार है। इसलिए यह उचित है कि कार्यभार संभालते ही जिस पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए जाएं वह किसान कल्याण से संबंधित हो। हम आने वाले समय में किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए और भी अधिक काम करते रहना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने रविवार की शाम को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ मंत्रिपरिषद के 71 सदस्यों ने भी शपथ ली थी।

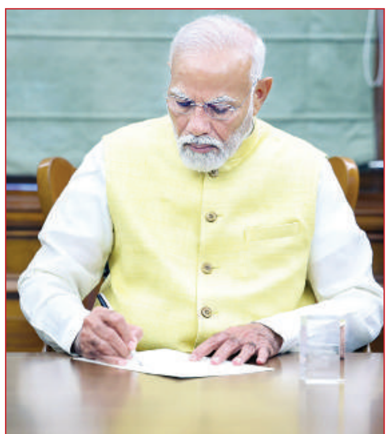
किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त को दी मंजूरी

9.3 करोड़ किसानों को मिलेगा लाभ, 20,000 करोड़ बंटेंगे

किसान के हित में लिए गए पीएम मोदी के प्रथम फैसले पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी समेत कई मंत्रियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, किसान कल्याण के प्रति हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता जगजाहिर है। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने सबसे पहला निर्णय ही किसानों के हित में किया है। ▶10पर

मंत्रिमंडल में यूपी का जातीय और क्षेत्रीय संतुलन कायम

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सीटें भले ही कम हुई हों, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूपी की हिस्सेदारी के साथ ही जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का खास ख्याल रखा है। सीटें कम होने के बाद भी यूपी के कोटे से 10 मंत्री बनाए गए हैं। हर वर्ग समाज को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की गई है। जातीय समीकरण के लिहाज से ओबीसी और दलितों की हिस्सेदारी में कोई कमी नहीं रखी गई है। ▶10पर

पीएमओ सेवा का अधिष्ठान और पीपुल्स पीएमओ बनेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पीएमओ में कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में वैश्विक मापदंडों से भी आगे जाकर काम करना है। उन्होंने कहा कि जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां अपने देश को हमें पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा शुरू से प्रयास रहा है कि पीएमओ सेवा का अधिष्ठान और पीपुल्स पीएमओ बने। सरकार का मतलब सामर्थ्य, समर्पण और संकल्पों की नई ऊर्जा है। हमारी टीम के लिए न तो समय का बंधन है, न सोचने की सीमाएं और न ही पुरुषार्थ की कोई कमी। इस विजय के बड़े हकदार भारत सरकार के कर्मचारी भी हैं, जिन्होंने एक विजन के लिए खुद को समर्पित कर देने में कोई कमी नहीं रखी। ये चुनाव हर सरकारी कर्मचारी के 10 साल के पुरुषार्थ पर मुहर लगाते हैं। ▶10पर

मंत्रिमंडल को लेकर राकांपा के बाद शिवसेना भी नाराज

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। मोदी मंत्रिमंडल के गठन को लेकर एनडीए के घटक दलों से नाराजगी के स्वर भी सुनाई पड़ने लगे हैं। महाराष्ट्र के मेवल के शिवसेना सांसद श्रीरंग बारणे ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रविवार को जिस मंत्रिपरिषद का गठन हुआ, उसमें शिवसेना को कैबिनेट मंत्री का पद मिलेगा।

श्रीरंग बारणे ने कहा, कर्नाटक के एचडी कुमारस्वामी की पार्टी के दो सांसद हैं, उन्हें कैबिनेट मंत्री का पद मिला। जीतन राम मांझी इकलौते सांसद हैं, उन्हें कैबिनेट मंत्री पद मिला। चिराग पासवान की पार्टी के पांच सांसद जीते हैं, उन्हें भी कैबिनेट में जगह मिली है। शिवसेना के सात सांसद हैं, जबकि हम 19 सीटों पर लड़े थे। ▶10पर

मंत्रियों के विभागों की सूची राष्ट्रपति सचिवालय से जारी

मोदी कैबिनेट के मंत्रियों के विभाग तय

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी तीसरी मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण मंत्रालयों में पुराने सहयोगियों पर भरोसा जताया है और जो मंत्री दोबारा चुन कर नहीं आए हैं, उन्हें नये सदस्यों को दिया गया है। इस प्रकार से श्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में निरंतरता को सुनिश्चित किया है।

राष्ट्रपति भवन से सोमवार की शाम को नए मंत्रियों के कार्य विभागों की सूची जारी की गयी। इससे पहले श्री मोदी की अध्यक्षता में पहली कैबिनेट की बैठक हुई। 30 कैबिनेट मंत्रियों में से 13 मंत्री ऐसे हैं जिन्हें वही मंत्रालय दिये गये हैं जिन्हें वे पिछले कार्यकाल संभाल रहे थे। इनमें जगत प्रकाश नड्डा भी शामिल हैं जो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वही विभाग संभाल रहे थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय इस बार भी मध्य प्रदेश के पास आया है। पिछले कार्यकाल मेंनरेन्द्र सिंह तोमर के पास था।

नई मंत्रिपरिषद में सरकार के प्रवक्ता की जिम्मेदारी अश्विनी वैष्णव को मिली है। उन्हें रेलवे, सूचना प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक्स का विभाग दोबारा सौंपा गया है तथा संचार से लेकर सूचना प्रसारण जैसा महत्वपूर्ण विभाग दिया गया है। सड़क निर्माण की गति को बनाये रखने के लिए गडकरी को इसकी जिम्मदारी पुन: दी गयी है।

सूची के अनुसार कैबिनेट मंत्रियों में राजनाथ सिंह को रक्षा, अमित शाह को गृह एवं सहकारिता, नितिन गडकरी को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, जगत प्रकाश नड्डा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उवर्रक, शिवराज सिंह चौहान को कृषि, ▶10पर

मोदी कैबिनेट : पीएम आवास के तीन करोड़ नए घर बनेंगे

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के दौरान आवास योजना से जुड़ा बड़ा ऐलान किया गया है। पीएम आवास योजना के तहत तीन करोड़ घरों के निर्माण को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। योजना के तहत बने सभी घरों में एलपीजी और बिजली कनेक्शन होंगे। इन घरों का निर्माण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज की बैठक में पीएम आवास के तहत घरों के निर्माण के लिए तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इससे पात्र परिवारों की संख्या में वृद्धि से उत्पन्न आवास की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। भारत सरकार 2015-16 से प्रधान मंत्री आवास योजना लागू कर रही है ताकि बुनियादी सुविधाओं के साथ घरों के निर्माण के लिए पात्र ग्रामीण और शहरी परिवारों को सहायता प्रदान की जा सके। ▶10पर

प्रेम सिंह तमांग ने दूसरी बार सिक्किम के मुख्यमंत्री की शपथ ली

गंगटोक, 10 जून (एजेंसियां)। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यह लगातार दूसरी बार है, जब तमांग सिक्किम के मुख्यमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सिक्किम के पालजोर स्टेडियम में हुआ। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने तमांग को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस वर्ष अप्रैल के महीने में सिक्किम में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए और 2 जून को नतीजे आए। एसकेएम ने प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में राज्य में 32 में से 31 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की है। इस बार विधानसभा चुनाव में तमांग ने जिन दो सीटों से उन्होंने चुनाव लड़ा, वहां उन्हें जीत हासिल हुई। सोरेंग-चाकुंग और रेनॉक सीटों पर जीत दर्ज कर तमांग ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि जनता के बीच उनकी मजबूत पकड़ है।

प्रेम सिंह तमांग का जन्म 5 फरवरी 1968 को पश्चिम सिक्किम के सिंग्लिंग बस्ती में हुआ था। उनके पिता का नाम कालू सिंह तमांग और मां का नाम धन माया तमांग है। शुरुआती शिक्षा हासिल करने के बाद तमांग ने 1988 में दार्जिलिंग गवर्नमेंट कॉलेज से कला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। राजनीति में आने से पहले तमांग सरकारी शिक्षक थे। हालांकि, शिक्षक की नौकरी के बदले उनकी सामाजिक कार्यो में अधिक रूचि रही। इसी वजह से वे बाद में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) की राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने शुरू कर दिया और पार्टी के सदस्य बन गए। इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और एसडीएफ के स्थाई सदस्य बन गए। चामलिंग, एसडीएफ के संस्थापक रहे पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग को अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।

वर्ष 1994 में तमांग ने अपने जीवन का पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। एसडीएफ के टिकट पर सोरेंग चाकुंग सीट से चुनाव लड़कर उन्होंने पहली जीत भी दर्ज की। 1994 से 1999 तक वे पशुपालन, चर्च और उद्योग विभाग के मंत्री रहे। ▶10पर

पानी संकट की त्रुटिपूर्ण याचिका पर दिल्ली सरकार को फटकार

अदालती कार्यवाही को हल्के में न ले सरकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में अतिरिक्त पानी आपूर्ति का निर्देश देने की मांग वाली एक याचिका की खामियां दूर करने की उसकी ओर से दी गई मोहलत की अनदेखी पर दिल्ली सरकार की खिंचाई की और याचिका खारिज करने की चेतावनी के साथ कहा कि वह अखबारों की खबरों के आधार पर आदेश पारित नहीं कर सकता।

अखबारों की खबरों पर हम आदेश पारित नहीं कर सकते

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति पी बी वराले की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता दिल्ली सरकार को चेतावनी दी कि वह पिछली सुनवाई की तारीख पर आश्वासन के बावजूद खामियों को दूर करने में विफल रहने के आधार पर रिट याचिका को खारिज कर देगी। पीठ के समक्ष दलील देते हुए हरियाणा सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि वह हलफनामा और स्थिति रिपोर्ट ई-फाइल नहीं कर सकती, क्योंकि दिल्ली सरकार की रिट याचिका में अभी भी खामियां हैं।

इस पर पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील से कहा, आपने खामियों को दूर नहीं किया है। पिछली तारीख को इस ओर ध्यान दिलाया गया था। अदालती कार्यवाही को हल्के में न लें। हम इस आधार पर याचिका खारिज करेंगे, चाहे यह याचिका कितनी भी महत्वपूर्ण क्यों न हो। पीठ ने आगे कहा जब यह बयान दिया जाता है कि आप खामियों को दूर करेंगे और वह दूर नहीं होती, तो हम उसे खारिज कर देते हैं। आपने कहा था कि आप पानी की कमी से जूझ रहे हैं, आज ही अंतिम तिथि पर आदेश पारित करें। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,500/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,060/- (प्रति किलोग्राम)

हाईकोर्ट की जमीन पर अवैध कब्जा कर बना था आपा का दफ्तर

10 अगस्त तक कार्यालय खाली कर दे पार्टी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट की जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए आम आदमी पार्टी (आपा) के दफ्तर को खाली करने का आदेश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को अंतिम अवसर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए दफ्तर को आम आदमी पार्टी 10 अगस्त तक खाली कर दे। अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ ने आपा की उस अर्जी को स्वीकार कर लिया जिसमें शीर्ष अदालत द्वारा 4 मार्च को निर्धारित 15 जून की समयसीमा को आगे बढ़ाने की मांग की गई थी। पीठ में न्यायमूर्ति संदीप मेहता भी शामिल थे। अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली राजनीतिक पार्टी को आदेश दिया कि वह एक सप्ताह के भीतर सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के समक्ष एक अंडरटेकिंग दाखिल करे कि वह इस साल 10 अगस्त को या उससे पहले विचाराधीन ▶10पर

वाईएसआर कांग्रेस के बौखलाए कार्यकर्ताओं की करतूत

आंध्र प्रदेश में टीडीपी नेता की नृशंस हत्या

अमरावती, 10 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में टीडीपी नेता गौरीनाथ चौधरी की नृशंस हत्या कर दी गई। विधानसभा चुनाव में हारी वाईएसआर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बौखलाहट में गौरीनाथ की हत्या कर दी। मामले की संवेदनशीलता देखते हुए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। कुरनूल के एसपी ने घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने क्षेत्र में हिंसा की आशंका को देखते हुए एक पुलिस चौकी भी स्थापित की है। इस हत्या को राजनीति से प्रेरित हमले के रूप में देखा जा रहा है। गौरीनाथ टीडीपी के एक प्रमुख नेता थे। राजनीतिक प्रतिशोध में टीडीपी नेता की हत्या कर दी गई। मामला दर्ज किया गया है। लेकिन हत्यारों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

गौरीनाथ की हत्या पर टीडीपी नेता पट्टाभि राम कोमारेड्डी ने कहा, पांच साल पहले जिस हिंसा को वाईएसआर कांग्रेस ने शुरू किया था, वह अभी भी जारी है। जनता ने अपना आक्रोश दिखाया और वाईएसआर पार्टी 151 से 11 सीटों पर आ गई। उन्हें विपक्ष का दर्जा भी नहीं मिला। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,490.08
-203.28 -0.27% ↓

एनएसई :23,259.20
-30.95 (-0.13%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^{0}
न्यूनतम : 21^{0}

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रूदो की बधाई का दिया माकूल जवाब

समझदारी और सम्मान के आधार पर ही हम रिश्ते बढ़ाएंगे

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो को उनके बधाई संदेश के लिए धन्यवाद देने के साथ ही कहा कि आपसी समझ और एक-दूसरे की चिंताओं के सम्मान के आधार पर ही भारत कनाडा के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के पक्ष में है।

पीएम मोदी ने कनाडा की सरकार द्वारा खालिस्तान समर्थक तत्वों को बढ़ावा देने के संदर्भ में बेबाकी से यह बात कही। रविवार को शपथ ग्रहण करने के मौके पर कनाडा के प्रधानमंत्री त्रूदो की ओर से मिले बधाई संदेश पर पीएम मोदी ने कहा, बधाई संदेश के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री को धन्यवाद। भारत आपसी समझ और एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति सम्मान के आधार पर कनाडा के साथ काम

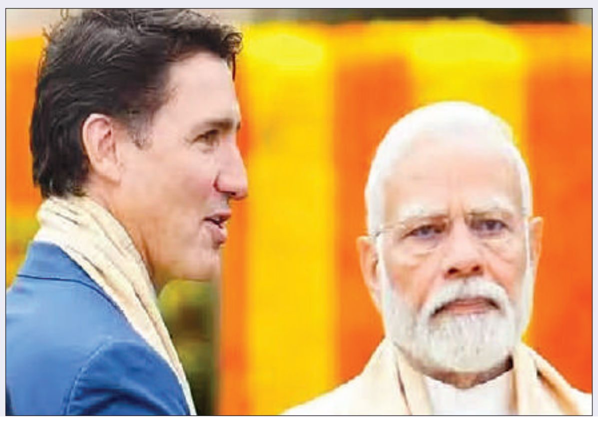

करने के लिए उत्सुक है। उल्लेखनीय है कि त्रूदो समेत कनाडा के कई नेताओं पर उनके कनाडा सरकार के अपने घरेलू राजनीतिक हितों के कारण खालिस्तानी तत्वों को शरण देने

पाकिस्तानी पीएम को छह दिन बाद बधाई देने की याद आई

तुच्छ राजनीतिक स्वार्थ के लिए खालिस्तानी तत्वों को बढ़ावा देने का मामला बार-बार उजागर होता रहा है। मई में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि कनाडा अपने देश में ... के कारण कनाडा के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध खराब हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि ऐसे अपराधियों को शरण देने से कनाडा अपने देश में ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

ग्रोथ की प्रतिबद्धता के साथ सम्पन्न हुआ जीतो ग्रोथ सम्मिट

ट्रेड फेयर में अंतिम दिन उमड़े हजारों आगंतुक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीवन एक प्रयोगशाला है जिसमें सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक एवं व्यवसायिक विकास के प्रयोग निरंतर होते रहते हैं, उन प्रयोगों से सफलता का पथ उन्ही को मिलती है जो अपनी पूरी क्षमता, काबिलियत, इच्छा शक्ति व मजबूत अवलोकन के साथ पूरी ईमानदारी तथा दृढ़ता से इन प्रयोगों में जुटा रहता है। इन प्रयोगों में अगर व्यवसायिक विकास की बात करें तो कई बार संपर्कों के अभाव, उचित मंच न मिलने के कारण एवं सही दिशा-निर्देश की कमी से यह मार्ग अवरुद्ध सा प्रतीत होता है। व्यवसायिक उन्नति के मार्ग को सुगम बनाने में जीतो हमेशा दो कदम आगे रहा है और इसी सोच के प्रतिफल जीतो बेंगलूरु साउथ ने जीतो ग्रोथ सम्मिट एवं ट्रेड फेयर जैसे विशाल आयोजन करने की ठानी। बेंगलूरु के पैलेस मैदान के चामरा वज्रा में आयोजित इस तीन दिवसीय व्यवसायिक विकास की यात्रा में उद्योगपतियों, बड़े व छोटे व्यवसाईयों के साथ समाज के साधार्मिक बंधुओं तक को एक ही पैमाने में रखते हुए इस विकास यात्रा का हिस्सा बनाया गया, जिसका समापन रविवार रात को भविष्य में भी व्यवसायिक विकास की प्रतिबद्धता के साथ हुआ। जीतो ग्रोथ सम्मिट व ट्रेड फेयर जैसी विशाल यात्रा को प्रायोजकों के सहयोग, श्रमण आरोग्यम के नये ट्रस्टियों, स्टॉल लेने वाले व्यवसाइयों, समृद्ध जैन सांस्कृतिक वाली झांकी, तकनीक दर्शन वाले पवेलियन, समाज की प्रतिभा खोज वाले जीतो गॉट टैलेंट, जेपीएफ व युवा विंग के राष्ट्रीय सम्मेलन, महिला विंग के शानदार आयोजन, प्रेरक वक्ताओं के आध्यात्मिक व बिजनेस ग्रोथ पर व्यक्तव्य, अति आवश्यक रक्तदान शिविर, समाज की लगभग 150 संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति व सहयोग, एपेक्स व जोन पदाधिकारियों की उपस्थिति, जीतो साउथ कार्यकारिणी व सदस्यों का सहयोग, लजीज व्यंजन तथा हजारों आगन्तुकों के आगमन ने इस यात्रा को विविधता से भर दिया। आयोजन की सफलता से अभिभूत जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि यह आयोजन की सफलता ही नही, बल्कि भविष्य में ऐसे निरंतर आयोजनों का संकेत भी है। मुख्य प्रायोजक की भूमिका निभाने वाले दिनेश बोहरा ने सभी प्रायोजकों, स्टाल मलिकों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी ज्ञात-अज्ञातों को मन की असीम गहराइ से आभार व्यक्त किया। अत्यंत कठिन लगने वाले इस आयोजन के सफलतम समापन पर महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने जीतो साउथ की कार्यकारिणी, महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी व उनकी टीम, युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता व उनकी टीम तथा अन्य सहयोगी समितियों तथा जीतो कार्यालय के कर्मचारियों के अथक प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि रमेश बोहरा, हेमराज पालगोता, जुगराज सोफाडिया व राजु सुजानी के श्रमण आरोग्यम योजना का ट्रस्टी बनने से जीतो जीतो की धार्मिक यात्रा को बल मिला। ट्रेड फेयर के अंतिम दिन उमड़ी हजारों की भीड़ ने स्टाल मालिकों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और यहा बने नये सम्पर्कों में उनको चमकदार व्यवसायिक भविष्य नजर आने लगा। पेशेवर जीवन बीमा अभिकर्ता दिनेश खींवेसरा, कॉरपोरेट उपहार विक्रेता मदन मुणोत, रियल स्टेट व्यवसायी गुरुपुण्यवानी इत्यादि के अनुसार यह ट्रेड फेयर एक आयोजन मात्र न होकर भविष्य के सफल व्यवसाय का मार्ग भी साबित हुआ।

देश भर के चयनित प्रतिभाओं ने दी प्रस्तुति

आगन्तुकों का प्रत्येक स्टाल पर जाकर उत्पादों का निहारना व जानकारी लेना उनका वास्तव में खरीददार होना साबित कर रहा है। जैन पवेलियन में जैन संस्कृति का अनुभव लेकर बाहर निकलने वालों के चेहरों पर धार्मिकता का पुट दिखा। रविवार शाम को आयोजित जीतो गॉट टैलेंट में देश भर से चयनित प्रतिभाओं की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और अंत में शानदार प्रस्तुति देने वाले नृतक मैसूरु के आर्यन जैन ने प्रथम, गायक भीलवाड़ा के ओनिक जैन ने द्वितीय व गायक अहमदाबाद की जिज्ञाशा पिंचा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर जीतो, अपने शहर व परिवार का मान बढ़ाया। विजेताओं का निर्णय प्रसिद्ध वीणा वादक व गायक रेवती कामत, प्रसिद्ध नृतक चार्ल्स मा व महिला गायक सिनचेन दीक्षित ने किया। जीतो एपेक्स सलाहकार समिति के अध्यक्ष तेजराज गोलेच्छा ने जीतो बेंगलूरु साउथ को बधाई देते हुए कहा कि सफल आयोजन के माध्यम से व्यवसाइयो के विकास, श्रमण आरोग्यम योजना के नये ट्रस्टी बनना व आयोजन से जीतो स्कॉलरशिप योजना को बल मिलना जीतो के लिये शुभ संकेत है। संपूर्ण आयोजन के दौरान जीतो एपेक्स, जोन व बेंगलूरु के पदाधिकारियों के साथ जीतो के पूर्व पदाधिकारियों व सदस्यों तथा समाज के गणमान्यों की उपस्थिति आयोजन की आभा को बढ़ा रही थी।

एक्युप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज कोत्तनूर आईमाता वडेर में डाक्टर राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमान गढ के संयुक्त तत्वावधान में एक्युप्रेशर, सुजो व मैग्नेटिक तकनीक से इलाज का 6 दिवसीय कैंप रविवार को सीरवी समाज कोत्तनूर आईमाता वडेर में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ आईमाता के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। वडेर में आयोजित शिविर में पहले दिन करीब 120 से अधिक मरीजों ने प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया। चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ टी.के. चौधरी अपनी टीम के साथ एक्युप्रेशर, सुजोक, मैग्रेट और सामान्य चिकित्सा के माध्यम से डायबिटीज, बीपी, थायरॉइड, आस्थमा (दमा), पेट दर्द, सर्वाइकल दर्द, आंख, कान व नाक की बीमारी और जोडों के दर्द के बारे में परामर्श व प्राकृतिक चिकित्सा प्रदान कर रहे है। इस मौके पर संस्था के सचिव उमाराम हाम्बड़ ने बताया कि शिविर में रोगी को 6 दिन तक एक्युप्रेशर चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। जिससे उन्हें रोगों में बहुत लाभ होगा तथा उसके बाद रोगिंयों को एक्युप्रेशर चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। ताकि वे रोजाना अपने घर पर इसका उपयोग कर सके। इस शिविर में वडेर के अध्यक्ष जियाराम बर्फा, उपाध्यक्ष राजूराम पंवार, कोषाध्यक्ष राजूराम काग, प्रकाश हाम्बड़ आदि उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आदिशक्ति अटी मारम्मा देवस्थान ट्रस्ट द्वारा कोतारहल्ली ग्राम में आदि शक्ति अटी मारम्मा नूतन देवस्थान कुंभ अभिषेक महोत्सव में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। ट्रस्ट के सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

भारत को हम भारत कैसे बनाएं का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एफटीएस युवा बेंगलूरु चैप्टर द्वारा प्रेरणा भारत को हम भारत कैसे बनाए का आयोजन रविवार को गोडवाड भवन में किया गया। भारी बारिश के बावजूद कार्यक्रम में 300 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही। युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुमारपाल सिसोदिया (चेयरमैन गोड़वाड़ भवन ट्रस्ट) एवं विशिष्ट अतिथि सुनील बजाज (एवन प्लास्ट इंडस्ट्रीज प्राइ-वेट लिमिटेड) पधारे। तीन ओम कार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उसके बाद दीप प्रज्वलन हुआ जिसमें रमेश अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, हाथीमल बैद, सचिन पांडिया, बिमल सरावगी, सुरेश पारीक, सुरेश मोदी, मक्खन किशोर गोयल, बीना अग्रवाल, पूजा पांडिया उपस्थित थे। सचिव पवन राजलीवाल ने बताया कार्यक्रम के लिए दो वक्ता गौतम खट्टर एवं मीनाक्षी सेहरावत हरिद्वार से पधारे। दोनों को क्रमश सनातन, रामराज्य एवं गुरुकुल विषय दिया गया था।

इन विषयों पर दोनों ने सभी युवाओं को विस्तार से बताया। पूरे कार्यक्रम का शानदार मंच संचालन मृदुल अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में एफटीएस युवा बेंगलूरु चैप्टर द्वारा भारत माता का फोटो (लगभग 2000 फोटो) हम सब भारतीय है (स्टीकर लगभग 50000 गाड़ियों पर लगाने का लक्ष्य) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में युवा टीम से आशीष गुप्ता, साकेत गर्ग, विकास गुप्ता, आरती अग्रवाल, दीपिका जैन, एकता अनंत, अमित सिंह, आयुष अग्रवाला, गौरव अग्रवाल, मितेश खंडेलवाल, अरुण शर्मा, प्रह्लाद जोशी, गणपत माली, प्रवीण गहलोत, अनिल कुमार, रचना डालमिया, दीपक शर्मा, अंकुर जैन, श्रीधर, जितेंद्र गुप्ता और पूरी युवा टीम ने सहयोग किया।

बाफना कप 2024 के विजेता मास्टर ब्लास्टर बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन दोस्ती फेडरेशन बेंगलूरु द्वारा आयोजित बाफना कप 2024 के फाइनल मैच का मुकाबला राज-राजीनगर स्थित रश अरेना के प्रांगण में किया गया। इस टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक स्व. सोहनलाल शोभाबाई बाफना, राधिका- विकाश बाफना, दीप्ति -आशीष बाफना, चिराग, कुशान, कशिश, रौनक बाफना बेंगलूरु (राज. चंडावल) एवं शीर्षक प्रायोजक फूड अड्डा, के एंड के ग्रुप, बसवनगुड़ी रहे। जैन दोस्ती फेडरेशन द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन 2 के विजेता टीम मास्टर ब्लास्टर्स रहे। इस अवसर पर विजेता टीम को जेडीएफ की ओर से विजय ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलक्ष्य में जेडीएफ चेयरमैन अनूप श्रीश्रीमाल, अध्यक्ष मितेश सुराना, उपाध्यक्ष महेंदर कटारिया, बॉक्स क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन आशीक पिरगल, कन्वेनर संदीप कटारिया, को-कन्वेनर विकाश बाफना, वर्किंग कमेटी के सुनील ओस्तवाल, खेतन सुराना आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के रायबाग के पास हांडीगुंड गांव के पास सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। उनकी कार बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई। इस दुर्घटना में 47 वर्षीय महालिंग निंगानुर और 32 वर्षीय ईरप्पा उगारे की मौत हो गई। उनके साथ यात्रा कर रहे राजेसाब सनदी घायल हो गए। उनका इलाज हरूरगेरी के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर एच.एस. पठान फरार है। मामला दर्ज कर लिया गया है।सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत बेल-गावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के रायबाग के पास हांडीगुंड गांव के पास सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। उनकी कार बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई। इस दुर्घटना में 47 वर्षीय महालिंग निंगानुर और 32 वर्षीय ईरप्पा उगारे की मौत हो गई। उनके साथ यात्रा कर रहे राजेसाब सनदी घायल हो गए। उनका इलाज हरूरगेरी के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर एच.एस. पठान फरार है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

विजयेन्द्र ने मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने सोमवार को नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार देश के प्रधान मंत्री के रूप में पदभार संभालने पर खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी। विजयेंद्र ने कहा भारत की आजादी के बाद जन्मे एक शख्स ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता संभाली है। यह ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल को बधाई। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने किसान सम्मान निधि जारी कर अपनी पहली प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि किसानों से जुड़ी किसान सम्मान निधि जारी होने के लिए वह आभारी हैं। मोदी का प्रशासन संविधान को बनाए रखने और उसका सम्मान करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने देश के रीढ़ किसानों को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में काम करने की सराहना की। उन्होंने किसान सम्मान निधि के तहत 9.3 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ की राशि जारी की है।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शक्ति योजना जारी रखने की पुष्टि की

कार्यान्वयन की समीक्षा करने का किया गया था आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि राज्य में महिलाओं को गैर-लक्जरी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की पेशकश करने वाली शक्ति योजना जारी रहेगी। उनका स्पष्टीकरण सोशल मीडिया पर फैली कुछ अफवाहों के बाद आया है कि लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद इस योजना को बंद कर दिया जाएगा।

इसके अलावा, मैसूरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र से लोकसभा चुनाव हारने वाले कांग्रेस नेता एम. लक्ष्मण ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से राज्य में गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा करने का आग्रह किया था। लक्ष्मण ने कहा था कि लोकसभा चुनावों में लोगों का जनादेश गारंटी योजनाओं को जारी रखने के खिलाफ था। उन्होंने कहा गारंटी योजनाओं की

समीक्षा की जानी चाहिए और उन्हें कर्नाटक के जरूरतमंद और गरीब लोगों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। जवाब में रेड्डी ने कहा हमारी सरकार की गारंटी योजनाएँ वोट बटोरने के लिए शुरू नहीं की गई थीं। हम शक्ति योजना को बंद नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा की गई मूल्य वृद्धि के कारण लोग परेशान हैं। हमारी गारंटी योजनाएँ लोगों, खासकर गरीबों और मध्यम वर्ग की मदद के लिए शुरू की गई थीं। रेड्डी ने बताया कि शक्ति योजना कर्नाटक में सबसे सफल पहलों में से एक है, जिससे राज्य भर में लाखों महिलाओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा सिद्धरामैया ने शक्ति योजना के लिए बजट में 5,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जब तक हमारी कांग्रेस सरकार सत्ता में है, यह योजना जारी रहेगी। कांग्रेस ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में पांच गारंटियों के हिस्से के रूप में शक्ति योजना की घोषणा की। माना जाता है कि शक्ति योजना सहित इन गारंटियों ने कांग्रेस को आरामदायक बहुमत हासिल करने और कर्नाटक में सरकार बनाने में योगदान दिया है। 20 मई, 2023 को नवगठित सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में वादा किए गए पांच गारंटियों को लागू करने का निर्णय लिया गया। 2 जून, 2023 को हुई कैबिनेट की अगली बैठक में सरकार ने उस वित्तीय वर्ष के दौरान सभी पाँच गारंटियों को लागू करने का फैसला किया, जिसकी शुरुआत 11 जून, 2023 को शक्ति योजना से होगी। इस योजना के तहत, महिलाएँ और ट्रांसजेंडर कर्नाटक भर में गैर-प्रीमियम राज्य द्वारा संचालित बस सेवाओं में मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। यह मुफ्त यात्रा योजना कर्नाटक की मूल निवासी महिलाओं तक ही सीमित है। वे राज्य के भीतर राज्य द्वारा संचालित सड़क परिवहन निगमों द्वारा संचालित सामान्य और एक्सप्रेस बस सेवाओं में यात्रा कर सकती हैं, इसके लिए उन्हें केंद्र या राज्य सरकार द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र दिखाना होगा, जिस पर लाभार्थी की तस्वीर और पता हो, और कंडक्टर से शून्य टिकट (मुफ्त टिकट) प्राप्त करना होगा। 11 जून, 2023 से 9 जून, 2024 तक कुल 225,15,97,273 महिला यात्रियों ने आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की। इस अवधि में राज्य के खजाने पर 5481,40,62,803 का खर्च आया।

विजय उत्सव हुआ हिंसक : दो भाजपा कार्यकर्ताओं को चाकू घोंपा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के बोलियार में रविवार को एक हिंसक घटना के बाद तनाव व्याप्त हो गया, जिसमें एक बार के बाहर दो भाजपा कार्यकर्ताओं को चाकू घोंपा गया। यह घटना बोलियार के पास हुई, जो कोनाजे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसने समुदाय को परेशान कर दिया है। घायल पीड़ितों को डेरालाकाटे के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ एक की हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि दूसरे की सर्जरी की जा रही है। यह विवाद बोलियार भाजपा ग्राम समिति द्वारा नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण और हाल ही में लोकसभा चुनावों में कैप्टन बृजेश चौटा की चुनावी जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित विजय जुलूस के दौरान हुआ।

जुलूस का मार्ग चेलूर से बोलियार होते हुए धर्मनगरा तक फैला हुआ था। पुलिस के अनुसार तीन भाजपा समर्थक बोलियार मस्जिद के सामने से गुजर रहे थे, तभी उन्होंने कथित तौर पर भड़काऊ नारे लगाए। इससे मोटरसाइकिल पर सवार 20-25 मुस्लिम युवकों का एक समूह उनका पीछा करने लगा। मस्जिद से करीब दो किलोमीटर आगे एक बार के सामने तीनों भाजपा समर्थक रुके और मुस्लिम युवकों ने उनका पीछा किया। इसके बाद झड़प हुई, जिसके दौरान

तीनों भाजपा समर्थकों पर हमला किया गया और दो को चाकू मार दिया गया। पीड़ितों की पहचान इन-ोली के मुतप्पा पुजारी के बेटे हरीश (41) और इनोली पडावु के कोटियप्पा के बेटे नंदकुमार (24) के रूप में हुई है। तीसरे भाजपा समर्थक कृष्ण कुमार, जो इनोली के ही रहने वाले हैं और कोटियप्पा पुजारी के बेटे हैं, को पीटा गया और उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। कोनाजे पुलिस घटना की सक्रियता से जांच कर रही है और हिंसा को और बढ़ने से रोकने के लिए इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव किया, 10 हिरासत में

इसी बीच भाजपा और हिंदू कार्यकर्ताओं ने चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस की कथित निष्क्रियता के विरोध में रविवार देर रात कोनाजे थाने का घेराव किया। रविवार देर रात जिला भाजपा अध्यक्ष सतीश कुम्पाला और नेता संतोष राय बोलियार कोनाजे थाने पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता थाने में जमा हो गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि बोलियार मस्जिद के पास हुए विवाद के वीडियो फुटेज समेत सिर्फ सबूत जुटाए जा रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि वे जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे, जिसके बाद प्रदर्शनकारी तितर-बितर हो गए। चाकूबाजी की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बोलियार इलाके से 10 लोगों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों में से तीन लोग सीधे तौर पर चाकूबाजी में शामिल थे। बोलियार मस्जिद के सामने विजय जुलूस के दौरान हुई बहस का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें बीजेपी कार्यकर्ताओं को मस्जिद के पास नारे लगाते हुए दिखाया गया है। बाद में, तीन बीजेपी कार्यकर्ता मस्जिद क्षेत्र में लौट आए और 'बोलो भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे। इससे गुस्साए मस्जिद के कुछ युवकों ने बीजेपी कार्यकर्ताओं का पीछा करते हुए बोलियार के समाधान बार तक पहुंचाया, जहां हंगामा शुरू हो गया और आखिर में दो बीजेपी कार्यकर्ताओं को चाकू मार दिया गया।

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद

राज्य में उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त पदों की मांग हुई बंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जो मंत्री और कांग्रेस नेता बार-बार इस बात की वकालत कर रहे थे कि उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त पद जाति के आधार पर बनाए जाने चाहिए, लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अचानक उनकी बात पलट गई और उनकी जुबान फिसलने लगी कि उपमुख्यमंत्री पद को लेकर कोई चर्चा ही नहीं हो रही है। कांग्रेस नेताओं की मांग थी कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, लिंगायत, पिछड़ा वर्ग और महिला समेत उपमुख्यमंत्री के पांच पद सृजित किये जाएं। गृह मंत्री परमेश्वर, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, वरिष्ठ विधायक बसवराज रायरेड्डी और कई अन्य लोग सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना के साथ शामिल हुए जिन्होंने इस संबंध में आवाज उठाई। इस पर खूब बहस हुई और कांग्रेस पार्टी में शर्मनाक माहौल बन गया। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जिन्होंने एक समय हस्तक्षेप किया था, ने अब लोकसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित किया है और चेतावनी दी है कि अनावश्यक मुद्दों पर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्होंने उपमुख्यमंत्री पद के सृजन की संभावना से भी इनकार किया। जो लोग वहां बार-बार बहस करते थे और सरकार की फजीहत कराते थे, उन्हें चुप करा दिया जाता था। उम्मीदें थीं कि इससे लोकसभा चुनाव के बाद बहस का एक और दौर शुरू होगा। लेकिन 28 लोकसभा क्षेत्रों में से 17 में, कांग्रेस को मंत्रियों के गृह निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त नहीं मिली है, और जद (एस) और भाजपा उम्मीदवारों को अधिक वोट मिले हैं। यदि कांग्रेस प्रत्याशी हारे तो जिले के प्रभारी मंत्री जिम्मेदार होंगे। हाल ही में बेंगलूरु आए राहुल गांधी ने मंत्रियों के साथ बैठक की और कांग्रेस की हार पर नाराजगी जताई। उन्होंने मंत्री के निर्वाचन क्षेत्रों में लगे झटके की रिपोर्ट देने का सुझाव दिया। इसने कई मंत्रियों के लिए चिंता पैदा कर दी है और कुर्सी के लिए यह एक बुरा सपना है। ऐसे में उपमुख्यमंत्री का पद छुप गया है। बताया जा रहा है कि एआईसीसी की कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली गए केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और उन्हें अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री का पद बनाने की सलाह दी। एक समय अतिरिक्त उपमुख्यमंत्रियों के पद के सृजन का इस आधार पर विरोध किया गया था कि इससे डीके शिवकुमार के पद का महत्व कम हो जाएगा। अब कहा जा रहा है कि डीके शिवकुमार खुद उपमुख्यमंत्री पद बनाने के पक्ष में बोल रहे हैं। लेकिन जाति के हिसाब से तरजीह दिए जाने की बात कहने वाले मंत्री सतीश जारकीहोली ने इस बात से इनकार किया है कि फिलहाल उपमुख्यमंत्री पद का कोई प्रस्ताव नहीं है। उनकी बेटी प्रियंका को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए फॉर्म बी दिया गया और वह जीतकर सांसद बन गईं। इसलिए कहा जा रहा है कि वह चर्चा से हट गए क्योंकि एक ही सदन में सांसद सीट और उपमुख्यमंत्री सीट दोनों मिलने के अवसर नहीं हैं।

---

25 जून से केएसआरटीसी में इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीनों की व्यवस्था होगी लागू

चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए केएसआरटीसी अपने नियमों में कुछ बदलाव कर रहा है और इसके माध्यम से भुगतान के बाद टिकट खरीदने का विकल्प प्रदान करने के लिए आगे आया है। इस संबंध में, केएसआरटीसी 25 जून से चार डिपो में इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीएम) का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा। सभी कंडक्टरों को प्रशिक्षण देने के बाद कुछ ही हफ्तों में यह सिस्टम सभी बसों में लागू कर दिया जाएगा। परिवहन निगम प्रति उपकरण 645 रुपये प्रतिमाह शुल्क लेता है। पता चला है कि 10,245 ईटीएम किराए पर ली गई थीं। केएसआरटीसी के एमडी अंबुकुमार ने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस महीने के अंत में सभी बसों में यह सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। इससे रिटेल की समस्या नहीं होगी और प्रबंधक द्वारा रिटेल न देने की शिकायतें भी कम हो जाएंगी। यात्री अपने क्रेडिट और डेबिट कार्ड का उपयोग करके टिकट का भुगतान और खरीद

कर सकते हैं। इसके लिए पांच साल का समझौता हुआ है। कंपनी ईटीएम के लिए बैकएंड और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर प्रदान करती है। केएसआरटीसी के एक अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मशीनें सफलता-पूर्वक काम कर रही हैं। कंडक्टरों को आगमन और प्रस्थान स्टेशन, फिर यात्रियों की संख्या, भुगतान विधि का चयन करना होगा। इसके बाद किराये की गणना अपने आप हो जायेगी। यात्री भुगतान के बाद टिकट प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा मशीनों को लॉक किया जा सकता है और अगर वे चोरी हो जाएं तो उन्हें स्मार्टफोन की तरह ट्रैक किया जा सकता है। हैंडहेल्ड ईटीएम में ई-पास जैसे कार्डों को स्कैन करने और मान्य करने के लिए एक उपकरण और एक कैमरा होगा। यदि सरकार शक्ति योजना के लाभार्थियों को शॉर्ट कार्ड जारी करती है, तो इन मशीनों में उन्हें अपनाने की भी सुविधा होगी। ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में उपलब्ध सीटों के आधार पर टिकट ट्रैक करना और जारी करना, स्थान ट्रैकिंग और अन्य उन्नत सुविधाएँ जैसी कई सुविधाएँ हैं। लेकिन इन्हें तुरंत जोड़ना संभव नहीं है। केएसआरटीसी के अधिकारियों ने कहा कि सब कुछ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

बेंगलूरु देहात में जाति, धर्म, भावनात्मक मुद्दे और ईर्ष्या की हुई जीत: डीके सुरेश

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद डीके सुरेश ने कहा कि मेरा कोई दुश्मन नहीं है। मैं अपना दुश्मन हूं। बेंगलूरु देहात में जाति, धर्म, भावनात्मक मुद्दे और ईर्ष्या की जीत हुई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा लोगों ने मुझे और मेरे काम को खारिज कर दिया और मुझे ब्रेक दे दिया। मैं इसकी उम्मीद कर रहा था। हर चीज पर पूर्णविराम की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह लोगों के फैसले के मुताबिक ब्रेक लेंगे। बेंगलूरु ग्रामीण की जीत भाजपा या जेडीएस की जीत नहीं है, बल्कि जाति की जीत है। उन्होंने कहा कि गारंटी के बीच जातिगत और धार्मिक भावनाएं हावी हैं। मुझे राजनीति पसंद नहीं थी। उप-चुनाव में जिला और राज्य के नेताओं ने डीके शिवकुमार पर दबाव डाला और मुझे उम्मीदवार बनाया। मैं एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में काम करता हूं। उन्होंने कहा कि यहां कौन हमारे पक्ष में होगा और कौन नहीं, यह पता नहीं है। वह चन्नापटना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में चुनाव नहीं लड़ेंगे। हम आश्चर्यजनक रूप से सक्षम उम्मीदवार को मैदान में उतारते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें जिताने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा। वे भावुकतावादी नहीं हैं। उन्होंने किसानों और लोगों की समस्याओं का जवाब दिया। उन्होंने विकास पर जोर दिया। लोगों ने इसे नकार दिया। पंचखत्री योजना में लाभार्थियों की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी मेकेदातु परियोजना को अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार इसे तीन महीने के भीतर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह एक कार्यकर्ता के तौर पर काम करेंगे। मैं राज्य से केंद्र में मंत्री कुमारस्वामी समेत 5 लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि उनसे उम्मीद है कि केंद्र से राज्य तक अन्याय नहीं होगा।

बीबीएमपी चुनाव पर सीएम-डीसीएम की नजर, विधायकों से की जा रही मंत्रणा

बेंगलूरु की सीटों पर हार की करेंगे समीक्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा और विधान परिषद समेत सभी चुनाव संपन्न कराने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बीबीएमपी चुनावों पर नजर रख रहे हैं और जल्द ही पार्टी विधायकों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री के गृह कार्यालय कृष्णा में बैठक होगी और बेंगलूरु की 3 लोकसभा सीटों पर हुई हार पर समीक्षा की जाएगी। इस बार कांग्रेस को बेंगलूरु दक्षिण और

बेंगलूरु सेंट्रल लोकसभा क्षेत्रों में जीत का भरोसा था। पिछले विधानसभा चुनाव में शहर के मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया था। लेकिन अब लोकसभा चुनाव में एक भी सीट जीतना क्यों संभव नहीं हो पा रहा है? ये सवाल कांग्रेस को परेशान कर रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पार्टी विधायकों से हार के कारणों पर मंत्रणा करेंगे। हाल ही में गर्मी के कारण शहर के लोगों को पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ा। उसके बाद मानसून की बारिश तेज हो गई है, भले ही सामान्य से थोड़ी ज्यादा बारिश हुई हो, शहर में बाढ़ आ रही है, घरों में पानी घुस रहा है, सड़कों और पुलों पर पानी जमा है और जनता के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में उठाए जाने वाले स्थायी समाधान को लेकर पार्टी विधायकों के साथ चर्चा की संभावना है। पिछले 5 वर्षों से बीबीएमपी के लिए कोई चुनाव नहीं हुआ है। स्थानीय जन प्रतिनिधियों के बिना विकास कार्य अवरुद्ध हैं। इस पृष्ठभूमि में, सार्वजनिक क्षेत्र से तीव्र दबाव सुना जा रहा है कि बीबीएमपी के लिए चुनाव कराया जाना चाहिए। लेकिन पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के कारण चुनाव प्रक्रिया में देरी हो रही है। सरकार पिछड़े वर्ग के आरक्षण को किनारे रखकर चुनाव कराने को तैयार नहीं है। आरक्षण को फिर से लागू करने के अध्ययन के लिए एक समिति का गठन किया गया है, ऐसी चर्चा है कि इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए बीबीएमपी के लिए चुनाव कराया जाना चाहिए।

केएसआरटीसी ने सरकार को बस किराया बढ़ाने का भेजा प्रस्ताव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएसआरटीसी ने बसों के रखरखाव की लागत में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण बस किराया बढ़ाने की अनुमति मांगने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। मई 2023 में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से, महिलाओं को केएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा, डीजल, स्पेयर पार्ट्स और बस रखरखाव की लागत बढ़ गई है। इसलिए, निगम बस किराया बढ़ाने की मांग कर रहा है। केएसआरटीसी बस किराया आखिरी बार 2020 में बढ़ाया गया था। तब से, इसमें महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। डीजल, जिसकी कीमत 61 रुपये प्रति

लीटर थी, अब 90 रुपये प्रति लीटर हो गई है। केएसआरटीसी के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बस किराए में 25 से 30 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा कि केएसआरटीसी की आय का 45 फीसदी से अधिक हिस्सा डीजल पर खर्च होता है। पिछले चार साल में ईंधन की कीमत में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पहले निगम डीजल पर तीन करोड़ रुपये खर्च करता था, अब पांच करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। इसलिए केएसआरटीसी अपने वित्तीय संसाधनों को बनाए रखने के तरीके खोजने की कोशिश कर रहा है। एनएचएआई हर साल थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूप-ीआई) के आधार पर टोल गेट शुल्क बढ़ाता है। इसी तरह, बस निगमों का एक फॉर्मूला है। कर्मचारियों के वेतन में 20 फीसदी की बढ़ोतरी और डीजल और स्पेयर पार्ट्स की कीमतों में 46 फीसदी की बढ़ोतरी को देखते हुए टिकट की कीमतों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी की जरूरत है। एक अधिकारी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता मुनाफा कमाना नहीं बल्कि बसों को बिना घाटे के चलाना है। केएसआरटीसी अधिकारी ने कहा सरकार इस साल हमारे प्रस्ताव को मंजूरी देगी। हमें हर साल बजट में नई बसें खरीदने, कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि करने और अधिक बस स्टेशन बनाने के लिए अनुदान मिलता है। हालांकि, शक्ति योजना की घोषणा के बाद, राज्य सरकार ने हमें कोई अनुदान नहीं दिया है। हमें अपने राजस्व से राज्य परिवहन निगम का प्रबंधन करना है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने भी पुष्टि की कि उन्हें केएसआरटीसी से कीमतें बढ़ाने का प्रस्ताव मिला है।

कुमारस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के अगले दिन केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भोजन आपूर्तिकर्ता के पक्ष में अहम फैसला लेने के लिए सभी किसानों की ओर से उनका आभार व्यक्त किया। इस संबंध में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री किसान निधि से 9.3 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये जारी करने का फैसला किया है। यह हमारे किसानों के प्रति एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या का मामला

पश्चिम बंगाल सीआईडी ने की संदिग्ध से पूछताछ, मानव हड्डियां बरामद

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल सीआईडी ने बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या मामले की जांच के सिलसिले में तलाश अभियान के दौरान रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले में एक नहर के पास से मानव हड्डियों के कुछ हिस्से बरामद किए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया, मामले के प्रमुख संदिग्ध मोहम्मद सियाम हुसैन (जिसे नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार करके भारत को प्रत्यर्पित किया था) से पूछताछ के बाद ये हड्डियां भांगर के कृष्णामती गांव में बागजोला नहर के दक्षिण-पूर्वी तट से बरामद की गईं। सीआईडी अधिकारी ने कहा, बरामदगी के दौरान मौजूद चिकित्सा अधिकारियों और फॉरेंसिक विशेषज्ञों के मुताबिक हड्डियों के हिस्से इंसान के प्रतीत होते हैं। इस संबंध में बिजॉयगंज बाजार पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया है। हड्डियों को जल्द ही फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। अधिकारी ने कहा, बांग्लादेशी राजनेता के शरीर के अन्य अंगों का पता लगाने के लिए तलाश जारी है।

सीआईडी अधिकारियों ने इससे पहले न्यू टाउन इलाके के एक फ्लैट के सेप्टिक टैंक से मांस के टुकड़े बरामद किए थे, इनका वजन लगभग 3.5 किलोग्राम था। इसी जगह पर सांसद को आखिरी बार 12 मई को देखा गया था। बांग्लादेश के सांसद की बेटी हड्डियों और मांस के टुकड़ों की बरामदगी होने पर डीएनए जांच के लिए अगले सप्ताह कोलकाता पहुंच सकती है।

अधिकारी ने बताया, बांग्लादेशी नेता के शरीर के अंगों, साथ ही अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियारों का पता लगाने के लिए हुसैन को कोलकात के पास न्यू टाउन इलाके के उस फ्लैट में भी ले जाया गया जहां अनार को आखिरी बार 12 मई को देखा गया था। मामले के प्रमुख संदिग्ध हुसैन को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार करके शुक्रवार को भारत को प्रत्यर्पित कर दिया था।

सीआईडी अधिकारी ने कहा, हम हुसैन से पूछताछ कर रहे हैं। उसे बांग्लादेश के सांसद के शरीर के अंगों की तलाश के लिए न्यू टाउन के लैट और आसपास के इलाकों में भी ले जाया गया। वह हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों का पता लगाने में भी हमारी मदद करेगा। हुसैन को शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल लाया गया। उसे उत्तर 24 परगना जिले के बारासात की एक स्थानीय अदालत ने सीआईडी की 14 दिन की हिरासत में भेज दिया। सांसद कथित तौर पर इलाज कराने के लिए 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे। उनकी तलाश छह दिन बाद तब शुरू हुई जब उत्तरी कोलकाता के बारानगर के निवासी और बांग्लादेशी नेता के परिचित गोपाल विश्वास ने 18 मई को स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अमेठी से जीते किशोरी लाल के नॉमिनेशन फॉर्म में हुई बड़ी गलती

सोशल मीडिया पर बरपा हंगामा

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव जीतने वाले कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, किशोरी लाल के नॉमिनेशन फॉर्म के एफिडेविट में एक बड़ी गलती हुई है। उनके नॉमिनेशन फॉर्म में लोकसभा चुनाव 18वीं के स्थान पर 17वीं लिखा हुआ है। यह सोशल मीडिया पर वायरल है। किशोरी लाल के नॉमिनेशन फॉर्म के एफिडेविट के वायरल होने के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ने की बात कही जा रही है।

सवाल उठ रहा है कि चुनाव आयोग इसको लेकर किशोरी लाल पर क्या कार्रवाई करता है? सवाल यह भी पूछे जा रहे हैं कि क्या उनकी सांसदी जाएगी? लोकसभा चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार के नामांकन पत्रों और उसके एफिडेविट की जांच चुनाव आयोग करता है।

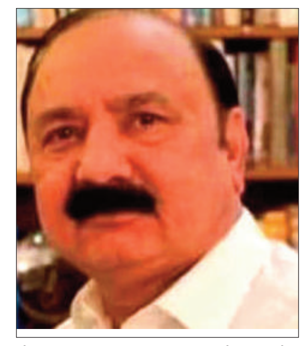

लेकिन, चुनाव आयोग के अधिकारी किशोरी लाल की इस गलती को पकड़ नहीं पाए। अमेठी लोकसभा सीट से किशोरी लाल चुनाव जीत गए। आयोग ने कांग्रेस नेता को प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया।

लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल करते हैं। चुनाव आयोग उम्मीदवारों से जानकारी मांगता है। उम्मीदवार नॉमिनेशन फॉर्म और एफिडेविट के जरिए जानकारियों को साझा करते हैं। प्रत्याशी के सभी दस्तावेजों की जांच निर्वाचन आयोग करता है। चुनाव आयोग को किसी भी दस्तावेज में कोई भी गड़बड़ी या फिर वह संदिग्ध लगता है तो ऐसे में चुनाव आयोग उस प्रत्याशी की उम्मीदवारी को भी रद्द कर सकता है। बता दें कि 17वीं लोकसभा में अमेठी संसदीय सीट से कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी ने भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। नतीजों में राहुल गांधी को स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 18वीं लोकसभा में इंडिया गठबंधन की तरफ से किशोरी लाल को चुनावी मैदान में उतारा गया। इस चुनाव में भाजपा ने स्मृति ईरानी को किशोरी लाल के खिलाफ चुनाव लड़वाया। लेकिन, इस बार चुनाव में भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री रहीं स्मृति ईरानी को किशोरी लाल से शिकस्त मिली। किशोरी लाल ने उन्हें 1,67,196 मतों के अंतर से हराया।

हिंदी के पांच कथाकार रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

हिंदी के मशहूर लेखक रमाकांत के नाम पर दिए जाने वाले रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार के लिए हिंदी के पांच कथाकारों के नाम का चयन किया गया है। रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार समिति के संयोजक महेश दर्पण ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 2019 से 2023 तक के लिए यह पुरस्कार कथाकार निर्देश निधि,अंजू शर्मा, आशा पांडे, अखिलेश श्रीवास्तव तथा गीताश्री को दिया गया है। पुरस्कार समरोह सितंबर में दिल्ली में आयोजित होगा। पांच पुरस्कारों की घोषणा के साथ ही यह सम्मान पाने वाले कथाकारों की कुल संख्या 25 हो गई है।

श्री दर्पण ने घोषित पुरस्कारों का विवरण देते हुए बताया कि 2019 का रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार निर्देश निधि को कथादेश में प्रकाशित उनकी कहानी मैं ही आयी हूँ बाबा को दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए इस कहानी का चयन चर्चित कथाकार महेश कटारे ने किया है। कथाकार अंजू शर्मा को 2020 के लिए 'हंस' में छपी उनकी कहानी 'द हैप्पी बड्डे ऑफ सुमन चौधरी' को दिया गया है। उनकी इस कहानी का चयन वरिष्ठ व्यंग्यकार तथा उपन्यासकार प्रदीप पंत ने किया है। 'कथादेश' में प्रकाशित आशा पांडेय की कहानी 'डेढ़ सेर चांदी' का चयन 2021 के रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार के लिए किया गया है। इस कहानी का चयन प्रसिद्ध रंगकर्मी देवेंद्रराज अंकुर ने किया है जबकि 2022 का सम्मान अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' की 'वर्तमान साहित्य' में प्रकाशित रचना 'इच्छा' के लिए कवि-अनुवादक केवल गोस्वामी को दिया गया हैं। वर्ष 2023 का पुरस्कार गीताश्री की 'नई धारा' में छपी कहानी 'शमशान वैराग्य' को दिया गया है। इस कहानी का चयन फिल्मकार अनवर जमाल ने किया है।

बिहार पुलिस बनेगी डिजिटली स्मार्ट, प्रशिक्षण शुरू

पटना, 10 जून (एजेंसियां)।

आपराधिक कानूनों में हुए बड़े बदलाव के साथ बेहतर सामंजस्य बिठाकर अनुसंधान करने और कांडों का शीघ्र उद्भेदन करने के उद्देश्य से बिहार पुलिस को डिजिटली स्मार्ट और सक्षम बनाने की कार्यवाही आज से तेज़ हो गई है।

पुलिस महानिदेशक आर. एस. भट्टी ने सोमवार से यहां ज्ञान भवन के बापू सभागार में नये आपराधिक कानून, विधि विज्ञान एवं डिजिटल पुलिसिंग आदि विषयों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, यह सामान्य पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं है। यह ऐसा कार्यक्रम है, जो बिहार पुलिस को पूरी तरह से बदल सकता है। यह बिहार पुलिस के रूपांतरण की शुरुआत है, बुनियादी परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि अब सारे जांच पदाधिकारियों (आईओ) के पास लैपटॉप होगा और उन्हें ई-अनुसंधान की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही वे पूरे न्यायालय से डिजिटली जुड़ जाएंगे।

अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जितेन्द्र सिंह गंगवार ने बताया कि पूरे देश में आपराधिक क़ानूनों में बड़ा बदलाव किया गया है। नये आपराधिक क़ानून 01 जुलाई 2024 से लागू किए जाएंगे। तीन पुराने क़ानून आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम थे। लेकिन, आईपीसी के स्थान पर अब भारतीय न्याय संहिता 2023, सीआरपीसी के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू होगा। इस बदलाव के मद्देनजर बिहार पुलिस और चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

श्री गंगवार ने बताया कि बिहार पुलिस के सभी अधिकारियों, जिसमें सभी अनुसंधानकर्ता और सभी सुपरवाइजिंग ऑफिसर भी शामिल हैं, इन सभी को पर्याप्त गहन प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। इसमें 25 हज़ार पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण तीन अलग-अलग चरणों में संपन्न कराए जाएंगे। सभी ज़िलों में जितने भी आईओ हैं उनमें से एक तिहाई आज वेबकास्टिंग के माध्यम से प्रशिक्षण से जुड़े हैं। इस तरह से अगले दस-पंद्रह दिनों में 25 हज़ार लोगों की ट्रेनिंग पूरी कराई जाएगी, जिससे बिहार पुलिस 01 जुलाई से नये क़ानूनों को पूरी तरह से लागू करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार हों।

अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बताया जाएगा कि पूरे अनुसंधान में किस तरह से विधि विज्ञान का प्रयोग किया जा सकता है। डिजिटल पुलिसिंग को कैसे बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने बताया कि डिजिटल पुलिसिंग की दो घटक होंगे अर्थात् आईओ किस तरह से क़ानून के नये बदलाव को डिजिटली करेंगे और दूसरा नागरिकों को किस तरह से डिजिटली नई सुविधाएं प्रदान की जाएगी। श्री गंगवार ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान गंभीर अपराध वाले घटनास्थल पर उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य का किस तरह से संकलन करना है, घटनास्थल को वीडियोग्राफ़ी, फोटोग्राफी कैसे करनी है। इसके लिए विधि विज्ञान विशेषज्ञों द्वारा पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि अब से सभी आईओ को लैपटॉप और स्मार्टफ़ोन उपलब्ध कराने की हमने व्यवस्था की है। इसके माध्यम से वीडियोग्राफ़ी, फोटोग्राफी और पीड़ित गवाहों के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग एवं अन्य काम आईओ बहुत सुलभता से कर सकेंगे। जो लैपटॉप दिया जाएगा उसमे उस आईओ का कोड रहेगा। जैसे ही प्राथमिकी दर्ज होगी थाना प्रभारी अपने लैपटॉप से उनको इंडीकेट करेंगे और वह एफ़आईआर आईओ और न्यायालय को चला जाएगा। आईओ अपने लैपटॉप से केस डायरी भी ऑनलाइन देख सकेंगे।

श्री गंगवार ने बताया कि अनुसंधान के दौरान कई बार वादी-प्रतिवादी के सोशल मीडिया अकाउंट को भी खंगालना पड़ता है। इसके माध्यम से भी बिहार पुलिस कई मामलों का उद्भेदन करती है। ओपन सोर्स इन्वेस्टीगेशन टूल्स उपलब्ध हैं, उसके माध्यम से किस तरह से हम डिजिटल एविडेंस को इकट्ठा करते हैं और उनका उपयोग कर सकते हैं, उनका भी हम प्रशिक्षण दे रहे हैं। इससे बेहतर अनुसंधान होगा, कांडों का जल्द उद्भेदन हो सकेगा, अनुसंधान में तेजी आएगी। सबसे बड़ी बात कि डिजिटल साक्ष्य में किसी तरह से छेड़छाड़ नहीं की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि अब वारंट और कुर्की भी न्यायालय से डिजिटली ही मिलेगा और वह सीधे थाने में आएगा।

रियासी हमले में मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रूपए की अनुग्रह राशि की मंजूरी

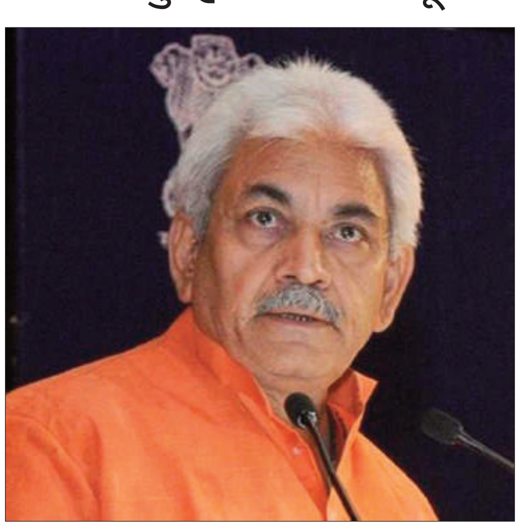

जम्मू, 10 जून (एजेंसियां)।

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को रियासी आतंकवादी हमले में मृत तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मंजूरी दी। श्री सिन्हा ने घायलों को 50-50 हजार रुपये दिये जाने की भी मंजूरी दी है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक हमले में घायल लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। घटनास्थल पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का संयुक्त सुरक्षा बल अस्थायी मुख्यालय स्थापित किया गया है। गौरतलब है कि रविवार की शाम आतंकवादियों के समूह ने रियासी जिले के रनसू इलाके से आ रही यात्रियों से भरी बस पर हमला कर दिया। हमले के कारण चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बस रियासी में पौनी के कांडा इलाके के पास गहरी खाई में गिर गयी। हादसे में कम से कम नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हुए हैं। घायलों को रियासी, त्रेयाथ और जम्मू जीएमसी के विभिन्न अस्पतालों में रेफर किया गया है। आतंकवादियों का पता लगाने के लिए संयुक्त सुरक्षा बल का अभियान जारी है।

हरियाणा की ओर से दिल्ली के हिस्से का पानी रोकने पर आपा ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश से दिल्ली को मिल रहे अतिरिक्त पानी को हरियाणा सरकार द्वारा रोकने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है।

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली सबकी है और सबको अपनाती है। देशभर के लोग अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर रोजगार के लिए यहां आते हैं।

वहीं भाजपा दिल्ली के लोगों के पानी का हक रोक रही है। सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट कर तक हर जगह संघर्ष करेंगे और भाजपा की नकारात्मक राजनीति दिल्ली में एक बार फिर विफल होगी। 31 मई को दिल्ली सरकार सुप्रीम कोर्ट गई और बताया कि अचानक लू के चलते दिल्ली में तापमान 53 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और पानी की मांग बढ़ गई है। हमने अदालत को बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिल्ली को देने के लिए तैयार हैं। हमने सुप्रीम कोर्ट से मांग की कि हरियाणा सरकार को हिमाचल से दिल्ली तक पानी आने देने का आदेश दिया जाए। उन्होंने पानी की कमी को पूरा करने के लिए हमें थोड़े समय के लिए यह व्यवस्था चाहिए। अदालत ने हरियाणा सरकार को पानी को बिना किसी रुकावट के हथिनीकुंड बैराज से होते हुए दिल्ली आने देने का आदेश दिया। हरियाणा सरकार ने हिमाचल प्रदेश से आने वाला 137 क्यूसेक पानी तो रोका ही, साथ ही एक दूसरे चैनल से दिल्ली आने वाले 1050 क्यूसेक पानी में से 200 क्यूसेक की आपूर्ति भी रोक दी है।

सुश्री कक्कड़ ने कहा कि इसी नकारात्मक राजनीति का नतीजा है कि भाजपा हरियाणा में आधी हो गई है और जल्द ही यहां साफ भी हो जाएगी। उन्हें किस बात का अहंकार है?

लिंग-विशिष्ट शिकायतों से निपटने के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना जरूरी: मिश्रा

पुणे, 10 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पुलिस की महानिदेशक एवं भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी रेणुका मिश्रा ने सोमवार को यहां लिंग संबंधी शिकायतों को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ संभालने के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय महिला आयोग और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पुणे डिवीजन द्वारा यहां भारतीय रेलवे सिविल इंजीनियरिंग संस्थान में आयोजित 'मानव तस्करी विरोधी जागरूकता' पर एक सेमिनार में बोलते हुए, उन्होंने लिंग संवेदनशीलता पर सहानुभूति और समझ बनाने, समावेशी स्थान बनाने और रेलवे के भीतर लिंग विविधता के लिए समझ और समर्थन को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा देने, महिला यात्रियों के प्रति लिंग-संवेदनशील संचार और व्यवहार सुनिश्चित करने के बारे में भी बात की।

इस दौरान गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) मनोबल के सलाहकार मनोवैज्ञानिक गौरव गिल ने विस्तार से चर्चा की कि शरीर की भाषा का विश्लेषण कैसे करें और धोखे का पता लगाएं। वहीं, आईपीएस (सेवानिवृत्त) उमापति सत्तारू ने मानव तस्करी को रोकने के बिंदुओं पर जोर दिया। उन्होंने मानव तस्करी की अवधारणाओं, आयामों और विभिन्न रूपों, प्रवृत्तियों, आंकड़ों और हॉटस्पॉट पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मानव तस्करी के कमजोर कारकों और कानूनी ढांचे और इसे रोकने के लिए हितधारकों की भूमिका पर भी चर्चा की। इस अवसर पर एक ओपन हाउस चर्चा भी हुई और कुछ आरपीएफ कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान जागरूकता अभियान और सामुदायिक जुड़ाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। संगोष्ठी में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में पुणे मंडल की मंडल रेल प्रबंधक इंदु दुबे, राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य-सचिव सुश्री मीनाक्षी नेगी; हेमंत कुमार, मुख्य सुरक्षा आयुक्त-सह-डीआईजी/आरपीएफ मध्य रेलवे उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रा से पहले कश्मीर के आईजीपी ने की सुरक्षा की समीक्षा

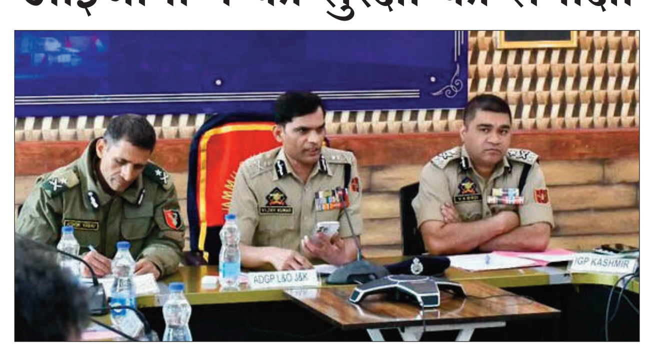

श्रीनगर, 10 जून (एजेंसियां)।

वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू में सिर्फ एक पखवाड़ा शेष रह गया है, जिसके मद्देनजर कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने सोमवार को यहां सुरक्षा की समीक्षा की।

यह बैठक इसलिए भी अहम थी, क्योंकि और रविवार शाम जम्मू के रियासी में हुए आतंवादी हमले में नौ तीर्थयात्रियों की हत्या हुई थी। अमरनाथ यात्रा 29 जून से मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के दोहरे मार्गों से शुरू होगी। बैठक में इस महीने मनाए जाने वाले मेला खीर भवानी और ईद-उल-अजहा के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) ने अधिकारियों को ड्रोन और सीसीटीवी का उपयोग करके असामाजिक/राष्ट्रविरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने और चौबीसों घंटे नाका/कटऑफ प्वाइंट स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशिष्ट खुफिया जानकारी उत्पन्न करके आतंकवाद विरोधी ग्रिड को बढ़ाने और सभी जिलों में सीएएसओ/आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में क्षेत्र के उप महानिरीक्षक (डीआईजी), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और पी-सीआर कश्मीर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस दौरान एसएसपी गांदरबल ने 13 जून को मनाए जा रहे मेला खीर भवानी त्योहार और श्री अमरनाथ जी यात्रा -2024 की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने मेला खीर भवानी के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से बताया, जो जिला गांदरबल के अलावा कश्मीर घाटी में विभिन्न मंदिरों में होने वाला है। कानून और व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, भक्तों की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की गई। वहीं, 17 जून को मनाई जाने वाली आगामी ईद-उल-अजहा के शांतिपूर्ण पालन के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर सभी भाग लेने वाले अधिकारियों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई।

कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने का अभियान

अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त करने की कार्रवाई तेज

योगी सरकार की कार्रवाई को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी माना सही

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)।

सपा सरकार में पर्यावरण संरक्षण के मानकों को दरकिनार कर भूमाफिया द्वारा कुकरैल नदी व बंधे के बीच बसाई गई अकबरनगर की अवैध कॉलोनी में योगी सरकार की कार्रवाई लगातार जारी है। सपा काल में संरक्षण प्राप्त भूमाफिया ने सरकार से सांठगांठ कर वर्ष 2012 से 17 के बीच कुकरैल नदी और बंधे के बीच बहुमंजिला इमारतें एवं बड़े-बड़े शोरूम खड़े कर दिये थे। इतना ही नहीं भूमाफिया ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अवैध कॉलोनियां बसा दीं, जबकि इस क्षेत्र में रिहायशी एवं व्यवसायिक निर्माण नहीं हो सकता। ऐसे में मरती हुई नदी को जिंदा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर योगी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। कोर्ट ने भी अवैध निर्माण को लेकर योगी सरकार की कार्रवाई को सही माना है। इस पर एक बार फिर योगी सरकार ने अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तेज कर दी है। इसके साथ ही यहां पर पर्यावरण संरक्षण के मानकों के आधार पर क्षेत्र को विकसित करने और कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार ने कदम बढ़ा दिया है।

योगी सरकार लगातार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भूमाफिया और अतिक्रमण के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। सरकार की इस मुहिम को प्रदेशवासियों के साथ पूरी दुनिया में सराहना मिल रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने कुकरैल नदी और बंधे के बीच बसाए गए अकबरनगर प्रथम और द्वितीय के अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई का नया चरण सोमवार से शुरू कर दिया है। बता दें कि सपा सरकार ने अपने शासनकाल में पर्यावरण चिंताओं को दरकिनार कर अपने पोषित भूमाफियाओं को कुकरैल नदी पर अवैध निर्माण की अनुमति दी थी। इन्होंने यहां पर सपा सरकार की शह और सांठगांठ से बहुमंजिला इमारतें, घर और शोरूम बना दिये। आज इन पर करोड़पतियों का कब्जा है। सपा सरकार के इस कृत्य से कुकरैल नदी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया। ऐसे में योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यहां पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी ताकि पर्यावरण को संरक्षित किया जा सके। साथ ही कुकरैल नदी को पुनर्जीवित किया जा सके। योगी सरकार के एक्शन से घबराए भूमाफिया और करोड़पतियों ने कोर्ट में गलत दस्तावेज प्रस्तुत कर गुमराह करने की कोशिश की। इस पर योगी सरकार ने निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में भूमाफिया के झूठ का पर्दाफाश किया। करोड़पति कब्जेदारों ने कोर्ट में खुद को झुग्गीवासी बताया था। इस पर एलडीए ने कोर्ट में 73 करोड़पति कब्जेदारों की सूची सौंपी, जिनका सालाना करोड़ों का टर्नओवर था। इसे देख कोर्ट ने करोड़पति कब्जेदारों को झुग्गीवासी नहीं माना। इसके साथ ही इन्होंने योगी सरकार द्वारा अवैध निर्माण को लेकर की जा रही कार्रवाई को सही माना। कोर्ट ने माना कि अकबरनगर में अवैध बस्ती को बसाया गया है, जिसे हटाना जरूरी है।

योगी सरकार ने दिसंबर 2023 में कुकरैल नदी और बंधे के मध्य में बसाए गए अकबरनगर में बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान भूमाफिया के इशारे पर अतिक्रमणकारियों ने खूब विरोध किया। इसके बाद भी योगी सरकार अपने फैसले पर अडिग रही और कार्रवाई जारी रही। मालूम हो कि योगी सरकार ने नवंबर 2023 में कुकरैल नदी और बंधे के मध्य बसे अकबरनगर प्रथम और द्वितीय के 1068 अवैध आवासीय और 101 व्यावसायिक निर्माण को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। सपा सरकार में भूमाफिया के हौसले इस कदर बुलंद थे कि इन्होंने शहर के भोले-भाले और गरीबों को भी ठगने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन्होंने अवैध बस्ती बसा कर गरीबों की गाढ़ी कमाई लूट ली। वहीं योगी सरकार लगातार प्रदेश की गरीब जनता जनार्दन और जरूरतमंदों के साथ मजबूत से खड़ी है। यही वजह है कि सरकार के आदेश पर अकबरनगर में अवैध निर्माण को हटाने से पहले अधिकारियों ने हर गरीब परिवार से संवाद किया था। इस दौरान सभी गरीब परिवार का पुनर्वास कराते हुए करीब दो हजार लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान आवंटित किए गए।

विधानसभा उपचुनाव में फिर होगा योगी का लिटमस टेस्ट

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में अगर भाजपा को सबसे बड़ा झटका कहीं लगा है तो वह है उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो अपनी कट्टर हिंदू छवि और कानून-व्यवस्था को लेकर जाने जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद यूपी में भाजपा को अनुमान के मुताबिक सीटें नहीं मिलीं। यहां भाजपा को लोकसभा चुनाव में 33 सीटें, जबकि सपा को 37 सीटें मिली हैं।

इंडी गठबंधन को 43 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए के खाते में कुल 36 सीटें गई हैं। 2014, 2019 की अपेक्षा भाजपा को यूपी लोकसभा चुनाव में भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

अब उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा का लिटमस टेस्ट होगा। उसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि जो विधायक लोकसभा सीट जीतकर सांसद बने हैं, अब विधानसभा सीटों पर 6 महीने के अंदर उपचुनाव होंगे। जिन सीटों पर विधानसभा उपचुनाव होने हैं, वो उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटें हैं। इस उपचुनाव के बाद एक बात तय हो जाएगी कि 2027 यूपी विधानसभा में किसकी सरकार बनेगी।

इस बार लोकसभा चुनाव में 14 विधायकों को विभिन्न दलों ने चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें से नौ विधायकों ने जीत दर्ज कर अपना सियासी कद बढ़ा लिया। वहीं छह विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह भी शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझावन, मीरापुर, अयोध्या, करहल, कटेहरी, कुंदरकी विधानसभा क्षेत्रों पर उपचुनाव होना तय हो गया है। भाजपा और सहयोगी दलों ने लोकसभा चुनाव के मैदान में सबसे ज्यादा आठ विधायकों और तीन एमएलसी को उतारा था। इनमें से फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण पटेल ने जीत दर्ज की है। प्रवीण 2007, 2017 व 2022 में फूलपुर सीट से चुनाव जीते थे। इस बार मतदाताओं ने उन्हें संसद तक पहुंचा दिया है।

हाथरस से चुनाव लड़े भाजपा के अनूप वाल्मीकि भी चुनाव जीत गए हैं। वह खैर विधानसभा सीट से विधायक थे और प्रदेश सरकार के मंत्री भी हैं। गाजियाबाद से भाजपा ने जनरल वीके सिंह का टिकट काटकर विधायक अतुल गर्ग को चुनावी मैदान में उतारा था। वह पार्टी की उम्मीदों पर खरे उतरे और जीत हासिल की। जनरल वीके सिंह ने इस सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में 5,01,500 मतों से सबसे बड़ी जीत हासिल की थी।

भदोही से भाजपा ने मझावन विधानसभा सीट से विधायक और निषाद पार्टी के विनोद कुमार बिंद को उतारा था। उन्होंने भी जीत हासिल कर संसद भवन पहुंचने का रास्ता तय कर लिया है। मीरापुर विधानसभा सीट से विधायक चंदन चौहान को रालोद के टिकट पर बिजनौर से जीत दर्ज कर अपना कद बढ़ाया है। समाजवादी पार्टी ने छह विधायकों को चुनावी रण में उतारा था। इनमें अयोध्या के विधायक अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद से चुनाव जीतकर बड़ा उलटफेर किया है और जीत हासिल कर संसद का रास्ता तय किया

मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कन्नौज से जीत दर्ज की है। अखिलेश यादव को किसी एक पद से इस्तीफा देना होगा। इस हिसाब से करहल सीट पर उपचुनाव होंगे। सपा के टिकट पर कटेहरी के विधायक लाल जी वर्मा ने अंबेडकर नगर लोकसभा सीट से जीत दर्ज की है। मुरादाबाद के कुंदरकी विधानसभा सीट के विधायक जियाउर्रहमान बर्क ने सपा के टिकट पर संभल से जीत दर्ज की है।

किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करेगा पीएम का पहला फैसला : योगी

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)।

देश के अन्नदाताओं के हित में उठाए गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले फैसले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया है। सीएम योगी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए इस फैसले की सराहना की है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल के पहला फैसला लेते हुए पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त की फाइल पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए देश के सभी किसानों को हार्दिक बधाई दी है।

उन्होंने कहा, तीसरे कार्यकाल के प्रथम दिवस का प्रथम निर्णय अन्नदाता किसान कल्याण को समर्पित। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज कार्यभार ग्रहण करते ही पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करने हेतु फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस निर्णय से लाभान्वित होने वाले 9.3 करोड़ अन्नदाता किसानों के बैंक खातों में लगभग 20,000 करोड़ की राशि हस्तांतरित होगी। किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करते इस कल्याणकारी निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश के सभी किसान भाइयों-बहनों की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार।

अमरोहा में तेज रफ्तार कार हुई हादसे का शिकार

चार प्रसिद्ध यूट्यूबर्स की दुखद मौत

अमरोहा, 10 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में दर्दनाक हादसा हुआ। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के मनोटा गांव के पास रविवार रात दो तेज रफ्तार कारों की टक्कर हो गई। इसमें चार लोगों की जान चली गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान लकी, सलमान, शाहरुख और शाहनवाज के रूप में हुई है, जो दिल्ली के रहने वाले थे।

अधिकारियों के अनुसार यह दुखद घटना तब हुई, जब चारों लड़कों का ग्रुप किसी काम के लिए गजरौला से बुलंदशहर जा रहा था। हसनपुर सर्कल अधिकारी दीप कुमार पंत ने घटना के बारे में विस्तार से बताया और कहा, यह दुर्घटना रविवार रात को अमरोहा जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र के मनोटा पुल के पास हुई, जब तेज गति से जा रही दो कारें आपस में टकरा गईं।

दीप कुमार पंत ने कहा, चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी कार में सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

वे करीबी दोस्त थे और यूट्यूब पर वीडियो बनाते थे। चारों किसी काम से बुलंदशहर जा रहे थे, तभी रास्ते में इस हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अमरोहा भेज दिया है। दूसरी कार में घायल व्यक्तियों का भी इलाज चल रहा है।

बताया जा रहा है कि हादसे में मारे गए युवक एर्टिगा कार में सवार थे। सामने से आ रही बोलेरो कार से उनकी टक्कर हो गई। मारे गए चारों यू-ट्यूबर्स थे। उनके यू-ट्यूब चैनल का नाम राउंड टू वर्ल्ड है। इस चैनल पर वो कॉमेडी वीडियो बनाया करते थे। उनके यूट्यूब चैनल को 2.06 मिलियन लोगों ने सब्सक्राइब कर रखा है।

इससे पहले सोमवार सुबह ही उत्तरप्रदेश के अयोध्या से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस गाजीपुर में सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के बाराचंवर क्षेत्र में हुआ जहां प्राइवेट बस की डम्पर से टक्कर हुई है। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई है जबकि 18 से ज़्यादा संख्या घायलों की है। यह बस अयोध्या से लौट रही थी और अधिकतर यात्री श्रद्धालु थे। घायलों को मऊ के जिला अस्पताल एडमिट कराया, जहां डॉक्टरों ने तीन यात्रियों को मृत घोषित कर दिया।

सीएम योगी ने राजनाथ, अमित शाह और गडकरी से मुलाकात की

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी से सोमवार को नई दिल्ली में मुलाकात की। भाजपा के तीनों नेताओं ने रविवार को मोदी-3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। 2024 लोकसभा चुनाव जीतने के बाद तीनों वरिष्ठ नेताओं से योगी आदित्यनाथ की यह पहली मुलाकात है।

सीएम योगी रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में ही रात्रि विश्राम किया। सोमवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह व नितिन गडकरी से मुलाकात कर तीनों नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल होने की शुभकामना दी। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश की लखनऊ, अमित शाह गुजरात की गांधीनगर और नितिन गडकरी महाराष्ट्र की नागपुर लोकसभा से चुनाव जीते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी की लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार भी किया था।

मातम में बदलीं खुशियां: पहले बनाई रील फिर नहाते वक्त नदी में डूबे सात लोग

बर्थडे गर्ल समेत चार की मौत

लखीमपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

लखीमपुर खीरी जनपद के पढुआ थाना क्षेत्र की घाघरा नदी के बोकरिहा घाट पर नहाते वक्त सोमवार सुबह तेलियार गांव के एक ही परिवार के सात लोग डूब गए। तीन को बचा लिया गया, जबकि चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में टिया उर्फ उर्वशी (18) भी शामिल है, इसके जन्मदिन पर परिवार के लोग इकट्ठा हुए थे। एक लड़की की हालत नाजुक है। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

तेलियार गांव निवासी सुबोध श्रीवास्तव की 18 वर्षीय बेटी टिया उर्फ उर्वशी के जन्मदिन पर शनिवार की रात पार्टी थी। परिवार समेत रिश्तेदार शामिल हुए। रविवार को सभी लोग घर पर ही रुके। सोमवार सुबह करीब आठ बजे सभी लोगों ने घाघरा नदी के बोकरिहा घाट पर घूमने जाने के लिए निकले थे।

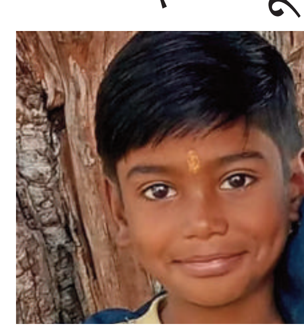

सुबोध के भाई बृजेंद्र श्रीवास्तव के दामाद अरविंद श्रीवास्तव निवासी सीतापुर अपनी कार से सभी को लेकर घाट पर पहुंचे। उनके साथ बृजेंद्र श्रीवास्तव की बहन सुशीला देवी उर्फ पच्चू (50) पत्नी ब्रह्मप्रकाश, टिया उर्फ उर्वशी श्रीवास्तव (18), सत्यम श्रीवास्तव (24) पुत्र बृजेंद्र श्रीवास्तव और सुबोध के सबसे छोटे भाई मंजीत उर्फ निर्मल श्रीवास्तव की बेटी नैनी श्रीवास्तव और उनका बेटा कान्हा श्रीवास्तव (10) भी गए थे।

बताते हैं कि घाघरा नदी के बोकरिहा घाट पर सभी लोगों ने रील बनाई। इसके बाद नहाने लगे। इसी दौरान कान्हा गहरे पानी में चला गया। उसे डूबते देखा तो बचाने के लिए सभी लोग उसकी तरफ बढ़े और डूबने लगे।

चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पढुआ थाना पुलिस भी आ गई। ग्रामीणों ने एक-एक कर सभी को नदी से बाहर निकाला। तत्काल रमियाबेहड़ सीएचसी ले जाया गया।

डाक्टरों ने सुशीला देवी उर्फ पच्चू, टिया उर्फ उर्वशी श्रीवास्तव, सत्यम श्रीवास्तव और कान्हा को मृत घोषित कर दिया। तीन को बचा लिया, लेकिन नैनी श्रीवास्तव की हालत गंभीर है। डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया। हादसे से पूरे गांव में मातम छाया है। एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने सीएचसी पहुंचकर सभी का हाल जाना।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हालांकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुनः गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थो को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

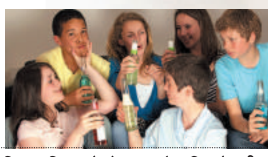

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रोमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरैंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरैंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरैंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरैंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरैंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्मिमी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

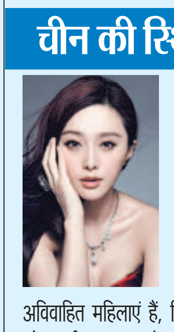

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पोजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

संपादकीय

तीसरी ताजपोशी

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। जिस दौर में यह प्रतिष्ठा और स्वीकृति जवाहर लाल नेहरू को मिली थी, तब कांग्रेस का ही वर्चस्व था। तीनों बार कांग्रेस को बहुमत हासिल हुआ था। आज स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर राजनीतिक दलों का प्रभाव है, लिहाजा जनादेश भी विभाजित और खंडित आते हैं। बेशक मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, लेकिन उनकी पार्टी भाजपा को बहुमत हासिल नहीं हुआ है। वह 240 सीटें ही जीत सकी है। मोदी भाजपा-एनडीए संसदीय दल के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री बने हैं। गठबंधन को 293 सीटें मिली हैं। विविधता का ऐसा गठबंधन चमत्कार से कम नहीं है, लिहाजा लगातार तीसरी बार की ताजपोशी भी चमत्कार है। सवाल और संदेह उठाए जा रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू की तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश कुमार का जद-यू आखिर कब तक मोदी सरकार का समर्थन करते रहेंगे? वे दोनों दल आंध्रप्रदेश और बिहार में भाजपा गठबंधन में हैं। आंध्र के नए जनादेश में प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों और संबोधनों का भी योगदान है, नतीजतन नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बेशक नायडू 2019 में विपक्षी गठबंधन का एक हिस्सा थे और नीतीश ने 2023 तक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को लामबंद करने की कोशिशें कीं, लेकिन यह उनका 'राजनीतिक अतीत' था। अब वे पूरी तरह मोदी और भाजपा के साथ हैं। आम चुनाव भी साथ-साथ लड़े हैं। वे परस्पर पूरक हैं, क्योंकि आंध्र और बिहार को केंद्र सरकार से जो आर्थिक मदद चाहिए, वह मोदी सरकार ही दे सकती है। आंध्र पर 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है और उसे अपनी नई राजधानी बनानी है। हालांकि मोदी सरकार के पहले कालखंड के दौरान नायडू की ऐसी ही मांगों के कारण केंद्र से खटपट हुई थी। आज टीडीपी 16 सांसदों के साथ एनडीए की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और भाजपा की सरकार उसके भरोसे है। हमें नायडू की राजनीतिक शख्सियत के एक और पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए कि वह बेहिसाब सियासी मोल-तोल के अभ्यस्त हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अगले दशक के लिए सुशासन, समग्र विकास और आम आदमी की जिंदगी में सुधार के लक्ष्य तय किए हैं, लेकिन कुछ विरोधाभास ऐसे हैं कि सुशासन के लिए जरूरी आर्थिक नीतियां प्रभावित हो सकती हैं। आंध्र-बिहार को विशेष दर्जा, अग्निवीर योजना, मुस्लिम आरक्षण और तुष्टिकरण, जातीय जनगणना, समान नागरिक संहिता आदि आर्थिक मुद्दे नहीं हैं, लेकिन इनके कारण सुशासन, समावेशी, समन्वय की दशा और दिशा जरूर प्रभावित होगी। यदि ये प्रभाव और दबाव प्रधानमंत्री मोदी को महसूस करने पड़ते हैं, तो सरकार और सुशासन के इकबाल पर सवाल उठाए जा सकते हैं। यह यक्ष-प्रश्न देश के सामने है कि ऐसे विरोधाभासी गठबंधन वाली सरकार कब तक चलेगी? आंध्र और बिहार दोनों ही विपन्न राज्य हैं। उन्हें केंद्र सरकार की विशेष आर्थिक मदद की दरकार है। राज्यों को 'विशेष दर्जा' दिया जाए, यह मुद्दा और मांग दोनों ही राज्यों में प्रबल है। इस संदर्भ में वित्त आयोग और नीति आयोग की अपनी सीमाएं हैं। नायडू और नीतीश की विवशता यह भी है कि उन्हें अनुभव है कि यदि विपक्षी गठबंधन में शामिल हुआ जाए, तो कांग्रेस नेतृत्व की सरकार उन्हें आर्थिक मदद नहीं देगी, बल्कि मध्यावधि चुनाव के आसार ज्यादा बन जाएंगे, लिहाजा दोनों नेता फिलहाल मोदी सरकार के साथ ही रहना चाहते हैं। नायडू और नीतीश जानते हैं कि गठबंधन को लेकर देश उन पर शक कर रहा है, क्योंकि मानसिक तौर पर वे भाजपा-विरोधी राजनीति के पक्षधर रहे हैं, लिहाजा वे आगामी 5 साल भाजपा के साथ गठबंधन में रहने की गारंटी दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का आकलन गुजरात के मुख्यमंत्री काल या बहुमत वाले प्रधानमंत्री से नहीं किया जाना चाहिए। अब नया दौर है और मोदी संगठन के माहिर नेता रहे हैं।

तीनों बार कांग्रेस को बहुमत हासिल हुआ था। आज स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर राजनीतिक दलों का प्रभाव है, लिहाजा जनादेश भी विभाजित और खंडित आते हैं। बेशक मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, लेकिन उनकी पार्टी भाजपा को बहुमत हासिल नहीं हुआ है। वह 240 सीटें ही जीत सकी है। मोदी भाजपा-एनडीए संसदीय दल के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री बने हैं। गठबंधन को 293 सीटें मिली हैं। विविधता का ऐसा गठबंधन चमत्कार से कम नहीं है, लिहाजा लगातार तीसरी बार की ताजपोशी भी चमत्कार है। सवाल और संदेह उठाए जा रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू की तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश कुमार का जद-यू आखिर कब तक मोदी सरकार का समर्थन करते रहेंगे? वे दोनों दल आंध्रप्रदेश और बिहार में भाजपा गठबंधन में हैं। आंध्र के नए जनादेश में प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों और संबोधनों का भी योगदान है, नतीजतन नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बेशक नायडू 2019 में विपक्षी गठबंधन का एक हिस्सा थे और नीतीश ने 2023 तक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को लामबंद करने की कोशिशें कीं, लेकिन यह उनका 'राजनीतिक अतीत' था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सराहना दी गई और विकसित भारत के लिए हर तरह का योगदान देने का संकल्प दोहराया गया

नई सरकार से मजबूत होगी आर्थिकी

डा. जयंती लाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब बनने वाली एनडीए के तीसरे कार्यकाल की नई सरकार देश को आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाएगी। निश्चित रूप से देश को एक बेहतर आर्थिक परिवेश के साथ बेहतर मानसून की सौगातें विरासत में मिलते हुए दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि देश की बेहतर आर्थिकी के परिप्रेक्ष्य में दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां यह कहते हुए दिखाई दे रही हैं कि भारत में कोई भी सरकार बने, अब आर्थिकी तेज गति से मजबूत होगी।

चार जून को 18वीं लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब बनने वाली एनडीए के तीसरे कार्यकाल की नई सरकार देश को आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाएगी। निश्चित रूप से देश को एक बेहतर आर्थिक परिवेश के साथ बेहतर मानसून की सौगातें विरासत में मिलते हुए दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि देश की बेहतर आर्थिकी के परिप्रेक्ष्य में दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां यह कहते हुए दिखाई दे रही हैं कि भारत में कोई भी सरकार बने, अब आर्थिकी तेज गति से मजबूत होगी। खास बात यह भी है कि 7 जून को एनडीए के संसदीय बोर्ड की बैठक में जिस तरह से गठबंधन के समर्थक नेताओं के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सराहना दी गई और विकसित भारत के लिए हर तरह का योगदान देने का संकल्प दोहराया गया, उससे निश्चित रूप से देश की अर्थव्यवस्था और तेज गति से आगे बढ़ेगी। उल्लेखनीय कि हाल ही में केंद्रीय सांख्यिकी संगठन ने वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 8.2 फीसदी रहने संबंधी रिपोर्ट जारी की है। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के मुताबिक आर्थिक व वित्तीय बाजार मजबूत हो रहे हैं। भारत के वित्तीय और गैर वित्तीय क्षेत्रों के दमदार बही-खाते भारत की आर्थिक ताकत बढ़ा रहे हैं। रिजर्व बैंक के द्वारा भारत सरकार को दिया गया रिकॉर्ड लाभांश, वैश्विक आर्थिक संगठनों के द्वारा भारत के विकास के नए-नए प्रभावी विश्लेषण प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इन सबके साथ-साथ नई सरकार से देश की अर्थव्यवस्था को नई शक्ति मिलने की संभावनाओं से देश की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढने के शुभ संकेत देते हुए दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि हाल ही में दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेज आर्थिक सुधार और बढ़ती राजकोषीय मजबूती के मद्देनजर भारत की रेटिंग को स्थिर यानी स्टेबल से बदलकर पॉजिटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि पिछले तीन साल में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत वास्तविक वृद्धि दर 8.1 फीसदी सालाना रही है और अब यह विकास दर अगले तीन साल में लगातार 7 फीसदी के करीब होगी। दुनिया के प्रसिद्ध इन्वेस्टमेंट बैंकर गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नई रिपोर्ट में कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत की विकास दर को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में विकास दर बढने संबंधी अन्य महत्वपूर्ण नई रिपोर्टों के तहत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 6.8 प्रतिशत, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 7 प्रतिशत तथा विश्व बैंक ने 7.5 प्रतिशत विकास दर रहने के अनुमान व्यक्त किए हैं। देश और दुनिया के प्रमुख अर्थ विशेषज्ञों का मत है कि भारत की विकास दर आगामी दशक तक 6.5 से 7 प्रतिशत के स्तर पर दिखाई देगी। विभिन्न आर्थिक रिपोर्टों में इस बात को भी रेखांकित किया जा रहा है कि भारत में वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर (डायरेक्ट टैक्स) संग्रह 17.7 फीसदी बढ़कर 19.58 लाख करोड रुपए हो गया है। इसी तरह से 2023-24 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उच्चतम स्तर पर रहा है। इसका आकार 20.18 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। कर संग्रह के ये चमकीले आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट सेक्टर की आमदनी में वृद्धि को दर्शाते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि जिस तरह से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के द्वारा हाल ही में भारत सरकार के लिए अब तक के सबसे अधिक लाभांश की राशि सुनिश्चित की गई है, वहीं दूसरी ओर देश के शेयर बाजार ने पिछले 10 वर्षों में जो ऊंचाइयां प्राप्त की हैं, उससे दुनिया भर में भारत के नए तेज विकास की नई संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपए लाभांश देने की मंजूरी दी है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों के लाभांश से 1.02 लाख करोड़ रुपए मिलने का अनुमान लगाया था। ऐसे में रिजर्व बैंक द्वारा दिया जाने वाला लाभांश बजट अनुमान की तुलना में 107 फीसदी ज्यादा है। यह एक तरह से सरकार के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 1.09 लाख करोड़ रुपए के अप्रत्याशित लाभ जैसा है। इतना ही नहीं, रिजर्व बैंक ने पहली बार आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया गया है, जो पहले 6 फीसदी था। रिजर्व बैंक ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, इसीलिए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आकस्मिक जोखिम बफर बढ़ाकर 6.5 फीसदी करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक के द्वारा सरकार को रिकॉर्ड लाभांश के दिए जाने के निर्णय और वैश्विक आर्थिक संगठनों व वैश्विक क्रेडिट एजेंसियों के द्वारा वर्ष 2024-25 में भारत की ऊंची विकास दर के अनुमानों के बाद भारतीय शेयर बाजार को लाभ मिला। यह उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार और निवेशकों को उम्मीद थी कि 4 जून के लोकसभा चुनाव परिणामों से भाजपा और एनडीए को भारी बढ़त मिलेगी, लेकिन चुनाव में भारी अनुमान के मुताबिक ऊंचाई नहीं होने के कारण शेयर बाजार की उम्मीदें पूरी नहीं हो पाई हैं। फिर भी यह कोई छोटी बात नहीं है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचने के साथ ही भारत इस मुकाम तक पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना काल के बाद भारतीय घरेलू खुदरा निवेशकों की रुचि शेयर बाजार में बढ़ी है। साथ ही पिछले 10 साल में डीमेंट अकाउंट 2.3 करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ हो गए हैं और म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले 10 साल में शेयर बाजार कहां से कहां पहुंच गया है। लाखों छोटे निवेशक आज उत्साहपूर्वक बाजार से जुड़े हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है और वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी भारत के शेयर बाजार पर बढ़ा है। अब ऐसी आर्थिक मजबूती से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि होगी। यह देश की उत्पादक क्षमता बढ़ाएगा और वृद्धि की संभावनाओं को बेहतर करेगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के प्रति बढ़ते आर्थिक आकर्षण से न केवल देश में ज्यादा एफडीआई लाने में मदद मिलेगी, बल्कि यह विदेशी कंपनियों और निवेशकों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करेगा कि वे भारत से हुई कमाई को फिर भारत में ही निवेश करने के लिए तत्पर रहें। इससे भारत में कारोबारी माहौल में सुधार होगा। यह सुधार उन घरेलू निवेशकों को भी बड़े पैमाने पर निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा जो अभी किनारे बैठकर निवेश करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एफडीआई का एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विदेशी निवेशक तकनीकी विशेषज्ञता भी लाते हैं। चूंकि भारत लगातार चालू खाते के घाटे से जूझ रहा है और भारत को विदेशी बचतों को हासिल करने की जरूरत है, इसलिए एफडीआई भारत में विदेशी बचतों के सबसे टिकाऊ स्रोत के रूप में लाभप्रद होगा। निश्चित रूप से वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर के 8.2 प्रतिशत रहने, शेयर बाजार के बढने, रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपए का बंपर लाभांश दिए जाने से नई सरकार को व्यय प्रबंधन में खासी मदद मिलेगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि फरवरी 2024 में संसद में पेश किए वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने 5.1 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है।

दृष्टि कोण

झीलें बचेंगी...तभी हम बचेंगे, सबके अस्तित्व के लिए आवश्यक है दायित्वबोध

अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'अर्थ फ्यूचर' के ताजा अंक में प्रकाशित शोध 'ग्लोबल लेक हेल्थ इन एंथरोंपोसेन : सोशल इंप्लीकेशन ऐंड ट्रीटमेंट स्ट्रेटजीस' में चेतावनी दी है कि जिस तरह मानव स्वास्थ्य के लिए रणनीति बनाई जाती है, ठीक उसी तरह झीलों की तंदुरुस्ती के लिए व्यापक नीति जरूरी है। इस शोध में 10 हेक्टेयर से अधिक फैलाव वाली दुनिया की 14,27,688 झीलों की सेहत का आकलन किया गया है, जिनमें भारत की 3043 जल निधियां भी हैं। यह समझना होगा कि झीलें जीवित प्रणालियां हैं, जिन्हें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन, प्रसन्न रहने के लिए स्वच्छ पानी, अपने भीतर जीव-जंतु जीवित रखने के लिए संतुलित ऊर्जा और पोषक तत्वों की आपूर्ति की आवश्यकता होती है। इन्सान की ही तरह झीलें विभिन्न रोगों की शिकार हो रही हैं, जैसे-बुखार आना अर्थात अधिक गरम होना, परिसंचरण, श्वसन, पोषण और चयापचय संबंधी मुद्दों से लेकर संक्रमण और विषाक्तता की तरह झीलों की कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एक बात और झीलें बारिश से जितना पानी पाती हैं, उससे दोगुना वाष्पित करती हैं। झीलों की सेहत से बेपरवाही रही, तो समूचे पर्यावरणीय तंत्र पर इसका असर पड़ेगा, जिससे झीलों पर निर्भर बड़ी आबादी के सामाजिक-आर्थिक जीवन में भूचाल आ जाएगा। भारत का हर तालाब अपने आसपास भूवैज्ञानिक इतिहास और पर्यावरणीय महत्व की एक अनूठी कहानी समेटे हुए है। भारत जैसे देश में जहां, तालाबों के किनारे कई पर्व, मान्यताएं और धार्मिक गतिविधियां अनिवार्य मानी जाती हैं, उनका अस्तित्व ही झील की सेहत पर निर्भर है। झील-तालाब बीमार हो, तो इलाके का कार्बन और ताप अवशोषण प्रभावित होता है, जो जैव विविधता को क्षति और बाढ़-सूखे के रूप में सामने आता है। स्थानीय समाज का जलस्रोत यदि सेहतमंद न हो, तो जलजनित रोग बढ़ेंगे। तालाब-झील में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी खतरनाक है। यह अन्य जलचरों और वनस्पति के लिए जानलेवा है। जलकुंभी या फिर पानी में अधिक मात्रा में दूषित अवशिष्ट का मिलना, गंदे पानी का निस्तार ऑक्सीजन कम होने के मूल कारक हैं। इससे पानी की क्षारीयता भी बढ़ती है, जो किसी तालाब के गंभीर रूप से बीमार होने का लक्षण है। इन्सान के स्वस्थ शरीर की ही तरह झीलों को भी पर्याप्त ऑक्सीजन और अति क्षारीयता से मुक्ति चाहिए होती है। एक बात और, यदि दरिया का पानी हृष्ट-पुष्ट न हो, तो उससे उगने वाले उत्पाद में भी पौष्टिकता में कमी होती है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि झीलों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। गंभीर जल दोहन और बरसात की अनियमितता के कारण कई झीलों में जलस्तर तेजी से नीचे गिरा, जबकि दूसरी तरफ पेयजल, सिंचाई और मछली पालन आदि में पानी की खपत बढ़ी है। इससे झीलों का पोषण-संतुलन तब गड़बड़ा जाता है, जब उसमें पोषक तत्वों की सांद्रता या तो अधिक हो जाए या फिर बहुत कम हो जाए। इस तरह झील का पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो जाता है। पोषक तत्वों की अचानक अधिकता होने से जल निधियों की ऊपरी सतह पर हरे रंग की परत जमने से हम सभी पहले से वाकिफ हैं। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'यूट्रोफिकेशन' कहते हैं। वास्तव में हरापन एक तरह के बैक्टीरिया के कारण होता है, जिसे सूक्ष्म या फिलामेंट्स शैवाल कहा जाता है। गंदे पानी सीवरेज, कारखानों से निकलकर अपशिष्ट जल और खेतों से बहकर आए खाद-उर्वरक के अपवाह से इस तरह का विकार जल्दी वृद्धि करता है। इसके कारण पानी में ऑक्सीजन की मात्रा भी कम हो जाती है। समझना होगा कि इस तरह के शैवाल का कुप्रभाव महज जल निधि तक सीमित नहीं रहता, यह सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकता है, क्योंकि कुछ साइनोबैक्टीरियल से विषाक्त पदार्थों का उत्पादन होता है, जो श्वसन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा कर देता है। इस अंतरराष्ट्रीय शोध में बताया गया है कि इस तरह से बीमार हुई झील के न्यूरोटॉक्सिसिटी प्रभाव होते हैं, जिससे सेलुलर और जीनोमिक क्षति, प्रोटीन संश्लेषण अवरोध और मनुष्यों और वन्यजीवों में संभावित कार्सिनोजेनेसिस होता है।

कुछ अलग

उनासी कितने होते हैं, पापा?

उनासी ही नहीं, बल्कि हिंदी में गिनती के बहुत से साधारण अंकों को भी आज की युवा पीढ़ी समझ पाने में असमर्थ हो चुकी है। मनोविज्ञान यह कहता है कि इनसान अपनी कमी को छुपाना चाहता है, ताकि उसकी कमियों का पता दूसरों को न चल सके, लेकिन इस मामले में यह मनोविज्ञान भी फेल हो चुका है क्योंकि हिंदी में अंकों को समझ न पाने की अपनी इस कमी को छुपाने और इसमें सुधार की बजाय आज की युवा पीढ़ी इस कमी का आनंद उठाने में व्यस्त है। हिंदी में गिनती के अंकों को समझ न पाने की कमजोरी के साथ बड़ी होती भारत की यह युवा पीढ़ी अपनी इस कमी को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि एक शक्ति समझने की गलती भी करती जा रही है। सबसे हैरान करने वाली बात तो यह है कि आज जिस अंदाज में इन अंक संबंधी सवालों को सामने वाले से पूछा जाता है उससे यह प्रतीत होता है कि इस नई पीढ़ी के नुमाइंदे इसको अपनी कमजोरी नहीं बल्कि इसे अपनी प्रतिष्ठा का एक सूचक मानते हैं। आज हालात ये हैं कि जैसे ही हिंदी की गिनती का कोई शब्द उनके कानों के परदे पर दस्तक देता है, तो वैसे ही उनकी जुबान पर सवाल तैयार हो जाता है कि, ये कितने होते हैं? बच्चे सवाल दागते हैं तो माता-पिता उस अंक का अंग्रेजी रूपांतर करके बच्चे की जिज्ञासा को शांत कर देते हैं और अपने बच्चे की कमी को बड़े अंदाज से नजरअंदाज भी कर देते हैं। यहां पर माता-पिता का मनोविज्ञान भी विपरीत काम कर रहा है। अमूमन माता-पिता अपने बच्चों की कमजोरी को भांप कर उसमें सुधार के लिए कोशिश करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस मामले में माता-पिता भी अपने बच्चे की इस आधारभूत कमी के प्रति गौरव महसूस करते हुए बड़ी प्रसन्नता से हिंदी के अंक का अंग्रेजी रूपांतर कर देते हैं। हालांकि अब ये प्रश्न घरों की दहलीज को पार कर विद्यालयों और बाजारों में भी आम तौर पर पूछे जाने लगे हैं। सबसे मजेदार बात यह है कि आज एक दसवीं पास या अनपढ़ व्यापारी से ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट हो चुका युवा भी ऐसे प्रश्न पूछ कर अपनी शिक्षा की धज्जियां उड़ाते हुए देखा जा सकता है। क्योंकि एक अनपढ़ व्यक्ति खुद को हिंदी अंकों का अंग्रेजी में रूपांतर करने में सक्षम बना चुका है, लेकिन एक ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट युवा खुद को हिंदी के अंकों को समझने के योग्य नहीं बना पा रहा है। हिंदी गिनती के इतनी तेजी से हाशिए पर जाने के कुछ प्रमुख कारणों पर अगर नजर दौड़ाई जाए, तो उनमें से सबसे प्रमुख कारण पिछले कुछ वर्षों में कॉन्वेंट प्रथा और अंग्रेजी माध्यम का प्रचलन बढना है। अंग्रेजी एक भाषा है और भाषा से संप्रेषण आसान बनता है, लेकिन अंग्रेजी अब संप्रेषण का माध्यम होने से कहीं ज्यादा आगे निकलकर पढ़ाई करने का माध्यम बन गई है। अंग्रेजी सीखना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन अंग्रेजी सीखने के लिए अपनी हिंदी को भूलना बेशक बुरी बात है। आज विद्यालयों की अपेक्षा घरों में भी अंग्रेजी गिनती को सिखाने पर ज्यादा जोर लगाया जाता है। एक-दो का स्थान अब वन-टू ने ले लिया है। आजकल पुरानी दादियां अगर बच्चों को हिंदी में गिनती सिखाती हैं तो उनको कई बार परिवार के पश्चिमी सभ्यता के दीवानों के गुस्से का शिकार भी होना पड़ता है। जबकि पहले ऐसा नहीं था और परिवार के बुजुर्ग सदस्य बच्चे के होश संभालते ही उसको घर से ही हिंदी की गिनती और वर्णमाला सिखाना आरंभ कर देते थे। पुराने बुजुर्गों द्वारा अपने बच्चों को घर पर हिंदी की गिनती सिखाए जाने से हिंदी गिनती का एक पहाड़ी संस्करण भी उपलब्ध था, जोकि धीरे धीरे अब लुप्त होता जा रहा है। इसके अलावा आजकल संयुक्त परिवारों का प्रचलन भी कम होता जा रहा है।

देश दुनिया से

विकसित भारत के लिए जरूरी है राजग के हर दल में प्रतिबद्धता, यह भी है भाजपा की चुनौती

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। चुनाव परिणामों पर काफी समीक्षा हो चुकी है। अब तक शायद ही किसी के पास कुछ नया कहने के लिए बचा हो। लेकिन इतना तो तय है कि यह चुनाव अनेक आश्चर्यों का चुनाव रहा। पहला आश्चर्य तो यह कि जिन दक्षिण भारतीय राज्यों का दरवाजा भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक सफलता के लिए बंद था, या यों कहें कि जहां की जमीन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए माकूल नहीं मानी जाती थी, इस चुनाव परिणाम ने उन राज्यों, यथा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को भाजपा के लिए नई संभावनाओं का प्रदेश बना दिया है।

भारत के संसदीय चुनाव-2024 का परिणाम आ चुका है। एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, जिसे सामान्यतः राजग कहा जाता है, ने बहुमत प्राप्त कर सरकार बना ली है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। भारतीय जनतांत्रिक इतिहास में यह दूसरी घटना है। इसके पूर्व भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। चुनाव परिणामों पर काफी समीक्षा हो चुकी है। अब तक शायद ही किसी के पास कुछ नया कहने के लिए बचा हो। लेकिन इतना तो तय है कि यह चुनाव अनेक आश्चर्यों का चुनाव रहा। पहला आश्चर्य तो यह कि जिन दक्षिण भारतीय राज्यों का दरवाजा भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक सफलता के लिए बंद था, या यों कहें कि जहां की जमीन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए माकूल नहीं मानी जाती थी, इस चुनाव परिणाम ने उन राज्यों, यथा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को भाजपा के लिए नई संभावनाओं का प्रदेश बना दिया है। दूसरा आश्चर्य यह देखने में आया कि ओडिशा, जहां राजनीतिक विचारक बीजू जनता दल (बीजद) के नेता नवीन पटनायक के जादू को उनके जीवित रहने तक समाप्त होता नहीं देख रहे थे, वहां भाजपा ने अपनी महान सफलता दर्ज की। इसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति ओडिशा की जनता में बढ़ता आकर्षण ही है। प्रधानमंत्री मोदी और ओडिशा के प्रभावी नेता धर्मेंद्र प्रधान ने पूरे चुनाव अभियान में 'उड़िया अस्मिता' के प्रश्न को एक 'लोकप्रिय जन प्रश्न' में बदल दिया। इस लोकप्रिय अभियान ने ओडिशा की राजनीति के पूरे परिदृश्य को ही बदल कर रख दिया। इस चुनाव परिणाम ने यह भी बताया कि विकास का मोदी मॉडल, नवीन मॉडल पर प्रभावी रहा। ओडिशा के युवाओं में नए डिजिटल भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। तीसरा आश्चर्य यह रहा कि जहां उत्तर प्रदेश के आस-पास के हिंदी प्रदेशों, यथा मध्य प्रदेश, बिहार में भाजपा और राजग ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं उत्तर प्रदेश में इसका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा। 'इंडिया' गठबंधन ने आरक्षण, संविधान इत्यादि के खतरे पर आधारित जो वृत्तांत तैयार किया, उसने उत्तर प्रदेश में जातीय गोलबंदी की जमीन तैयार की। कई राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि यह ऐसी जातीय गोलबंदी की राजनीति थी, जिसने पिछड़े-अति पिछड़े एवं दलितों के एक हिस्से को समाजवादी पार्टी या 'इंडिया' गठबंधन की तरह गोलबंद होने का आधार तैयार किया। ऐसे विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रकार की जातीय गोलबंदी ने ही उत्तर प्रदेश में हिंदुत्व के वृहत वृत्तांत को तोड़कर जातियों के अस्मितापरक वृत्तांत को शक्तिवान बनाया। अब प्रश्न यह उठता है कि अगर ऐसा है, तो यह पैटर्न मंडल राजनीति से गहरे रूप से प्रभावित बिहार या उत्तर प्रदेश से सटे मध्य प्रदेश में क्यों सफल होता नहीं दिखाई पड़ा? इस प्रश्न के उत्तर में यह कहा जा सकता है कि बिहार में भाजपा और राजग गठबंधन के पास अनेक पिछड़े एवं दलित प्रभावी चेहरों का एक कोलाज मौजूद था, जिसमें नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान जैसे नेता शामिल हैं। नीतीश कुमार का गैर-यादव, पिछड़े समूहों, महादलित सामाजिक समूहों में अपना प्रभाव तो है ही, अगड़े वोटों के एक हिस्से पर भी उनका अच्छा असर है। वहीं जीतन राम मांझी के कारण मुसहर, जो बिहार में एक बड़ी 'महादलित जातीय समूह' है, राजग की तरफ बड़े पैमाने पर झुकी। चिराग पासवान के कारण संख्या बल में बिहार की सबसे बड़ी दलित जाति दुसाध या पासवान की गोलबंदी राजग के पक्ष में हुई। इसलिए बिहार में 'इंडिया' गठबंधन के भयदोहन पर आधारित गोलबंदी के वृत्तांत पिछड़ों एवं दलितों में प्रभावी नहीं हो सके। मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन की कमजोरी, उसमें प्रभावी नेताओं का अभाव इत्यादि के कारण 'इंडिया' गठबंधन की जातीय अस्मिता आधारित गोलबंदी की राजनीति सफल नहीं हो सकी। वहीं दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश में भाजपा के पास पिछड़े एवं अति पिछड़े समूहों से जुड़े अनेक नेता मौजूद हैं। शिवराज सिंह चौहान, मोहन यादव, प्रह्लाद सिंह पटेल आदि अनेक पिछड़े, अति पिछड़े चेहरों ने वहां कांग्रेस एवं 'इंडिया' गठबंधन के पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) की राजनीति को इस चुनाव में कमजोर बना दिया। यह ठीक है कि आगे आने वाले समय में हिंदी पट्टी की राजनीति भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण तो होगी ही, 'इंडिया' गठबंधन के लिए भी चुनौतियां कम नहीं होंगी। एक तरफ भाजपा को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा इत्यादि राज्यों में अपनी सांगठनिक एवं चुनावी रणनीति पर विचार कर उसे पुनर्नवा करना होगा। वहीं दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दलों के लिए भी उत्तर प्रदेश में अपने अर्जित प्रभाव को बचाए रखना भी एक बड़ी चुनौती होगी। गैर-यादव पिछड़े, अति पिछड़े एवं दलितों का जो हिस्सा उनकी तरफ झुका है, उन्हें अपने साथ जोड़े रखना उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। राजग गठबंधन को उत्तर प्रदेश जैसे हिंदी पट्टी के प्रदेशों में पिछड़े, अति पिछड़े एवं दलित समूहों में जमीन से जुड़े नेता एवं कार्यकर्ताओं की एक फौज तैयार करनी होगी, जो इन समूहों को पुनः अपनी तरफ ला सके। हिंदुत्व एवं विकास की राजनीति के साथ उसे अपने पक्ष में सामाजिक समूहों के गठबंधन को पुनर्गठित करना होगा।

आप का नजरिया

पर्यटन की नई चोटियां

ग्रीष्म कालीन पर्यटन की शिनाख्त में हिमाचल की नई चोटियां चुनी जा रही हैं, मानो पूरे प्रदेश का यात्रा वत्तांत चूड़धार, बिजली महादेव, शिकारी देवी, हिमानी चामुंडा या त्रियूंड हो गया। पहाडियां और भी हैं और चोटियों पर पर्यटन का सुरूर और भी है, लेकिन तीव्रता से फैल रहे नए पर्यटन को समझना होगा। हिमाचल से वाकिफ होते सैलानियों का एक ऐसा वर्ग सामने आ रहा है, जो अपनी तरह के अनुभव और यात्रा के अद्भुत वत्तांत का पात्र होना चाहता है। वह हिमाचल के परिचय से खुद परिचित होना चाहता है, इसलिए पर्यटन के डेरे जब चूड़धार पर लगते हैं, तो चुनौतियां भी रू-ब-रू होती हैं। फिलहाल हम बिना किसी तैयारी के चोटियों पर चढ़ते सैलानी को देखकर खुश हैं, लेकिन ये मंजिलें सहेजने और संभलने की भी हैं। इस बार सप्ताहांत पर्यटन की शाखा पर चढ़ा हिमानी चामुंडा का आकर्षण पंद्रह हजार लोगों का जमावड़ा देख चुका है। इसके मायने न धार्मिक आस्था में पूरे होते हैं और न ही पर्यटन आर्थिकी में मजबूत हो रहे हैं। यही सब शिकारी देवी के प्रांगण में खचाखच भीड़ में देखा जा रहा है। यह दीगर है कि इससे पर्यटन की नई परिभाषा, जरूरत, आकर्षण और विकास गाथा दिखाई देती है। पंद्रह हजार पर्यटकों से भरी हिमानी चामुंडा की एक रात्रि में हम वही नजारा देख रहे हैं, जो हरिद्वार के एक दिन में हजारों की भीड़ में देखते हैं। अंतर यह कि हिमानी चामुंडा में अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, आम सुविधाएं व भीड़ नियंत्रण इतना सक्षम नहीं कि कुछ अर्थ या निष्कर्ष निकाला जाए। कमोबेश यही हाल ऐसे सभी स्थलों का है जहां युवा सैलानी प्रकृति के नजदीक कुछ समय गुजारना चाहते हैं। हकीकत यह कि गर्मियों का पर्यटक अब मनाली, मकलोडगंज, डलहौजी और शिमला से कहीं आगे पहाड़ की कंद्राओं में छिपे आकर्षण और सुकून के पल में अपना अनुभव गुजारना चाहता है। ऐसे में हिमाचल की अपनी पर्यटन परियोजनाओं को फिर से मांजना पड़ेगा और इसके लिए सैलानियों की रुचि का नख-शिख वर्णन चाहिए। वैसे तो सैलानी को ऊना, सिरमौर, पांवटा साहिब, काला अंब या नूरपुर के प्रवेश द्वारों पर ही रोकने व मनोरंजन करने की अधोसंरचना विकसित करनी चाहिए, लेकिन अब बात मनाली, मकलोडगंज या शिमला से आगे की है। एक हफ्ते में मनाली सुरंग के आर पार आधा लाख गाडियां गुजर रही हैं, तो इस संभावना के अक्स में हिमाचल की क्षमता का विकास लाहुल-स्पीति के पर्यटन को हाई एंड टूरिज्म से जोडक़र ही पूरा होगा। अगर चामुंडा देवी का तीर्थाटन अब हिमानी चामुंडा की चढ़ाई चढ़ कर पूरा हो रहा है, तो इस परिदृश्य में वैष्णो देवी की तर्ज पर ढांचागत, व्यवस्थागत और भविष्यगत त्वरित विकास होना चाहिए। अगर कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाना है, तो हिमानी चामुंडा की संभावना में हिमाचल मंदिर पर्यटन के स्वरूप में एक बड़ी आर्थिक संरचना कर सकता है, वरना किसी सडक़ पर भारत का ऊंचा म्यूजिकल फाउंटेन खड़ा करके भी पर्वत की तासीर में सैलानी को सुकून नहीं मिलेगा। हमें चूड़धार, त्रियूंड, बिजली महादेव, शिकारी देवी व इसी तरह के अन्य स्थलों को भविष्य के पर्यटन से जोडक़र विकसित करना होगा। इतना ही नहीं युवा पर्यटक की खासियत को श्रीखंड व मणिमहेश यात्राओं के मंजर के अलावा खेल, संगीत, ट्राइबल, फूड, शीतकालीन, सिने, प्राकृतिक वनस्पति एवं फूल पर्यटन से भी जोडऩा होगा।

रूस के नवीनतम पीढ़ी के लड़ाकू जेट को यूक्रेन की सेना ने किया तबाह, रूस में घुसकर किया हमला

कीव, 10 जून (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच कीव की रक्षा खुफिया एजेंसी ने बताया कि उन्होंने रूस के अंदर नवीनतम पीढ़ी के एक रूसी लड़ाकू जेट को तबाह कर दिया है। बता दें, दोनों देशों के बीच फरवरी 2022 से युद्ध जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर मिसाइलों और ड्रोन के साथ हमला करते रहते हैं।

खुफिया एजेंसी के अनुसार, उन्होंने पहली बार रूस के अंदर एक एयरबेस पर रूसी एसयू-57 लड़ाकू जेट को निशाना बनाया है। सोशल मीडिया एजेंसी ने उन्होंने कैसे रूसी जेट को मारा गिराया और यूक्रेनी सेना की किस इकाई ने यह कार्रवाई की है। विमान अख्तुबिंस्क एयरफील्ड में खड़ा था, यह जगह यूक्रेनी और रूसी आक्रमण बलों के बीच फ्रंट लाइन से 589 किमी (366 मील) दूर था। 7 जून को, एसयू-57 सही सलामत खड़ा था, और आठ जून को विस्फोट से गड्ढे और आग से हुए नुकसान के कारण आग के विशिष्ट धब्बे थे। उन्होंने दोनों तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की।

रूसी सैन्य ब्लॉगर ने की पुष्टि - इसके अलावा, एक रूसी युद्ध समर्थक सैन्य ब्लॉगर ने हमले की पुष्टि की। उसका कहना है कि एसयू-57 पर हमले की रिपोर्ट सही है। इसे एक ड्रोन द्वारा मारा गया था। रूसी ब्लॉगर ने कहा कि जेट फाइटर को छर्रे लगे थे। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। विमान की मरम्मत की जा सकती है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। अगर विमान की मरम्मत नहीं हो पाई तो यह एसयू-57 का पहला युद्ध नुकसान होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध कैसे शुरू हुआ था - 23 फरवरी 2022 की रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन का एलान किया। चंद घंटे बाद यानी 24 फरवरी की तड़के सुबह अचानक यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के शहरों में हवाई हमले होने लगे। रूस के इस हमले से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। उधर यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की। युद्ध के शुरू होने के साथ शुरू हो गया दुनिया का दो धड़ों में बंटना। यूक्रेन का साथ देने के लिए नाटो सदस्य देश खड़े हो गए तो अमेरिका, ब्रिटेन, पोलैंड, फ्रांस समेत कई देशों ने युद्ध से बाहर रहते हुए इसको मदद पहुंचानी शुरू कर दी।

न्यूज ब्रीफ

सजा के ऐलान से पहले डोनाल्ड ट्रंप से होगा सवाल-जवाब, प्रोबेशन अधिकारी करेंगे रिपोर्ट तैयार

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। हश मनी मामने में ट्रंप को सभी 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप को क्या सजा मिलेगी, इस पर अब 11 जुलाई को सुनवाई होगी। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति से न्यूयॉर्क के प्रोबेशन अधिकारी पूछताछ करेंगे, जो सजा सुनाए जाने से पहले एक जरूरी कदम है। इस कदम से परिचित तीन लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर एक मीडिया चैनल को बताया कि ट्रंप फ्लोरिडा के पाम बीच में मार-ए-लागो क्लब में अपने घर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बता दें, न्यूयॉर्क में अपराधों के दोषी लोग आमतौर पर अपने वकीलों के बिना प्रोबेशन अधिकारियों से मिलते हैं। मगर ट्रंप को अनुमति मिल गई है कि दौरान उनके वकील टोड ब्लैंच मौजूद रह सकते हैं। यह अनुमति जुआन मर्चन ने दी। सजा दिए जाने से पहले प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा पूछताछ करने का मकसद एक रिपोर्ट तैयार करना होता है। इस रिपोर्ट के जरिए न्यायाधीश को प्रतिवादी के बारे में अधिक जानकारी मिलती है। साथ ही संभावित रूप से अपराध के लिए उचित सजा निर्धारित करने में मदद मिलती है। ऐसी रिपोर्ट आम तौर पर एक प्रोबेशन अधिकारी, एक सामाजिक कार्यकर्ता या प्रोबेशन विभाग के लिए काम करने वाले मनोवैज्ञानिक द्वारा तैयार की जाती है जो प्रतिवादी और संभवतः उस व्यक्ति के परिवार और दोस्तों के साथ-साथ अपराध से प्रभावित लोगों से पूछताछ करती है। सजा पर रख सकते हैं अपना पक्ष रिपोर्ट में प्रतिवादी का व्यक्तिगत इतिहास, आपराधिक रिकॉर्ड और सजा के लिए सिफारिशें शामिल हैं। इसमें रोजगार के बारे में जानकारी और परिवार के किसी सदस्य की देखभाल में मदद करने के लिए कोई दायित्व भी शामिल होगा। यह एक प्रतिवादी के लिए यह कहने का भी मौका होता है कि उन्हें कैसी सजा मिलनी चाहिए। क्या है मामला डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ इस हश मनी केस में 34 आपराधिक मामले चल रहे हैं। अब इस मामले में जूरी पर फैसला छोड़ दिया गया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने साल 2016 में एक सेक्स स्कैंडल से बचने के लिए एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान किया था।

न्यूयॉर्क में बच्चों के लिए सोशल मीडिया एल्गोरिदम पर पाबंदी

वाशिंगटन। राज्य विधानमंडल ने एक विधेयक पास किया, जिसके तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एल्गोरिदम का इस्तेमाल कर नाबालिगों की लत वाली सामग्री नहीं परोस पाएंगे। इस एल्गोरिदम के जरिये यूजर पसंदीदा पोस्ट, वीडियो के आधार पर अधिक सामग्री पाता था, ताकि वह लंबे वक्त तक एप पर बना रहें। लेकिन अब कंपनियों की मर्जी से ऐसा नहीं होगा। बिल पर गवर्नर कैथी होचुल के दस्तखत के साथ ही इसकी कानूनी मंजूरी सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके को मौलिक तौर से बदल सकता है। इस कानून का मकसद सोशल मीडिया कंपनियों को नाबालिगों को स्वचालित फीड परोसने और उन्हें इन प्लेटफॉर्म पर बहुत अधिक वक्त बिताने से रोकना है। इसे न्यूयॉर्क विधानमंडल में दो दर्जन से अधिक राज्य सीनेटरों का द्विदलीय समर्थन मिला है। बड़ा बदलाव : अब कंपनिया अपनी मर्जी से नहीं परोस पाएंगी नाबालिगों को सामग्री अमेरिका में बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने से संबंधित कानून राज्य और संघ दोनों जगह लोकप्रिय हैं। संघीय स्तर पर, किड्स ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों को नुकसानदायक सामग्री की सिफारिश करने पर उत्तरदायी ठहराने का रास्ता खोलता था।

राष्ट्रपति मैक्रों ने अचानक भंग की संसद, 30 जून को फ्रांस में चुनाव कराने का ऐलान

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संसद भंग करने की घोषणा की। उन्होंने राष्ट्र के नाम अपने

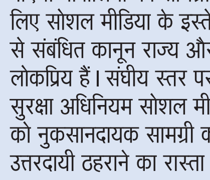

संबोधन में कहा, निचले सदन नेशनल असेंबली के लिए पहले दौर के चुनाव 30 जून को होंगे, जबकि दूसरे दौर के चुनाव 7 जुलाई को होंगे। बता दें कि यूरोपीय संघ के चुनाव में दक्षिणपंथी दलों ने मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन को परास्त कर दिया है, जिसके बाद मैक्रों ने अचानक संसद भंग करने का फैसला किया। मैक्रों ने यह भी माना कि यूरोपीय संघ के चुनावों का परिणाम, यूरोप की रक्षा करने वाली पार्टियों के लिए अच्छा नहीं है। मैक्रों ने फ्रांसीसी लोगों पर जताया विश्वास राष्ट्र के नाम संबोधन में मैक्रों ने कहा, यूरोपीय संघ चुनावों में शीर्ष स्कोरिंग नेशनल रैली (आरएन) सहित दूर-दराज की पार्टियां लगभग 40 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही हैं। दक्षिणपंथी पार्टियां महाद्वीप में हर जगह प्रगति कर रही हैं।

गाजा में इजराइल की कार्रवाई : एक दिन में 274 फलस्तीनियों की मौत, हमलों के खिलाफ दुनियाभर में प्रदर्शन

वॉशिंगटन/काहिर, 10 जून (एजेंसियां)।

गाजा पर बड़ी कार्रवाई के तहत इजराइली हमलों में 274 फलस्तीनियों के कत्ले-आम व 700 से ज्यादा को बुरी तरह जख्मी करने के बाद पूरी दुनिया में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। हमास व हिजबुल्ला समर्थकों ने जहां व्हाइट हाउस के पास इजराइल विरोधी प्रदर्शन किए वहीं मिस्र, ईरान, इराक, कतर और लेबनान में भी उग्र प्रदर्शन हुए। अमेरिका में प्रदर्शनकारियों ने बाइडन का विरोध किया।

व्हाइट हाउस के पास फलस्तीन समर्थकों ने इजराइल के खिलाफ 'जिहाद' का आह्वान किया और गाजा में हमास के खिलाफ इजराइली जंग में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ देने पर गुस्सा जताया। प्रदर्शनकारी एक लंबे बैनर पर गाजा की जंग में मारे गए फलस्तीनियों के नाम लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने लाल कपड़े पहनकर फलस्तीनी झंडे उठाए हुए थे। बैनरों पर लिखा था, 'बाइडन की लाल रेखा झूठ थी', 'बच्चों पर बमबारी आत्मरक्षा नहीं'। उधर, मिस्र में हजारों लोग फलस्तीनियों के समर्थन में उतरे।

इजराइल के मंत्री गैंट्ज का नेतन्याहू सरकार से इस्तीफा इजराइल के तीन सदस्यीय युद्ध मंत्रिमंडल के मध्यमार्गी सदस्य बेनी गैंट्ज ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। हालांकि बेंजामिन नेतन्याहू को तत्काल कोई खतरा नहीं है, जो अभी भी संसद में बहुमत वाले गठबंधन को नियंत्रित करते हैं। लेकिन इजराइली नेता अब अपने अन्य सहयोगियों पर अधिक निर्भर हो गए हैं। पूर्व सैन्य प्रमुख गैंट्ज 7 अक्तूबर को हमास के हमले के तुरंत बाद नेतन्याहू की सरकार में शामिल हो गए थे।

शर्मनाक देशों की सूची में इजराइल भी शामिल

विश्व निकाय ने शर्मनाक देशों व संगठनों की सूची में इजराइल और हमास को भी शामिल कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने यह कार्रवाई इजराइली सेना द्वारा गाजा में बाल विरोधी कार्रवाई, मानवाधिकारों के उल्लंघन के चलते की है। इजराइल पहली बार सूची में शामिल हुआ है। सूची में रूस, अफगानिस्तान, इराक, म्यांमार, सोमालिया, यमन, सीरिया, आतंकी संगठन आईएस, अल-कायदा और बोको हराम भी शामिल हैं। इजराइल ने इस कालीसूची को शर्मनाक बताया है।

अदन की खाड़ी में नहीं थम रहे हमले हूती विद्रोहियों ने 24 घंटे में दो जहाजों को बनाया निशाना

वॉशिंगटन। इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश खुले शब्दों में चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन हूती अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। एक बार फिर विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में मिसाइल हमले कर दो वाणिज्यिक जहाजों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पिछले 24 घंटों में दो जहाजों को निशाना अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री नौवहन के खिलाफ मिलिशिया समूह के चल रहे अभियान के तहत पिछले 24 घंटों में दो जहाजों को निशाना बनाया है। जिन जहाजों को निशाना बनाया गया उनमें से एक का नाम तव्विशी था। स्विस के स्वामित्व वाले जहाज पर लाइबेरियाई झंडा लगा था। इस जहाज पर एंटी शिप बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया था। हालांकि, शुक्र रहा कि चालक दल को कोई चोट नहीं आई। इसे पर भी किया हमला सेंटकॉम के अनुसार, हूती विद्रोहियों द्वारा दागी गई दो मिसाइलें जर्मन स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज नोर्डनी पर गिरीं। इस पर एंटीगुआ और बारबाडोस के झंडे लगे हुए थे। सेंटकॉम ने कहा कि जहाज को नुकसान पहुंचा। मगर चालक दल का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ। इससे पहले हूतियों ने दावा किया था कि उन्होंने नोर्डनी और तव्विशी पर हमला किया और बाद में आग के हवाले कर दिया था। अमेरिका को बना रहा निशाना बता दें, गाजा में हो रहे इजराइल हमलों से मध्यपूर्व बौखलाया हुआ है। मध्यपूर्व गाजा में हो रहे हमलों का कारण अमेरिका को मानता है। इसी वजह से हूती विद्रोही अदन की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों के खिलाफ हमले कर रहे हैं। साथ ही कभी ईरान तो कभी जॉर्डन को कभी सीरिया में अमेरिकी सेना और अमेरिकी प्रतिष्ठानों पर हमले हो रहे हैं। हाल ही में तुर्किये में दो बंदूकधारी एक अमेरिकी कंपनी में घुस गए, उन्होंने कंपनी में मौजूद सात लोगों को को बंधक बना लिया था।

जानलेवा हमले के बावजूद स्लोवाकिया के पीएम को नहीं मिल पाई जनता की सहानुभूति, पुतिन से नजदीकी पड़ी भारी

ब्रातिस्लावा, 10 जून (एजेंसियां)।

यूरोप के संसदीय चुनाव के नतीजे जारी हो गए हैं। ये नतीजे स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के लिए चौंकाने वाले रहे हैं। दरअसल उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है और ये तब हुआ है, जब वह खुद एक जानलेवा हमले में बचे हैं और माना जा रहा था कि उन्हें सहानुभूति वोट मिल सकते हैं, लेकिन जनता ने उनकी पार्टी को नकार दिया।

नहीं मिल पाई जनता की सहानुभूति

रॉबर्ट फिको की वामपंथी पार्टी स्मेर-एसडी को विपक्षी लिबरल पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। स्मेर एसडी ने लिबरल पार्टी को जीत की बधाई दी है। रॉबर्ट फिको (59 वर्षीय) यूक्रेन को हथियार और आर्थिक मदद देने के खिलाफ हैं। स्लोवाकिया में हुए हालिया ओपिनियन पोल में रॉबर्ट फिको की पार्टी को सबसे आगे बताया गया था और ऐसा लग रहा था कि रॉबर्ट फिको पर हुए जानलेवा हमले से लोग उन्हें जमकर वोट करेंगे और उन्हें लोगों का साथ मिलेगा, लेकिन नतीजों में इसके उलट हुआ। विपक्षी प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी ने 27.81 प्रतिशत वोट पाए और छह सीटों पर कब्जा किया। वहीं रॉबर्ट फिको की पार्टी स्मेर-एसडी ने 24.76 प्रतिशत मत पाए और पार्टी ने यूरोपीय संसद की पांच सीटों पर कब्जा किया। स्लोवाकिया की दक्षिणपंथी पार्टी रिपब्लिका तीसरे स्थान पर ही और पार्टी को 12.53 प्रतिशत वोट और दो सीटें मिलीं।

फिको पर हुआ था जानलेवा हमला

रॉबर्ट फिको को बीती 15 मई को एक कार्यक्रम के दौरान नजदीक से 4 गोलियां मारी गईं थी। फिको पर हमला उस वक्त हुआ, जब वे समर्थकों से मुलाकात कर रहे थे। आरोपी की पहचान स्लोवाकिया के 71 वर्षीय जुराज सिंटुला के रूप में हुई। फिको को रूस समर्थक माना जाता है और वह लगातार यूक्रेन को आर्थिक मदद और हथियार देने के खिलाफ रहे हैं। अब जब पूरे यूरोप में रूस को लेकर एक डर का माहौल है, तो ऐसे में यूरोपीय संसद के चुनाव में लोगों ने रूसी समर्थक पार्टियों को नकार दिया है।

कनाडा के खुफिया प्रमुख ने दो बार भारत का गुपचुप दौरा किया, निज्जर हत्याकांड की जानकारी साझा की

कनाडा, 10 जून (एजेंसियां)।

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से भारत और कनाडा के बीच संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा की खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड विग्नॉल्ट ने इस साल फरवरी और मार्च में दो बार गुपचुप तरीके से भारत का दौरा किया। डेविड की इन यात्राओं का उद्देश्य भारतीय अधिकारियों को निज्जर की हत्या से संबंधित मामले से अवगत कराना था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया एजेंसी प्रमुख ने निज्जर हत्याकांड में ओटावा की जांच के दौरान सामने आई जानकारी को भारतीय अधिकारियों के साथ साझा किया। हालांकि, कनाडा के अधिकारियों ने ये जानकारी साझा करने से इन्कार कर दिया कि विग्नॉल्ट की भारत यात्रा के दौरान अधिकारियों से क्या बातचीत हुई। बातचीत पर टिप्पणी करने से बचे कनाडा के अधिकारी कनाडा के एक अधिकारी ने कहा, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि सीएसआईएस के निदेशक डेविड विग्नॉल्ट भारत आए, लेकिन भारतीय अधिकारियों के साथ बंद कमरे में हुई बैठकों के दौरान उनकी क्या बात हुई, इस पर हम टिप्पणी नहीं कर सकते। कहा कि जब से कनाडा को विश्वनीय आरोपों के बारे में पता चला है, तब से निज्जर हत्याकांड की सभी संभव जानकारी कई माध्यमों से भारत को उपलब्ध कराई है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री ने भी सार्वजनिक रिकॉर्ड पर इस बात का उल्लेख किया है।

18 जून 2023 को हुई थी निज्जर की हत्या

बता दें कि 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) निज्जर हत्याकांड की जांच कर रही है। पुलिस ने निज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के चलते चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें अमनदीप सिंह, करणप्रीत सिंह, कमलप्रीत सिंह और करण बरार शामिल हैं।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन आठवीं बार करेंगे पशिचम एशिया की यात्रा, गाजा में संघर्ष विराम पर देंगे जोर

वॉशिंगटन/यरूशलम, 10 जून (एजेंसियां)।

हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में लोग बड़ी संख्या में इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वो लगातार गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन संघर्ष विराम को जारी रखने के लिए पश्चिम एशिया की यात्रा करने वाले है, लेकिन इजराइल की राजनीति और हमास की चुप्पी ने यह सवाल खड़े कर दिए कि क्या वह वाकई इस मकसद में सफल हो पाएंगे। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक युद्ध शुरू होने के बाद से लेकर अबतक सात बार क्षेत्र की यात्रा कर चुके हैं। वह एक बार फिर संघर्ष विराम से जुड़े प्रस्ताव पर काम करने के लिए यात्रा करने वाले हैं। वह पहले मिस्र फिर इजराइल जाएंगे। ब्लिंकन पहले काहिरा में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के साथ बंद कमरे में वार्ता करेंगे। उसके बाद यरुशलम में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत करेंगे। बाइडन के प्रस्ताव पर काम जारी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 31 मई को युद्ध समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव का एलान किया था, जिसे आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री ने यात्रा की योजना बनाई। हालांकि, हमास ने प्रस्ताव पर कोई जवाब नहीं दिया है। जबकि बाइडन ने योजना को इजराइल की योजना बताया है। हालांकि इस बीच अमेरिकी कूटनीतिक प्रयासों पर एक नया संकट खड़ा हो गया है। इजराइली युद्ध कैबिनेट से बेनी गैंट्ज ने दिया था इस्तीफा इजराइल के युद्ध कैबिनेट मंत्री बेनी गैंट्ज ने हाल ही में आपातकालीन सरकार से अपना इस्तीफा दे दिया। गैंट्ज ने कहा था कि नेतन्याहू हमें सच्ची जीत की ओर बढ़ने से रोक रहे हैं। इसलिए आपातकालीन सरकार से इस्तीफा देता हूं। गैंट्ज ने इसके अलावा, देश में जल्द चुनाव कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे चुनाव होने चाहिए, जिससे एक मजबूत सरकार स्थापित हो सके। ऐसी सरकार देश में होनी चाहिए, जो चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हो। यह है मामला हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

जान हथेली पर लिए इजराइली जांबाजों ने रिहा कराए चार और बंधक, सामने आया रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो

यरूशलम, 10 जून (एजेंसियां)।

हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) भी अपने लोगों को हमास के कब्जे से छुड़ाने के लिए मशक्कत कर रहा है। अब आईडीएफ ने चुनौतियों से भरे एक अभियान के बारे में बताया। इस अभियान का नतीजा यह था कि चार बंधकों को सुरक्षित बचाया जा सका।

इन लोगों को बचाया

इजराइली सेना ने दावा किया कि कठिनाइयों से भरा अभियान चलाने के बाद गाजा से हमास के चंगुल से नोआ अर्गमणि, अल्मोग मीर जान, एंड्री कोजलोव और श्लोमी जिव को सुरक्षित बचाया।

यह है मामला

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। वहीं 250 लोगों को बंधक बना लिया था। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

अभियान को सीड्स ऑफ समर का नाम

जिन चार लोगों को अब रिहा कराया गया है, वो भी उन्हीं 250 बंधकों में शामिल थे। इन चार बंधकों को सात अक्तूबर को नोवा संगीत समारोह से हमास द्वारा अपहरण कर लिया गया था। आईडीएफ ने दिन के समय में चलाए गए अभियान को सीड्स ऑफ समर नाम दिया है। उन्होंने इसे बहुत अधिक खतरा और जटिल मिशन के रूप में करार दिया।

कई हफ्तों की योजना रंग लाई

इजराइली रक्षा बल के रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि बंधकों को रिहा कराने के लिए कई हफ्तों से योजना बनाई जा रही थी। खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करके योजना बनाई गई और गाजा के नुसीरत में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे अभियान चलाया गया।

हगारी ने यह भी बताया कि तीन पुरुष और एक महिला बंधक को छुड़ाने के लिए यमाम की राष्ट्रीय पुलिस की विशेष आतंकवाद विरोधी इकाई के अधिकारियों ने हमास की दो इमारतों पर छापा मारा। आतंकवाद विरोधी इकाई में शिन बेट एजेंट भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान के लिए हफ्तों से तैयारी चल रही थी। सैनिकों ने कड़ा प्रशिक्षण लिया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 26 साल की नोआ अर्गमणि एक अपार्टमेंट में मिलीं। जबकि 22 साल के अल्मोग मीर जान, 27 वर्षीय एंड्री कोजलोव और 41 वर्षीय श्लोमी जिव को एक दूसरी जगह से बचाया गया।

ऐसे रिहा कराया

आईडीएफ ने एक्स पर आठ जून को एक वीडियो साझा किया, जिसमें अधिकारियों को गाजा से चार बंधकों में से तीन को बचाते हुए दिखाया गया था। वीडियो में, अल्मोग, श्लोमी और एंड्री को इजराइली सेना के साथ एक तैनात हेलीकॉप्टर की ओर भागते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही अधिकारी और बंधक हेलिकॉप्टर में चढ़ जाते हैं, वैसे ही यह उड़ान भर लेता है। वीडियो में लिखा था कि हम उन्हें घर ला रहे हैं। चार में से तीन बंधकों को बचा लिया गया है। वहीं रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने बताया कि कार्रवाई में 100 से कम फलस्तीनी मारे गए। बंधकों को नागरिक इमारतों में बंदी बनाकर रखा गया था। खुफिया एजेंसी ने नुसरत में स्थित दो इमारतों के बारे में जानकारी दी थी। यहां परिवार सशस्त्र गार्ड के साथ रह रहे थे। उन्होंने कहा कि यह समझना होगा कि वे बंधकों को एक फ्लैट से दूसरे फ्लैट में ले जा रहे हैं। उन्हें छुड़ाना बहुत बड़ा खतरा था।

आखिरी गेंद पर नहीं लगा छक्का, सांस थामने वाले मैच में साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को हराया

न्यूयॉर्क, 10 जून (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे छोटा टोटल डिफेंड करते हुए इतिहास रच दिया। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी स्टेडियम में सोमवार रात सांस थामने वाले रोमांचक मैच में साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को हराया। इसी के साथ प्रोटियाज मौजूदा वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम भी बन गई। अपने गेंदबाजों के कातिलाना प्रदर्शन के बूते बांग्लादेश ने पहले सितारों

से सजी साउथ अफ्रीकी टीम को सिर्फ 113 रन पर रोक दिया था, लेकिन उसके बल्लेबाज इस छोटे से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पाए और जीत से चार रन दूर गए। बांग्लादेश को आखिरी ओवर में 11 तो आखिरी गेंद में जीत के लिए छह रन चाहिए थे। स्पिनर केशव महाराज की फुल टॉस पर तस्कीन अहमद अगर छक्का मार देते तो बांग्ला टाइगर्स मुकाबला जीत जाती। केशव महाराज ने चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट जरूर निकाले, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड 44 गेंद में 46 रन बनाने वाले हेनरिक क्लासेन को मिला।सुपर-8 में पहुंची साउथ अफ्रीकाग्रुप डी में तीन मैच में तीन जीत के साथ अब साउथ अफ्रीका नंबर वन पोजिशन पर है। इसी के साथ साउथ अफ्रीका सुपर-8 राउंड में क्वालीफाई करने वाली टूर्नामेंट की पहली टीम भी बन गई। इस ग्रुप की दूसरी टीम में नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश है। दक्षिण अफ्रीका के 114 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश तौहीद हृदय (37 रन, 34 गेंद, दो छक्के, दो चौके) और महमूदुल्लाह (20 रन, 27 गेंद, दो चौके) के बीच पांचवें विकेट की 44 रन की साझेदारी के बावजूद 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सका। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से महाराज ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि एनरिच नोर्किया ने 17 और कागिसो रबाडा ने 19 रन देकर दो-दो विकेट हासिल किए। मार्को यानसेन ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 17 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

बांग्ला बॉलर्स की मेहनत बेकारबांग्लादेश की ओर से तंजीम हसन साकिब ने 18 रन देकर तीन जबकि तास्किन अहमद ने 19 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मुस्ताफिजुर रहमान ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन दिए लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जिसे तंजीम हसन साकिब और तस्किन अहमद ने गलत साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। साउथ अफ्रीका ने पांचवें ओवर में 23 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए। रीजा हैंड्रिक्स (00), क्विंटन डिकॉक (18), एडन मार्करम (4), ट्रिस्टन स्टब्स (00) सस्ते में निपट गए। हेनरिक क्लासेन (44 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों से 46 रन) और डेविड मिलर (29 रन, 38 गेंद, एक छक्का, एक चौका) के बीच पांचवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी के बूते साउथ अफ्रीका 113 रन के स्कोर तक पहुंच पाई।

न्यूज ब्रीफ

ब्रैंडन मैकमुलेन ने खेली धांसू पारी, स्कॉटलैंड ने ओमान को रौंदकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने अपने बल्लेबाजों के दम पर टी20 विश्व कप में ओमान को सात विकेट से हरा दिया। यह स्कॉटलैंड की प्रतियोगिता में दूसरी जीत है। वहीं ओमान की लगातार तीसरी हार है। बल्लेबाजी करने उतरी ओमान की टीम लड़खड़ाती नजर आई। टीम के आरंभिक बल्लेबाज प्रतीक अठावले (54) ने अर्धशतकीय पारी खेल कर पारी को संभालने का काम किया है। वहीं, अयान खान की 39 गेंदों में 41 रनों की पारी की बदौलत ओमान ने 20 ओवर में सात विकेट पर 150 रन बनाए। स्कॉटलैंड की ओर से सफयान शरीफ ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत की और पावरप्ले में ही 50 रन जोड़ लिए। हालांकि इस दौरान जार्ज (41) और जोंस (16) रन बनाकर आउट होकर पवेलियन लौट गए। लेकिन तीसरे स्थान पर आए ब्रैंडन मैकमुलेन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके 10 ओवर से पहले ही टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। इसके बाद मैकमुलेन ने अविजित 61 रन की पारी खेल स्कॉटलैंड को 13.1 ओवर में ही जीत दिलाने का काम किया। ओमान की ओर से बिलाल, अकीब और मेहरान ने एक-एक विकेट चटकाए। मैकमुलेन को बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। संक्षिप्त स्कोर ओमान 150/7 (20 ओवर) प्रतीक 54, सफयान 2/40, स्कॉटलैंड 153/3 (13.1 ओवर) मैकमुलेन 61*, बिलाल 1/12 था।

आईपीएल से बाहर रहने का लाभ मिल रहा : जंपा

ब्रिजटाउन । ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्पिनर एडम जंपा ने कहा है इस साल आईपीएल नहीं खेलने का उनका

फैसला सही रहा, इसका लाभ अब उन्हें मिल रहा है। जंपा का मानना है कि इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिए भी पर्याप्त समय मिला। इसके साथ ही उनकी फिटनेस भी बेहतर हुई। जिससे वह अब तक विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। जंपा का मानना है कि आईपीएल से बाहर रहने के कारण ही वह अपने परिवार के साथ समय बिता पाये हैं। जम्पा ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबल में अच्छी गेंदबाजी की थी। जम्पा ने कहा, 'निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला पूरी तरह से सही रहा। आईपीएल से पहले मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था। मेरा मानना है कि परिवार को काम से अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा, 'खेल में मैं थोड़ा धीमी शुरुआत करने वाला व्यक्ति हूं और इस कारण मुझे थोड़ी अधिक मेहनत करनी होती है पर अब मैं अब पूरी तरह से फिट हूं और आराम से गेंदबाजी कर रहा हूं।

भारतीय महिला हॉकी टीम को ब्रिटेन से मिली 2-3 से हार, लगातार आठवां मैच हारी टीम इंडिया

लंदन । भारतीय महिला हॉकी टीम को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) प्रो लीग में ग्रेट ब्रिटेन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की यह लगाता आठवीं हार है। भारतीय टीम ने मैच में ज्यादातर समय अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन बावजूद इसके टीम को अंततः हार झेलनी पड़ी। मेजबान टीम की ग्रेस बाल्डसन ने 56वें और 58वें मिनट में दो गोल कर भारत के हाथ से जीत छीन ली। एक वीडियो रिव्यू सहित दो फैसले के कारण कोच हरेंद्र सिंह काफी हताश भी हुए। एक समय स्कोर 2-2 से बराबरी पर था और अंतिम हूटर बजने ही वाला था कि ग्रेस ने दमदार हिट के साथ गोल कर दिया। यह वहीं ग्रेस हैं जिन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत के खिलाफ विजयी गोल दागा और अपनी टीम को कांस्य पदक दिलाया था। ग्रेस के गोल से कोच हरेंद्र के मार्गदर्शन में टीम का पहली जीत के लिए इंतजार और बढ़ गया। वाटसन ने तीसरे मिनट में गोल कर ब्रिटेन को बढ़त दिलाई लेकिन लालरेमसियामी ने 14वें मिनट में गोल दागकर 1-1 की बराबरी दिला दी थी। उसके बाद नवनीत कौर ने 23वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया था।

भारत ने टी-20 में अपना सबसे छोटा टोटल डिफेंड किया

हार्दिक पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां) ।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर 6 रन की रोमांचक जीत दर्ज की। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 119 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 113 तक ही पहुंच सकी।

इस मैच में टीम इंडिया ने टी-20 इंटरनेशनल में अपना सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया। 2016 में टीम इंडिया ने हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 रन डिफेंड किए थे। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।

1. भारत ने अपना सबसे छोटा टारगेट डिफेंड किया

भारतीय टीम ने टी-20 क्रिकेट में अपना सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया है। टीम ने पहली पारी में 119 रन बनाकर पाकिस्तान को 120 रन का टारगेट दिया और जीत हासिल की। इंडिया ने 2016 में हरारे के मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 रन का सफल बचाव किया था। टीम ने 139 रन का टारगेट देते हुए जिम्बाब्वे को लक्ष्य पर पहुंचने से रोक दिया।

2. टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार सबसे कम स्कोर डिफेंड हुआ

टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार 119 रन या इससे कम का स्कोर डिफेंड हुआ। भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ 120 रन का टारगेट डिफेंड किया। श्रीलंका 2014 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 120 रन का टारगेट डिफेंड कर चुका है। यह मुकाबला चटगांव में हुआ था। इसी साल श्रीलंका वर्ल्ड कप भी जीता था।

3. पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार ऑलआउट भारत

भारत टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार ऑलआउट हुआ। इतना ही नहीं, टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 का सबसे छोटा स्कोर बनाया। इसके बावजूद टीम को जीत मिली।

इससे पहले टीम ने सबसे छोटा स्कोर साल 2012 में बनाया था। तब पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 133 रन बनाए थे, लेकिन तब भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

4. टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार शाहीन के पहले ओवर में सिक्स

मैच के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा ने शाहीन अफरीदी के खिलाफ सिक्स लगा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार शाहीन अफरीदी जब पहला ओवर लेकर आए तो उन्हें सिक्स लगाया। शाहीन ने 14 वर्ल्ड कप मैचों में शाहिन जब भी पहला ओवर लेकर आए, उन्हें कोई अन्य बल्लेबाज सिक्स नहीं लगा सका है।

5. दूसरा सबसे छोटा स्कोर चेज नहीं कर सकी पाकिस्तान

पाकिस्तान क्रिकेट टीम दूसरा सबसे छोटा स्कोर चेज नहीं कर सकी। भारत ने 120 रन का टारगेट दिया था, लेकिन पाकिस्तान 113 रन ही बना सका। जिम्बाब्वे इस रिकॉर्ड में टॉप पर है। साल 2021 में जिम्बाबवे ने पाकिस्तान के खिलाफ 119 रन का टारगेट डिफेंड कर लिया था।

6. पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा टी-20 विकेट लेने वाले भारतीय

भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टी-20 क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ा। भुवनेश्वर कुमार टी-20 क्रिकेट में 11 पाकिस्तानी बैटर्स को आउट किया है।

हार्दिक ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में 3 विकेट चटकाए। उन्होंने पाकिस्तान की पारी के 13वें ओवर में फखर जमान का विकेट लेकर भुवी का रिकॉर्ड तोड़ा।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का प्रयास करेंगे अमित पंघाल

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह अभ्यास में लगे हुए हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है।

पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे। तब भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) की मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर उनकी जगह टीम में बनती नहीं दिखी। इस दौरान हो रही आलोचनाओं से भी उनका मनोबल गिरा। पंघाल ने कहा कि इस दौरान उन्होंने अपना हौंसला बनाये रखा।

ऐसे कठिन समय में कोच अनिल धनखड़ ने उनका समर्थन किया। पंघाल ने कहा, 'उस समय कुछ अच्छा नहीं लगता था क्योंकि आप खेलना चाहते हैं और आपको खेलने का अवसर नहीं मिल पा रहा था।'' पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

भारत में तेजी से सामने आ रहीं बैडमिंटन प्रतिभाएं :बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां) ।

विश्व बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) के प्रमुख पॉल-एरिक होयर ने कहा है कि भारत में तेजी से बैडमिंटन की प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में अगले साल भारत में होने वाले विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगी। होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजन और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा। विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। (बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था।

भारत और कतर : फीफा विश्वकप क्वालिफायर मैच में छेत्री का स्थान लेंगे गुरप्रीत, कतर के खिलाफ होंगे कप्तान

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय फुटबाल को अलविदा कह चुके सुनील छेत्री की बतौर कप्तान जगह गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू लेंगे। फीफा विश्वकप क्वालिफायर में भारत का सामना 11 जून को कतर के साथ होना है। कतर ग्रुप में शीर्ष पर है और तीसरे दौर में जगह बना चुका है। वहीं, भारत को तीसरे दौर में जगह बनाने के लिए कतर को हराना होगा, जो आसान काम नहीं है।

भारतीय टीम के क्रोएशियाई कोच इगोर स्टिमेच ने कहा कि छेत्री के स्थान पर कप्तानी देने के लिए ज्यादा दिमाग लगाने की जरूरत नहीं थी। छेत्री के बाद गुरप्रीत सबसे अनुभवी फुटबालर हैं। वह 71 मैच खेल चुके हैं। कतर के खिलाफ मुकाबले के लिए स्टिमेच पहले ही 23 सदस्यीय टीम की घोषणा कर चुके हैं।

भारत के लिए यह मुकाबला करो या मरो वाला है। भारत अगर कतर से पराजित होता है तो क्वालिफायर से बाहर हो जाएगा। फिर से एशियाई चैंपियनशिप केलिए क्वालिफाई करने के लिए अलग से संघर्ष करना होगा। मुकाबला ड्रॉ रहता है तो भारत को कुवैत और अफगानिस्तान के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। ये दोनों टीमें भी ड्रॉ खेलती हैं तो भारत बेहतर गोल औसत के आधार पर तीसरे दौर में प्रवेश कर जाएगा। अफगानिस्तान ने भी पिछला मैच कतर से गोल रहित ड्रॉ खेला है।

भारतीय हॉकी टीम ने बेहतरीन टीम वर्क दिखाया : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में अपने अभियान का अंत किया। इसमें 5 जीत, 5 हार और छह ड्रॉ शामिल हैं। वर्तमान में भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भारत, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन और आयरलैंड सहित 9 टीमों ने भाग लिया।

एफआईएच प्रो लीग 2023-24, तीस जून तक जारी रहेगा लेकिन भारत ने अपना 16वां और अंतिम मैच खेला, जिससे उसके एक प्रतिस्पर्धी और महत्वपूर्ण सीजन का समापन हुआ।

टीम के प्रदर्शन पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्रो लीग 2023-24 हमारे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। नीदरलैंड

2-2 (4-2 शूटआउट), अर्जेंटीना (5-4) और जर्मनी (3-0) जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ हमारी कुछ जीत हमारी टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को उजागर करती है। हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा टीम वर्क दिखाया है।

भारत के कप्तान एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरे और भारत के लिए टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रहे। अपने नाम 12 गोल के साथ, वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स और नीदरलैंड के जिप जानसेन के साथ टूर्नामेंट के संयुक्त प्रमुख गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं।

हरमनप्रीत ने आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, यह लीग हमारी ताकत और सुधार के क्षेत्रों को समझने में हमारी मदद करने में महत्वपूर्ण रही है। शीर्ष स्तरीय टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से हमें अपने खेल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। अब हम जानते हैं कि हम कहां खड़े हैं और वैश्विक मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए हमें किन चीजों पर काम करने की जरूरत है।

अब भारत बैंगलोर में एक शिविर के लिए लौटने से पहले एक छोटा ब्रेक लेगा, जहां वह अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कप्तान ने कहा, हमने अपने खेल के उन विशिष्ट पहलुओं की पहचान की है, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है और आगामी शिविर उन क्षेत्रों पर काम करने में महत्वपूर्ण होगा। हमारा लक्ष्य अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

स्टॉक मार्केट का नया किंग रिटेल निवेशक सही समय पर खरीदारी कर बन रहे ट्रेंडसेटर

नई दिल्ली,10 जून (एजेंसियां)।

भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी देखने को मिली है. इसके पीछे की वजह बाजार में रिटेल निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होना है.रिटेल निवेशक बाजार में एक स्मार्ट निवेशक की तरह काम कर रहे हैं।

और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और अन्य बड़े निवेशकों से कहीं आगे दिखाई देते हैं।

उदाहरण के लिए एग्जिट पोल के नतीजों के कारण 3 जून को शेयर बाजार में बड़ी तेजी हुई. एनएसई के डेटा के अनुसार, इस दिन रिटेल निवेशकों ने 8,588 करोड़ रुपये की बिकवाली की.वहीं, एफआईआई और म्यूचुअल फंड्स ने इस दौरान 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश किया था।

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के दिन 4 जून को जब निफ्टी 5.9 प्रतिशत गिर गया. उस दौरान रिटेल निवेशकों ने 21,178 करोड़ रुपये की बंपर खरीदारी की थी. वहीं, इस दिन एफआईआई ने 12,511 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड्स ने 6,249 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

5 जून को रिटेल निवेशकों ने 3,006 करोड़ रुपये की खरीदारी की. वहीं, विदेशी निवेशकों की ओर से 6,481 करोड़ रुपये की बिकवाली की गई. हालांकि, इस दिन म्यूचुअल फंड्स ने 2,672 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन अब ये समझना होगा कि इस बुल मार्केट को रिटेल निवेशक और एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल) लीड कर रहे हैं. एफआईआई की ओर से की जा रही बिकवाली को आसानी से रिटेल निवेशक खरीद रहे हैं. 4 जून को 21,179 करोड़ रुपये की खरीदारी रिटेल निवेशकों की ओर से की गई थी। इस ट्रेंड से ऐसा लगता है कि ये सिलसिला लंबे समय तक जारी रहेगा. भारत में एसआईपी का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है. औसत मासिक एसआईपी का आंकड़ा करीब 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में दिखेगी भविष्य की झलक, आईओएस 18 को एआई के साथ पेश कर सकता है एप्पल

नई दिल्ली। एप्पल की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) शुरू होने जा रही है। माना जा रहा है कि इस बार कई नए फीचर्स के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर कंपनी का फोकस हो सकता है।डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी एक ईवेंट है, जहां एप्पल की ओर से अपने प्रोडक्ट्स के लिए नए सॉफ्टवेयर और फीचर्स को पेश किया जाता है। इस वर्ष उम्मीद की जा रही है कि आईफोन के लिए आईओएस 18 पेश किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम का भी अपटेड आ सकता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में एप्पल अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में एआई को जोड़ सकता है। इसके अलावा सिरी के उपयोग बढ़ाने को लेकर भी ध्यान हो सकता है। कंपनी इसमें लार्ज लैंग्वेज मॉडल जोड़ सकती है, जिससे यह यूजर्स की ओर से पूछे गए सवालों का आसानी से जवाब दे पाए। एप्पल अपने इन एआई फीचर्स को एप्पल इंटेलिजेंस फीचर्स नाम दे सकता है और अपने सभी ऐप्स में जोड़ सकता है। माना जा रहा है कि आने वाले आईओएस 18 में एआई फीचर्स को जोड़कर एप्पल अन्य कंपनियों जैसे गूगल और माइक्रोसॉफ्ट को टक्कर देने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा उम्मीद की जा रही है कि आईओएस 18 में आने वाले सभी फीचर्स आईपैडओएस 18 में भी देखने को मिल सकते हैं। वॉचओएस 11 में भी कई अपडेट्स देखने को मिल सकते हैं। एप्पल विजनओएस का नया वर्जन भी बाजार में उतार सकता है। विजनओएस का उपयोग एप्पल के वीआर हैंडसेट में किया जाता है।

घर में तय सीमा से अधिक सोना रखा तो देना पड़ेगा हिसाब, घोषित आय से की गई खरीद पर नहीं देना पड़ता है कर

नई दिल्ली। सोना एक बहुमूल्य धातु और निवेश का सुरक्षित साधन है।भारतीय त्योहारों पर सोना

खरीदना शुभ मानते हैं। लोग अपने बच्चों की शादी के लिए पहले से ही सोना खरीदकर घर में रखना शुरू कर देते हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग इस बात से अनजान होते हैं कि घर में एक सीमा से ज्यादा सोना रखने पर आयकर विभाग को उसका हिसाब देना पड़ता है। दरअसल, आप घर में जितना चाहें उतना सोना रख सकते हैं।बशर्ते...कर अधिकारियों के पूछने पर आपको यह बताना पड़ेगा कि आपके घर में रखे सोने को खरीदने के लिए आपके पास पैसा कहां से आया।केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के मुताबिक, घोषित आय से की गईसोने की खरीद पर कोईकर नहीं देना पड़ता है। 500 ग्राम तक रखने की छूट सीबीडीटी के नियमों के मुताबिक, कर बचत के लिए बिना किसी सबूत के घर में रखे गए सोने और उससे बने आभूषणों की मात्रा की कुछ सीमाएं तय की गई हैं। विवाहित महिला घर में बिना किसी सबूत के अधिकतम 500 ग्राम तक सोना रख सकती है। अविवाहित महिलाओं के लिए अधिकतम सीमा 250 ग्राम है। पुरुष (विवाहित व अविवाहित) 100 ग्राम तक सोना रख सकते हैं। अगर आप सोना खरीदने के तीन साल के भीतर उसे बेच देते हैं तो उस पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स आपकी कुल आय में जुड़ता है और स्लैब के अनुसार कर लगता है।

रुपया 10 पैसे गिरकर 83.50 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ

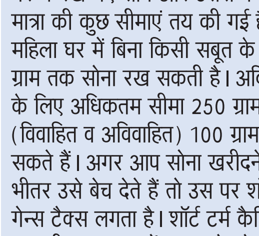

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.50 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद बाजार में अनिश्चितता कम हुई है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती ने स्थानीय इकाई पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.48 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.50 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.18 पर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पहली फाइल...

आज प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर दी, जिसके कारण देश के किसानों के बैंक खातों में 20,000 करोड़ की धनराशि सीधे पहुंच गई। मैं इस किसान हितैषी निर्णय के लिए नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला दिन किसानों को समर्पित रहा। आज प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर 20,000 करोड़ वितरित किए, जिससे लगभग 9.3 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। किसानों को सहायता देने वाली इस योजना की अब तक की 16 किस्तों में 12 करोड़ 33 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को 3 लाख करोड़ से अधिक सीधे डीबीटी से वितरित किए गए हैं। यह निर्णय बताता है कि एनडीए सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक है। मैं इस कल्याणकारी निर्णय के लिए पीएम मोदी का देश के करोड़ों किसानों की ओर से आभार व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसान सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर अपने कार्यकाल की शुरुआत की। इसके अंतर्गत आज 20,000 करोड़ वितरित किए हैं, जिससे लगभग 9.3 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। किसान सम्मान निधि योजना से अब तक 12 करोड़ 33 लाख से ज्यादा किसान लाभान्वित हुए हैं। किसानों के लिए वरदान साबित हो रही इस योजना से अब तक 16 किस्तों में 3 लाख करोड़ से अधिक सीधे डीबीटी से वितरित किए गए हैं। यह महत्वपूर्ण निर्णय एनडीए सरकार की किसानों के प्रति कटिबद्धता को दर्शाता है। किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, अन्नदाता देवो भवः। किसान हित हमारे लिए सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने तीसरे कार्यकाल के पहले ही दिन 9.30 करोड़ किसानों के लिए 20,000 करोड़ की किसान सम्मान निधि को जारी रखे जाने का निर्णय लेना इसका जीवंत प्रमाण है। यह निर्णय विकसित भारत के चार स्तंभों किसान, महिला, गरीब और युवा के उत्थान हेतु संकल्पित सरकार के दृढ़ निश्चय की बस एक झलक मात्र है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सभी कृषकों को हार्दिक बधाई। तीसरे कार्यकाल के प्रथम दिवस का प्रथम निर्णय अन्नदाता किसान कल्याण को समर्पित! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कार्यभार ग्रहण करते ही पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करने हेतु फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस निर्णय से लाभान्वित होने वाले 9.3 करोड़ अन्नदाता किसानों के बैंक खातों में लगभग 20,000 करोड़ की राशि हस्तांतरित होगी। किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करते इस कल्याणकारी निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश के सभी किसान भाइयों-बहनों की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर्मयोगी। तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। इसके माध्यम से देश के 9 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। किसान कल्याण के प्रति यशस्वी प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

मोदी कैबिनेट...

किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास, निर्मला सीतारमण को वित्त एवं कारपोरेट मामले, डॉ. एस जयशंकर को विदेश, मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा एवं शहरी विकास, एच डी कुमारस्वामी को भारी उद्योग एवं इस्पात, पीयूष गोयल को वाणिज्य एवं उद्योग, धर्मेन्द्र प्रधान को शिक्षा, जीतन राम मांझी को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह को पंचायती राज, मछली पालन, पशुपालन एवं डेयरी, सर्वानंद सोनोवाल को बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग, डॉ. वीरेन्द्र कुमार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, के राममोहन नायडू को नागरिक उड्डयन, प्रल्हाद जोशी को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जनवितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, जुएल ओरांव को आदिवासी मामले, गिरिराज सिंह को वस्त्र, अश्विनी वैष्णव को रेलवे, सूचना प्रसारण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, ज्योतिरादित्य सिंधिया को संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, भूपेन्द्र यादव को वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, गजेन्द्र सिंह शेखावत को पर्यटन एवं संस्कृति, अन्नपूर्णा देवी को महिला एवं बाल विकास, किरेन रिजीजू को संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामले, हरदीप सिंह पुरी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, मनसुख मांडविया- श्रम और रोजगार; और युवा मामले और खेल, जी किशन रेड्डी को कोयला एवं खान, चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तथा सी आर पाटिल को जलशक्ति मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी है।सूची के अनुसार स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों में राव इंद्रजीत सिंह को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, योजना मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय, जितेंद्र सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग, अर्जुन राम मेघवाल को कानून एवं न्याय मंत्रालय तथा संसदीय कार्य मंत्रालय, प्रतापराव जाधव को आयुष मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जयंत चौधरी को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय सौंपा गया है।राज्य मंत्रियों में से जितिन प्रसाद को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, श्रीपद नाइक को विद्युत एवं शहरी कार्य मंत्रालय, पंकज चौधरी को वित्त मंत्रालय, कृष्ण पाल गुर्जर को सहकारिता मंत्रालय, रामदास अठावले को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, रामनाथ ठाकुर को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नित्यानंद राय को गृह मंत्रालय, सुश्री अनुप्रिया पटेल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, वी सोमन्ना को जल शक्ति मंत्रालय तथा रेल मंत्रालय, चंद्र शेखर पेम्मासानी को ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा संचार मंत्रालय, एसपी सिंह बघेल को मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय तथा पंचायती राज मंत्रालय, सुश्री शोभा करंदलाजे को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, कीर्ति वर्धन सिंह को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय, बीएल वर्मा को उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, शांतनु ठाकुर को बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, कमलेश पासवान को ग्रामीण विकास मंत्रालय, बंडी संजय कुमार को गृह मंत्रालय, अजय टम्टा को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, डॉ. एल मुरुगन को सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा संसदीय कार्य मंत्रालय, सुरेश गोपी को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय/पर्यटन मंत्रालय, रवनीत सिंह बिट्टू को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, संजय सेठ को रक्षा मंत्रालय, सुश्री रक्षा खडसे को युवा मामले और खेल मंत्रालय, भागीरथ चौधरी को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय,सतीश चंद्र दुबे को कोयला मंत्रालय तथा खान मंत्रालय, दुर्गादास उइके जनजातीय मामलों के मंत्रालय, सुकांता मजूमदार को शिक्षा मंत्रालय और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय, सुश्री सावित्री ठाकुर को महिला और बाल विकास मंत्रालय, तोखन साहू को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, राज भूषण चौधरी को जल शक्ति मंत्रालय, भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा को भारी उद्योग मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय, हर्ष मल्होत्रा को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, निमुबेन बंभानियम उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, मुरलीधर मोहोल सहकारिता मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय, जॉर्ज कुरियन अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन तथा डेयरी मंत्रालय एवं सुश्री पवित्रा मार्गेरिटा को विदेश मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय कि जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

मंत्रिमंडल में यूपी...

मोदी के दूसरे कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे कई मंत्रियों के चुनाव हार जाने की वजह से इस बार यूपी के हिस्से से सिर्फ दो ही कैबिनेट मंत्री बने हैं।

पिछली सरकार में यूपी से मोदी समेत कुल 15 मंत्री थे, जिसमें 4 कैबिनेट मंत्री और शेष राज्यमंत्री थे। इस लिहाज से इस बार यूपी से सिर्फ राजनाथ सिंह और राज्यसभा सदस्य हरदीप सिंह पुरी ही कैबिनेट मंत्री बने हैं। पिछली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे महेन्द्र नाथ पांडेय और स्मृति ईरानी चुनाव हार गई हैं। इस वजह से भी इस बार कैबिनेट मंत्रियों की संख्या घटी हैं। फिर भी मोदी ने हारी हुई सीटों के अनुपात में हिस्सेदारी में उतनी कमी न करते हुए अगड़े-पिछड़ों के साथ दलितों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है।

यूपी में कम सीटें आने के बाद भी मोदी ने सामाजिक समीकरण के ताने-बाने का ख्याल रखा है। मोदी ने इस बार दो ठाकुर, दो कुर्मी, एक-एक ब्राम्हण, लोध, जाट और सिख जाति को मौका दिया है। जबकि दलित समाज से इस बार भी दो लोगों को मंत्री बनाया गया है। इसमें एसपी सिंह बघेल को जहां दुबारा मौका दिया है, वहीं बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान को पहली बार जगह मिली है। पिछली बार इस समाज से कौशल किशोर मंत्री थे. लेकिन इस बार वह चुनाव हार गए हैं।

मोदी के तीसरे कार्यकाल में सबसे अधिक भागीदारी ओबीसी को मिली है। प्रधानमंत्री समेत कुल 4 ओबीसी चेहरों को मंत्री बनाया गया है। इनमें मोदी के अलावा कुर्मी समाज से अनुप्रिया पटेल और पंकज चौधरी को मंत्री बनाया गया है। अनुप्रिया 2014 से लगातार मंत्रिमंडल में हैं, जबकि चौधरी को दूसरी बार लगातार मौका मिला है। लोध समाज से बीएल वर्मा और जाट चेहरे के तौर पर रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी मंत्री बनाए गए हैं। हालांकि इस बार ब्राम्हण चेहरे के तौर सिर्फ जितिन प्रसाद को ही मौका मिला है।

मोदी मंत्रिमंडल में उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संतुलन का भी खास ख्याल रखा गया है। अवध क्षेत्र में सिर्फ दो सीट जीतने के बावजूद राजनाथ सिंह के साथ गोंडा से जीते कीर्तिवर्धन सिंह को मंत्री बनाकर अवध क्षेत्र को सम्मान दिया है। गोरखपुर क्षेत्र से पंकज चौधरी और कमलेश पासवान को मौका देकर क्षेत्रीय एवं ओबीसी और दलित फैक्टर को साधने की कोशिश की है। इसी तरह पूर्वांचल से खुद मोदी के अलावा अनुप्रिया को शामिल हैं।

पीएमओ सेवा का...

पीएम मोदी ने कहा, उन सभी को मेरा निमंत्रण है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित भाव से खप जाना चाहते हैं। अब समय है जो मैंने सोचा, उससे ज्यादा सोचने और करने का है। अब जो करना है, वैश्विक मापदंडों को पार करते हुए करना है। जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां अपने देश को हमें पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्रिकेट का दौर आता है तो किशोरवय के बच्चे सोचते हैं कि मैं क्रिकेटर बन जाऊं। फिर कोई फिल्म बड़ी लोकप्रिय हो गई तो लगता है कि ये फील्ड अच्छा है, मैं एक्टर बन जाऊं। चंद्रयान की घटना घटे तो लगेगा कि मैं वैज्ञानिक बन जाऊं। दो महीने बाद फिर क्रिकेट मैच आ जाए तो उसे लगता है कि वैज्ञानिक बनना मेहनत का काम है, इससे अच्छा है कि क्रिकेटर ही बन जाऊं। ज्यादातर लोगों की इच्छाएं अस्थिर होती हैं। यह तरंग की तरह होता है। अस्थिर इच्छाएं दुनिया की नजरों में तरंग होती हैं। जब लंबे अरसे तक इच्छाओं को स्थिरता मिल जाए तो वह संकल्प में बदल जाती है। संकल्प में जब परिश्रम की पराकाष्ठा जुड़ जाए तो सिद्धि प्राप्त होती है। सफल इंसान वो होता है, जिसके भीतर का विद्यार्थी कभी मरता नहीं है।

मंत्रिमंडल को ...

भाजपा के नौ सांसद हैं, जबकि वह 28 सीटों पर लड़ी थी। हमारी अपेक्षा थी कि शिवसेना को एक कैबिनेट मंत्री पद और एक राज्य मंत्री पद मिलना चाहिए था।

उन्होंने कहा, हम भाजपा के सबसे पुराने सहयोगी दलों में से एक हैं, जबकि हमें राज्य मंत्री पद मिला है। तीन महीने में विधानसभा चुनाव हैं। जब हम चुनाव में एकसाथ जाएंगे तो उसका विचार करते हुए शिवसेना को उचित भूमिका मिलनी चाहिए। 61 मंत्री तो भाजपा के ही हैं। महाराष्ट्र को भी उचित भूमिका नहीं मिल पाई। हमने एकनाथ शिंदे जी के सामने अपनी राय रखी है। अब भाजपा को इस पर फैसला करना है। हमारी भूमिका स्पष्ट होनी चाहिए।

मोदी कैबिनेट : पीएम...

पीएमएवाई के तहत, पिछले 10 वर्षों में आवास योजनाओं के तहत पात्र गरीब परिवारों के लिए कुल 4.21 करोड़ घर पूरे किए गए हैं। पीएमएवाई के तहत निर्मित सभी घरों को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं की मदद से घरेलू शौचालय, एलपीजी कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन आदि जैसी अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक शुरू हुई। प्रधानमंत्री के आवास पर हो रही इस बैठक में अमित शाह, राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान और एचडी कुमारस्वामी समेत सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे।

प्रेम सिंह तमांग...

1999 के विधानसभा चुनाव में में वे एक बार फिर से सोरेंग चाकुंग विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। वर्ष 1999 से लेकर 2004 तक उन्होंने राज्य के उद्योग और पशुपालन मंत्री के रूप में कार्य किया। अगले चुनाव यानी वर्ष 2004 में उन्होंने एक बार फिर से चाकुंग निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार सतीश मोहन प्रधान को हराकर जीत दर्ज की। इसी के साथ वे राज्य के भवन एवं आवास विभाग के मंत्री बने। 2009 में प्रेम सिंह तमांग ने अपर बुर्तुक से चुनाव लड़ा और कांग्रेस प्रत्याशी अरुण कुमार राय को मात दी।वर्ष 2013 में एसडीएफ से प्रेम सिंह तमांग के इस्तीफे के बाद राज्य में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) नाम से नई पार्टी अस्तित्व में आई। तमांग ने पार्टी का गठन किया और 2014 के विधानसभा चुनाव में ताल ठोक दी। इस दौरान एसकेएम ने राज्य की 32 में से 10 सीटों पर जीत दर्ज की। 43 प्रतिशत मतदान प्रतिशत के साथ राज्य में एसकेएम के लिए अच्छी शुरुआत थी। समय बदला और इसके बाद वर्ष 2019 में राज्य में पहली बार तमांग के नेतृत्व वाली एसकेएम ने राज्य में पहली बार जीत दर्ज की। ये वो पल था जब, 24 वर्ष, पांच महीने और 15 दिन तक काबिज रही पवन कुमार चामलिंग की सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा। एसकेएम में 17 सीटों पर जीत हासिल कर सत्ता पर काबिज हुई। राज्य में पवन कुमार चामलिंग सरकार का अस्त हुआ और प्रेम सिंह तमांग सरकार का उदय हो गया।

अदालती ...

श्याम दीवान ने कहा कि वह हलफनामा और स्थिति रिपोर्ट ई-फाइल नहीं कर सकती, क्योंकि दिल्ली सरकार की रिट याचिका में अभी भी खामियां हैं।

इस पर पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील से कहा, आपने खामियों को दूर नहीं किया है। पिछली तारीख को इस ओर ध्यान दिलाया गया था। अदालती कार्यवाही को हल्के में न लें। हम इस आधार पर याचिका खारिज करेंगे, चाहे यह याचिका कितनी भी महत्वपूर्ण क्यों न हो। पीठ ने आगे कहा जब यह बयान दिया जाता है कि आप खामियों को दूर करेंगे और वह दूर नहीं होती, तो हम उसे खारिज कर देते हैं। आपने कहा था कि आप पानी की कमी से जूझ रहे हैं, आज ही अंतिम तिथि पर आदेश पारित करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हलफनामा और स्थिति रिपोर्ट को रिकॉर्ड में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि रिट याचिका में खामियों को दूर नहीं किया गया है। पीठ ने यह भी कहा, अखबारों में बहुत-सी बातें छपी हैं। अगर हम फाइलें, जवाब और स्थिति रिपोर्ट नहीं पढ़ेंगे, तो हम अखबारों में छपी खबरों से कैसे प्रभावित होंगे। यह किसी भी पक्ष के हित में नहीं होगा। पीठ ने कहा कि अब इस मामले की सुनवाई बुधवार को की जाएगी। शीर्ष अदालत ने 6 जून को हिमाचल प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह मौजूदा गर्मी के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर पेयजल संकट के मद्देनजर अपने पास उपलब्ध 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी 07 जून को दिल्ली के लिए छोड़ दे। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने आदेश पारित करते हुए अपर यमुना रिवर वाटर बोर्ड को निर्देश दिया कि वह दिल्ली को पानी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा के हथिनी कुंड में अतिरिक्त आपूर्ति को मापे। पीठ ने हरियाणा को नहरों के माध्यम से पानी का मार्ग देने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था, चूंकि हिमाचल प्रदेश दिल्ली को अतिरिक्त पानी की आपूर्ति करने के लिए तैयार और इच्छुक है, इसलिए हम उस राज्य को ऊपरी धारा से 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देते हैं। जब भी हिमाचल प्रदेश द्वारा अतिरिक्त पानी छोड़ा जाएगा, हरियाणा के हथिनी कुंड के माध्यम से अतिरिक्त पानी के प्रवाह की सुविधा प्रदान किया जाएगा, ताकि इसे दिल्ली को पेयजल के लिए उपलब्ध कराया जा सके। पीठ ने यह भी कहा, हम इस तथ्य से अवगत हैं कि गंभीर संकट को देखते हुए पानी की बर्बादी नहीं होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने तीन जून को अपर यमुना रिवर जल बोर्ड से कहा था कि दिल्लीवासियों के सामने आने वाले पानी संकट के मद्देनजर सभी संबंधित राज्यों की एक आपात बैठक पांच जून को आयोजित कर छह जून तक शीर्ष अदालत में पानी आपूर्ति से संबंधित स्थिति रिपोर्ट पेश करें। शीर्ष अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए हिमाचल प्रदेश ने कहा था कि वह हरियाणा के माध्यम से दिल्ली में पानी लाने वाली नहरों के जरिए अपना अतिरिक्त उपलब्ध पानी दिल्ली को देने के लिए तैयार है।

दिल्ली सरकार ने भीषण गर्मी के कारण राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर पानी संकट के मद्देनजर हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सरकारों को एक माह के लिए अतिरिक्त पानी आपूर्ति करने का निर्देश देने की गुहार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। आम आदमी पार्टी (आपा) सरकार ने अपनी याचिका में दिल्ली के लोगों को पानी की समस्या से जूझते देख शीर्ष अदालत से अनुरोध किया था कि वह संबंधित राज्य सरकारों को कम से कम एक महीने के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने के लिए तत्काल उचित निर्देश या आदेश जारी करे। आपा सरकार ने अपनी याचिका में कहा, हर व्यक्ति को पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए, क्योंकि यह उसके बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। पानी न केवल जीवनयापन के लिए आवश्यक है, बल्कि उसे हासिल करना उनेके लिए संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा और जीवन की गुणवत्ता की सुनिश्चित करने का एक अनिवार्य घटक भी है। केजरीवाल सरकार ने अपनी याचिका में कहा, वर्तमान जल संकट गर्मी चरम पर होने और पानी की कमी के कारण आने वाले समय में और भी बदतर हो सकता है। पानी संकट दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों के गरिमापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है। गौरतलब है कि हाल में दिल्ली का तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया था। फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से अभी तक कोई राहत नहीं मिल पाई है।

आंध्र प्रदेश में ...

राजनीतिक प्रतिशोध में टीडीपी नेता की हत्या कर दी गई। मामला दर्ज किया गया है। लेकिन हत्यारों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।गौरीनाथ की हत्या पर टीडीपी नेता पट्टाभि राम कोमारेड्डी ने कहा, पांच साल पहले जिस हिंसा को वाईएसआर कांग्रेस ने शुरू किया था, वह अभी भी जारी है। जनता ने अपना आक्रोश दिखाया और वाईएसआर पार्टी 151 से 11 सीटों पर आ गई। उन्हें विपक्ष का दर्जा भी नहीं मिला। कल कुरनूल में हमारे टीडीपी नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह उनकी बौखलाहट का नतीजा है। इतनी करारी हार मिलने के बावजूद उन्होंने सबक नहीं सीखा। टीडीपी ने कभी भी हिंसा को बढ़ावा नहीं दिया। हम शांत वातावरण चाहते हैं।

10 अगस्त तक...

परिसर को खाली कर कब्जा सौंप देगी।

उल्लेखनीय है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इससे पहले राउज एवेन्यू में भूखंड के एक हिस्से पर अतिक्रमण करने के लिए आपा को कड़ी फटकार लगाई थी। यह जमीन जिला न्यायपालिका की बुनियादी ढांचा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय को आवंटित की गई है। सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने आम चुनावों के मद्देनजर परिसर खाली करने के लिए 15 जून की समय सीमा तय की थी और आप को वैकल्पिक कार्यालय स्थान प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार के भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) से संपर्क करने को कहा था। पिछले सप्ताह दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया था कि वह छह सप्ताह के भीतर आपा के अस्थायी कार्यालय पर निर्णय ले। आपा ने तर्क दिया था कि एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उसे तब तक अस्थायी कार्यालय स्थान प्राप्त करने का अधिकार है, जब तक कि उनके कार्यालय के निर्माण के लिए स्थायी भूमि आवंटित नहीं हो जाती।

समझदारी और...

स्वार्थ के लिए खालिस्तानी तत्वों को बढ़ावा देने का मामला बार-बार उजागर होता रहा है। मई में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि कनाडा सरकार के अपने घरेलू राजनीतिक हितों के कारण खालिस्तानी तत्वों को शरण देने के कारण कनाडा के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध खराब हुए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी थी कि ऐसे अपराधियों को शरण देने से कनाडा अपने देश में गैंगवार को देखेगा। दूसरी तरफ, लोकसभा चुनाव परिणाम के छह दिन बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को नरेंद्र मोदी को बधाई देने की याद आई। प्रधानमंत्री मोदी का शपथग्रहण हो जाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को नरेंद्र मोदी को बधाई दी। शरीफ ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर नरेंद्र मोदी को बधाई। शाहबाज शरीफ शनिवार को ही चीन के दौरे से पाकिस्तान लौटे हैं।

लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने से कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि वे चाहते हैं नरेंद्र मोदी यह चुनाव हार जाएं। फवाद ने कहा था कि पाकिस्तान में हर कोई यह चाहता है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा था कि भारत में आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी लगातार पाकिस्तान के लिए लोगों के दिलों में नफरत भर रहे हैं। नरेंद्र मोदी की सोच कट्टरपंथी है। उनकी हार होना बहुत ही जरूरी है।

भाजपा के नेताओं ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी के बयान को लेकर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला था। क्योंकि उन्होंने अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं की तारीफ की थी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान के खिलाफ उनकी सरकार द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक का भी जिक्र किया।

उल्लेखनीय है कि रविवार को राष्ट्रपति भवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल प्रचंड, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ समेत कई पड़ोसी देशों के नेता शामिल हुए। बाद में पीएम मोदी ने इन सभी नेताओं के साथ बात भी की।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा था कि वह भारत समेत अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है। लेकिन पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से जब यह पूछा गया कि पाकिस्तान ने नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई क्यों नहीं दी, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब देने से इन्कार किया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा था कि भारत के लोगों को अपने नेता को चुनने के बारे में फैसला करने का अधिकार है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि पाकिस्तान को भारत की चुनावी प्रक्रिया पर किसी भी तरह की कोई बयानबाजी नहीं करनी चाहिए।

ब्रज के मन्दिरों में फूल बंगला बनाने की मची है होड़

ठाकुर जी को भीषण गर्मी से निजात दिलाने के लिए ब्रज के मन्दिरों में इन दिनों फूल बंगला बनाने की होड़ सी लगी हुई है। फूल बंगले की शुरूआत लगभग 500 वर्ष पहले स्वामी हरिदास ने की थी। वे जंगल से तरह तरह के फूल चुनकर लाते थे और फिर उनसे ठाकुर का अनूठा श्रंगार करते थे। धीरे धीरे यह परंपरा अन्य मन्दिरों में विशेषकर सप्त देवालयों में भी शुरू हुई तथा राधारमण मन्दिर के विगृह को प्रकट करनेवाले गोपाल भट्ट गोस्वामी ने इसमें कुछ परिवर्तन कर दिया था और बंगले को और आकर्षक बनाया था।

आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि हरिदासीय सम्प्रदाय के 15वें आचार्य गोस्वामी छबीले बल्लभ महराज फूल बंगलों के अनूठे कलाकार थे तथा उन्होंने फूल बंगलों को नये कलेवर में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। बाबा कृष्णानन्द अवधूत, सेठ हरगूलाल बेरीवाला, अर्जुनदास, रामजीलाल, राधाकृष्ण गाडोदिया आदि ने फूल बंगला परंपरा को नया कलेवर दिया। पिछले दो दशक से इसमें और परिवर्तन हुआ और आज ब्रज के मन्दिरों में इतने आकर्षक बंगले बनने लगे है कि भक्त बंगले में विराजमान ठाकुर को देखकर धन्य हो जाता है।

उन्होंने बताया कि सामान्यतया फूल बंगला बनाने में रायबेल, मोतिया, मोगरा, मौलश्री, लिली, रजनीगंध, गुलाब एवं गेंदे के फूलों का प्रयोग किया जाता है पर कुछ बंगले अति भव्य बनाये जाने लगे हैं तथा इनके लिए बंगलौर , कलकत्ता तथा विदेश तक से फूल मंगाए जाते हैं। इन बंगलों के बनने में आनेवाला खर्च भक्तों द्वारा वहन किया जाता है तथा ठाकुर की विभिन्न प्रकार की सेवाओं कें ठाकुर को शीतलता प्रदान करने के लिए बंगला सेवा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

इन बंगलों को कारीगर बनाते हैं तथा ये दो या तीन मंजिल तक के बनते है। फूलों की लड़ी शीशम या सागवान की लकड़ी पर बने फ्रेम पर लपेटकर बनाई जाती है तथा तीन मंजिल के बंगलों में ऊपर जाने की सीढ़ियां तक बनी होती हैं।बंगला बनाने में केले के पेड़ के कोमल तने का भी प्रयोग किया जाता है। फूल

बंगले के माध्यम से कान्हा की लीलाओं बैनीगूंथन, गौचारण, महारास, कालिया मान मर्दन, चीर हरण , गजेन्द्र मोक्ष आदि का निरूपण किया जाता है।

बांके बिहारी मन्दिर में पहले तो बंगले केवल जगमोहन तक ही सीमित थे किंतु धीरे धीरे सजवाट में चौक को भी शामिल कर लिया गया तथा व वर्तमान में ये बंगले मन्दिर के बाहर चबूतरे तक बनने लगे हैं। बिहारी जी मन्दिर में पहले फूल बंगले केवल शयनभोग सेवा में ही बनते थे किंतु पिछले कुछ वर्षों से ये अब राजभोग सेवा में भी बनने लगे हैं। फूल बंगले में ठाकुर जी को जगमोहन में विराजमान किया जाता है तथा मन्दिर के जगमोहन से चौक तक गुलाब जल की वर्षा रूक रूककर होती रहती है। जगमोहन इत्र की खुशबू से आच्छादित होता रहता है ।

राधारमण मन्दिर वृन्दावन के सेवायत आचार्य दिनेश चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि मन्दिर में फूल बंगला बनाने में अधिकतर केले के तने के अन्दर के भाग का प्रयोग होता है जिससे जब इस पर प्रकाश पड़ता है तो बंगला चांदी का सा बना मालूम पड़ता है। आम का मौसम शुरू होते ही इस मन्दिर में आम का बंगला बनाने की होड़ सी लग जाती है। बाद में यही आम भक्तों में प्रसाद स्वरूप लुटाये जाते हैं।वर्तमान में मन्दिर में आम के बंगले अधिक संख्या में बन रहे हैं।यहां पर भी बंगले के वातावरण को सुगन्धित किया जाता है।राधा बल्लभ, राधा दामोदर, गोपीनाथ,मदनमोहन, राधा श्यामसुन्दर के बंगले अपनी अलग पहचान बना चुके हैं।

दानघाटी मन्दिर के सेवायत आचार्य पवन कौशिक ने बताया कि इस मन्दिर का गर्भ गृह छोटा होने के कारण फूल बंगले केवल एक मंजिल के ही बनते हैं तथा ठाकुर को अधिक से अधिक शीतलता प्रदान करने के लिए बंगला हरीतिमायुक्त होता है। उन्होंने बताया कि मुकुट मुखारबिन्द मन्दिर में गर्भगृह बड़ा होने के कारण वहां पर तीन मंजिल तक के बंगले बनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि फूल बंगले के समय में राजभोग में कच्ची रसोई और शयन

भोग में पक्की रसोई की व्यवस्था होती है साथ ही विभिन्न प्रकार के शर्बत, आम रबड़ी , गुलकन्द, तथा ऋतु के विभिन्न फलों का भी प्रयोग किया जाता है । भक्त की इच्छा के अनुरूप ठाकुर को गोलगप्पे, दही बड़ा, शिकंजी, भल्ले आदि का भोग भी लगाया जाता है।

गिर्राज जी की बड़ी परिक्रमा में पूंछरी पर स्थित श्रीनाथ जी मन्दिर में फूल बंगला देखते ही बनता है जहां वृन्दावन के मन्दिरों में फूल बंगले कारीगर बनाते हैं वही इस मन्दिर में बंगले का निर्माण स्वयं सेवायत आचार्य करते है तथा यहां का बंगल बनाने में चार से पांच घंटे तक लग जाते हैं ।ठाकुर का ऐसा अनूठा श्रंगार होता है कि भक्त गर्भगृह के सामने से हटने का नाम नही लेता है।

भारत विख्यात द्वारकाधीश मन्दिर में तो ठाकुर जी को शीतलता प्रदान करने के लिए बंगले के साथ प्रायः राजाधिराज नौका विहार करते हैं। कुल मिलाकर ब्रज के मन्दिरों में बननेवाले फूलबंगले भक्तों के लिए चुम्बक का काम करते हैं तथा इन बंगलों में अपने आराध्य के दर्शन करने के लिए भक्त मन्दिरों की ओर खिंचे चले आते हैं ।

मंगलवार के दिन क्यों नहीं कटवाने चाहिए बाल? जानिए इसके पीछे का कारण

सप्ताह के हर एक दिन किसी न किसी ग्रह की पूजा होती है। मंगलवार के दिन मंगल ग्रह की पूजा का विधान है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस दिन का अपना एक खास महत्व है। वहीं, इस दिन को लेकर कई सारे ऐसे नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन बेहद जरूरी है। हालांकि कई बार हम अनजाने में ऐसा करने से चूक जाते हैं, जिसकी भरपाई लंबे समय तक करनी पड़ती है।

ऐसे में आज हम मंगलवार से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को आपके साथ साझा करेंगे, जिसका पालन आपको करना चाहिए।

मंगलवार के दिन बाल और नाखून क्यों नहीं काटने चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंगलवार के दिन बाल और नाखून नहीं काटने चाहिए, क्योंकि यह दिन मंगल ग्रह को समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस दिन बाल कटवाते हैं, उन्हें कर्ज की समस्या का सामना करना पड़ता है।

इसके साथ ही व्यक्ति की आयु कम होती है और कार्यों में बाधा आती है। इसके अलावा मंगल दोष का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में इन चीजों से दूर रहने की कोशिश करें।

मंगलवार के नियम

- मंगलवार के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें।
- इस दिन प्रभु श्रीराम की पूजा करें।
- हनुमान जी के मंदिर दर्शन के लिए जाएं।
- इस दिन तामसिक चीजों का सेवन भूलकर भी न करें।
- इस दिन काले व सफेद रंग के कपड़ों को न पहनें।
- इस दिन तुलसी जी को छूने से बचें।
- इस दिन बड़ों का अपमान न करें।
- इस दिन मीठी चीजों का दान करें।
- इस दिन महिलाओं के साथ गलत व्यवहार न करें।

वृंदावन जाने का बना रहे हैं मन, तो लौटते समय अपने साथ जरूर लाएं ये चीजें

वृंदावन के मंदिरों के दर्शन के लिए देश-विदेश से लोग यहां पहुंचते हैं। वृंदावन में भगवान कृष्ण और राधा रानी के कई मंदिर मौजूद हैं, जिन्हें लेकर अलग-अलग मान्यताएं प्रचलित हैं। ऐसे में यदि आप भी वृंदावन घूमने का मन बना रहे हैं, तो वहां से लौटते समय अपने साथ वृंदावन की ये कुछ चीजें जरूर लाएं। ऐसा करने से आपको भगवान कृष्ण और राधा रानी की कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जरूर लाएं ये चीज

वृंदावन से लौटते समय अपने साथ वृंदावन की मिट्टी अर्थात ब्रज की रज लाना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस मिट्टी को उस स्थान पर रख दें, जहां आप भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं, ऐसा करने से सभी प्रकार के दुख-दर्द दूर होते हैं।

कर सकते हैं ये काम

आप ब्रज से लाई गई इस मिट्टी को एक लाल कपड़े में बांधकर अपने घर की तिजोरी में भी रख सकते हैं, इससे आपको धन लाभ देखने को मिलेगा। साथ ही इस रज से रोजाना तिलक की तरह अपने माथे पर लगाने से भगवान कृष्ण और राधा रानी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

नकारात्मकता होगी दूर

अपनी आप अपने भाग्य में वृद्धि करना चाहते हैं, तो इसके लिए वृंदावन से लौटते समय अपने साथ यमुना का जल लेकर आ सकते हैं। क्योंकि यह माना जाता है कि भगवान कृष्ण ने स्वयं यहां यमुना में कई लीलाएं की हैं। इस जल का छिड़काव अपने पूरे घर में करना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर बनी रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

विंध्यवासिनी देवी के गर्भगृह को दी जा रही है स्वर्णिम आभा

उत्तर प्रदेश के विंध्य क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी मां विंध्यवासिनी देवी के गर्भ गृह को स्वर्णिम आभा दी जा रही है। स्वर्ण मंडप निर्माण के चलते मां के दर्शन के प्रथम द्वार को बंद कर दिया गया है। गृर्भगृह को नवनिमेष में लगभग साढ़े चार करोड़ रुपए का खर्च आ रहा है,जिसे एक भक्त द्वारा कराया जा रहा है।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि भदोही जिले के निवासी तथा मुम्बई के प्रसिद्ध व्यवसायी संजय सिंह ने विंध्याचल मंदिर में मां विंध्यवासिनी देवी के गर्भ गृह में स्वर्ण मंडप लगवाने का प्रस्ताव रखा था।इस कार्य को चुनाव बाद कराने के लिए कहा गया था।उन्होंने बताया कि चुनाव बाद अब मंदिर में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस कार्य में लगभग पांच किलो सोना और पचपन किलो चांदी से मां विंध्यवासिनी देवी के गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित किया जाएगा।यह कार्य 11जून तक पूरा हो जाएगा।

उधर कोरिडोर निर्माण के बाद अब मां विंध्यवासिनी देवी के मंदिर को 76करोड रुपए की लागत से नव निर्माण कराने के लिए धन मुहैया कराया गया है। स्थानीय भाजपा विधायक एवं मंदिर के पुरोहित रत्नाकर मिश्र ने बताया कि मंदिर निर्माण से बाहरी स्वरूप को भव्यता दी जाएगी परंतु गर्भगृह में कोई परिवर्तन नहीं किया जाना है।

गर्भगृह में हो रहे कार्य को देखते हुए मंदिर के प्रथम द्वार से आम यजमानों के लिए दर्शन पूजन के लिए रोक लगा दी गई है। अन्य द्वारों से पूजन दर्शन में कोई रुकावट नहीं है। गर्भगृह की भव्यता से लोग आह्लादित है।

महेश नवमी 2024 की डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व

भगवान शिव को महेश भी कहा जाता है। महेश नाम से ही माहेश्वरी समाज का नामकरण हुआ है, यही वजह है कि हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर महेश नवमी मनाई जाती है।

इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विशेष पूजन करने से सुख, शांति, धन वृद्धि और सौभाग्य में बढ़ोत्तरी का वरदान प्राप्त होता है। विशेषकर माहेश्वरी समाज इस दिन को धूमधाम से मनाता है। आइए जानते हैं महेश नवमी 2024 की डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व।

महेश नवमी 2024 डेट

महेश नवमी 15 जून 2024 को है। महेश नवमी का उत्सव माहेश्वरी समाज में माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिन के रुप में विशाल स्तर पर मनाया जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती को माहेश्वरी समाज का संस्थापक माना जाता है।

महेश नवमी 2024 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 15 जून 2024 प्रात: 12।03 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 16 जून 2024 को प्रात: 02.32 मिनट पर होगा।

सुबह 07.08 - सुबह 08.52

क्यों मनाई जाती है महेश नवमी ?

भगवान महेश और आदिशक्ति माता पार्वती ने ऋषियों के श्राप के कारण पत्थर में परिवर्तित हो चुके 72 क्षत्रियों को शापमुक्त किया और पुनर्जीवन प्रदान करते हुए कहा कि, आज से तुम्हारे वंशपर हमारी छाप रहेगी, तुम माहेश्वरी कहलाओगे। भगवान महेश एवं माता पार्वती के अनुग्रह से उन क्षात्रियों को पुनर्जीवन मिला तथा माहेश्वरी समाज का उद्धव हुआ। शिव जी के भक्त इस दिन महेश वन्दना का गायन करते हैं तथा शिव मन्दिरों में भगवान महेशजी की महाआरती की जाती है।

महेश नवमी पूजा विधि

- महेश नवमी के दिन शिवलिंग और शिव परिवार का पूजन-अभिषेक किया जाता है।
- चंदन, भस्म, पुष्प, गंगा जल, मौसमी फल और बिल्वपत्र चढ़ाकर पूजन किया जाता है।
- डमरू बजाकर भगवान शिव की आराधना की जाती है।
- पीतल का त्रिशूल चढ़ाया जाता है। कथा का श्रवण किया जाता है।

तीसरा बड़ा मंगल आज, धन प्राप्ति के लिए जरूर करें ये तीन उपाय

ज्येष्ठ माह का तीसरा मंगलवार यानि तीसरा बड़ा मंगल 11 जून 2024 को है । बड़ा मंगल को बुढ़वा मंगल भी कहा जाता है। इस दिन बजरंगबली की भक्ति करने वालों को सुख-समृद्धि और संकटों से मुक्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।मान्यता है कि ज्येष्ठ महीने के मंगलवार को ही भगवान राम से उनके दूत हनुमान की मुलाकात हुई थी। बड़ा मंगल के दिन कुछ विशेष उपाय करने वालों की हर मुरादें पूरी होती है। जानें बड़ा मंगल के उपाय।

विजय प्राप्ति – बड़ा मंगल के दिन साधक को व्रत रखकर भगवान हनुमान जी की विशेष पूजा करनी चाहिए। हनुमान जी को चमेली का तेल, सिन्दूर और चोला चढ़ाएं, ऐसा करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। विजय प्राप्ति का वरदान मिलता है।

मांगलिक दोष– बुढ़वा मंगलवार के दिन मिट्टी की चीजों का दान भी बहुत ही शुभ माना जाता है। घड़े, मटके, सुराही आदि का दान कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में मंगल को गर्म ग्रह माना जाता है। ऐसे में ठंडी चीजों का दान करने से मंगल के शुभ प्रभाव का जीवन पर असर होता है। मांगलिक दोष से मुक्ति मिलती है।

बनेंगे बिगड़े काम – हनुमान जी को वीरता और शक्ति का देवता माना जाता है। बड़ा मंगल के दिन बजरंगबली को सुपारी चढ़ाना बेहद शुभ फलदायी होता है। एक पान के पत्ते पर 11 पूजा की सुपारी रखकर बजरंगबली को चढ़ाएं। मान्यता है इससे धन संबंधी परेशानियों से निजात मिलती है। तीसरा बड़ा मंगल के शुभ मुहूर्त : सुबह 08.52 - दोपहर 02.05

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कल्कि 2898 एडी के सामने आया दीपिका पादुकोण का नया लुक

छोटे-बिखरे बाल, बारिश में भीगती हुई दिखीं बेहाल...

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी लंबे सम से चर्चा में है। प्रभास स्टारर इस मूवी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बीते दिनों फिल्म से अमिताभ बच्चन और प्रभास का नया लुक देखने को मिला जो काफी दमदार था।स्टार्स के ये लुक सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और एक्साइटेड हो गए। वहीं अभी फैंस की ये एक्साइटमेंट खत्म भी नहीं हुई थी कि अब हाल ही में मेकर्स ने फिल्म से दीपिका पादुकोण का नया लुक सामने रिविल कर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है।इस लुक में दीपिका पादुकोण छोटे और बिखरे हुए बालों में नजर आ रही हैं। दीपिका किसी खुली जगह पर बारिश में खड़ी एक टक किसी चीज को निहारती हुई दिख रही हैं।दीपिका पादुकोण का यह लुक काफी हैरानी वाला लग रहा है। बारिश में भीगते हुए दीपिका पादुकोण इस नए लुक में काफी खूबसूरत लग रही हैं। दीपिका पादुकोण के ये लुक फैंस को काफी पंसद आ रहा है। फैंस उनके इस पोस्ट पर कॉमेंट कर उके लुक की तारीफ कर फिल्म के लिए अपनी एक्साइटमेंट दिखाते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है- आशा उससे शुरू होती है। बता दें कि कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर कल यानी कि10 जून को रिलीज होगा।बता दें कि कल्कि 2898 एडी फिल्म 27 जून, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी को लेकर कहा जा रहा है कि ये कलयुग के विनाश पर बेस्ड होगी क्योंकि पुराणों के मुताबिक कलयुग में धर्म स्थापना करने के लिए कल्कि नाम का अवतार जन्म लेगा और दुनिया में फैल रहे अधर्म का विनाश करेगा। इस फिल्म की चर्चा काफी समय से हो रही है क्योंकि इसमे साउथ और बॉलीवु के कई दिग्गज स्टार्स नजर आने वाले हैं। जिसमें दीपिका पादुकोण, कमल हासन, प्रभास, दिशा पाटनी के नाम शामिल हैं। फिल्म में जहां अमिताभ बच्चन द्रोण के पुत्र अश्वत्थामा के किरदार में दिखेंगे, तो वहीं प्रभास फिल्म में भैरव की भूमिका निभाएंगे, जिसे कल्कि का बदला हुआ अहंकार माना जाता है। फैंस अब इस फिल्म को देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

बिग बॉस ओटीटी 3 में एंट्री लेंगी नुपूर सेनन? एक्ट्रेस ने खुद बताया सच

बिग बॉस ओटीटी अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस बार अनिल कपूर शो को होस्ट करने वाले हैं। अनिल कपूर का ये शो 21 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर शुरू हो रहा है। बिग बॉस ओटीटी 3 को आप 247 देख सकते हैं। वहीं इस बार शो में जाने के लिए काफी सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। ऐसी खबरें आई थीं कि कृति सेनन की बहन नुपुर रियलिटी शो में एंट्री करती नजर आएंगी।हालांकि, अब नूपुर ने खुद ही इन अफवाहों पर रिएक्ट किया है।

उन्होंने कहा कि, ये महज अफवाहें है और उन्हें ये भी नहीं पता कि इस सब की शुरुआत कहां से हुई। नूपुर ने कहा कि उन्होंने कुछ आर्टिकल पढ़े हैं जिनमें कहा गया है कि उनसे पिछले सीजन के लिए भी संपर्क किया गया था और उन्होंने पहले कभी अपने बारे में ऐसी अफवाह भी नहीं सुनी थी।नूपुर से जब पूछा गया कि क्या वह रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में सोच रही हैं तो उन्होंने कहा कि, उन्हें नहीं लगता कि उनके पास इन सबके लिए समय है। इस शो में अगर चली गई तो मेरे सारे टेलर और मास्टर जी जब मुझे काम पर लंबे समय तक नहीं देखेंगे तो रोने लग जाएंगे। वहीं कृति ने भी कहा कि उनकी बहन नुपुर के रियलिटी शो में हिस्सा लेने की अफवाह उन तक भी नहीं पहुंची है। लेकिन अगर ये अफवाह हमारी बिग बॉस यानी उनकी मां गीता सेनन तक चली गई तो वो भी इसके लिए कभी हामी नहीं भरेंगी। वहीं इस शो को लेकर अनिल कपूर भी काफी एक्साइटेड है।

उन्होंने अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा था कि, बिग बॉस ओटीटी और मैं एक ड्रीम टीम हैं। हम दोनों दिल से जवान हैं, लोग अक्सर कहते हैं मजाक में कि मैं रिवर्स एजिंग हूं, लेकिन बिग बॉस में ये खूबी है। ऐसा महसूस होता है जैसे स्कूल वापस जाना, कुछ नया और मजेदार ट्राई करना। मैं बिग बॉस में उसी एनर्जी को 10 गुना ज्यादा लाने जा रहा हूं। मैं इसमें अपना स्वाद लाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

इंटरनेट पर छाया काजल अग्रवाल का बॉसी लुक

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल आए दिन अपनी अदाओं से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपनी सुपरबोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस को हैरान कर देती हैं। अब हाल ही में काजल अग्रवाल ने अपने लेटेस्ट आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं जिसमें वो बेहद हॉट नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस काजल अग्रवाल सोशल मीडिया लवर हैं। वो आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

काजल अग्रवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स को देखकर दीवाना हो जाते हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों में भी उनका सिजलिंग अवतार देख फैंस मदहोश हो गए हैं।एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इस फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।

बालों को बांधते हुए, लाइट मेकअप कर के और न्यूड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हुए नहीं थकते हैं।काजल अग्रवाल का फैशन स्टेटमेंट हमेशा ही ऑन प्वॉइंट रहता है। उनकी सिजलिंग अदाएं देखकर अक्सर फैंस अक्सर अपना दिल हार जाते हैं।

गोविंदा ने लॉन्च किया अपना ओटीटी फिल्मी लट्टू

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा अपने जबरदस्त डांस के लिए पहचाने जाते हैं। फिल्मों में भी गोविंदा ने कमाल किया है और वो हर किसी के फेवरेट एक्टर रहे हैं। गोविंदा ने अपना एक ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है जिसका हिंट वो कई दिनों से दे रहे थे। गोविंदा ने बताया है कि उनके ओटीटी पर सब्सक्रिप्शन का प्लान क्या है?एक्टर गोविंदा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें बताया है कि उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च हो गया है। डाउनलोड करके फिल्में देखी जा सकती हैं। इसकी पूरी डिटेल्स गोविंदा ने डिटेल में दी है।गोविंदा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें ओटीटी के बारे में जानकारी दी है। गोविंदा ने लिखा, प्रस्तुत कर रहा हूं मेरा ओटीटी ऐप फिल्म लट्टू। अभी डाउनलोड करें और देखिए मेरी फिल्म आ गया हीरो।इस वीडियो में गोविंदा की फिल्म आ गया हीरो का टीजर शेयर किया गया है। वीडियो में दिखाया गया कि एंटरटेनमेंट का नंबर 1 ऐप जिसपर 149 रुपये पहले साल के लिए सब्सक्रिप्शन लिया जा सकता है। इस ऐप को आप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं और एप्पल स्टोर पर भी डाउनलोड किया जा सकता है।

बता दें, इस एप्लीकेशन पर आपको वेब सीरीज, गोविंदा के एक्सक्लूसिव इंटरव्यू और पर्दे के पीछे के फुटेज जैसी कई चीजें देखने को मिलेंगी। एंटरटेनमेंट के इस ऐप पर आपको बहुत कुछ मिलने वाला है और इसके बारे में गोविंदा ने ही बताया है। अब इसमें क्या-क्या आपको मिलेगा ये आप जब इस ऐप को डाउनलोड करेंगे तब पता चलेगा।गोविंदा ने साल 1986 में आई फिल्म इल्जाम से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने लव 86, हत्या, राजा बाबू, शोला और शबनम, कूली नंबर 1, हीरो नंबर 1, आंटी नंबर 1, दुल्हे राजा, भागम भाग, स्वर्ग, खुद्दार, आग, हम, बनारसी बाबू जैसी बैक टू बैक सुपरहिट फिल्में दी हैं।

चंदू चैंपियन की एडवांस बुकिंग शुरू, बुर्ज खलीफा से कार्तिक आर्यन ने किया ऐलान

काफी समय से कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन का इंतजार हो रहा था। अब फिल्म कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है और उससे पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। साजिद नाडियावाला ने फिल्म चंदू चैंपियन की एडवांस बुकिग का ऐलान बुर्ज खलीफा से करने के लिए उसे बुक करवा लिया था। एक्टर कार्तिक आर्यन, डायरेक्टर कबीर खान और प्रोड्यूसर साजिद नाडियावाला दुबई में स्थित बुर्ज खलीफा से फिल्म के एडवांस बुकिंग का ऐलान किया है।फिल्म चंदूं चैंपियन का ट्रेलर कार्तिक के होमटाउन ग्वालियर में किया गया था। मेकर्स फिल्म के हर मोमेंट को खास बनाने के लिए काफी खर्चा कर रहे हैं। अब फिल्म अपने बजट के अलावा ये सभी खर्चे निकालते हुए सुपरहिट हो जाए, ऐसी ही उम्मीद मेकर्स को है। साजिद नाडियावाला की प्रोडक्शन कंपनी नाडियावालाग्रैंडसन के इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया गया है। इसके कैप्शन में लिखा गया, बुर्ज खलीफा से फिल्म की एडवांस बुकिंग को लेकर हमारा कैंपियन ऐसा है। एडवांस बुकिंग खुल गई है, अपनी टिकट अभी बुक करो। फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को थिएटर्स में रिलीज होगी।बुर्ज खलीफा पर हर किसी का ट्रेलर या कुछ रिलीज नहीं किया जाता है। कार्तिक के अलावा बुर्ज खलीफा पर जिसकी फिल्मों का सबसे ज्यादा ट्रेलर आया वो शाहरुख खान हैं। कार्तिक आर्यन अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के लिए काफी एक्साइटेड हैं और इन दिनों इसके प्रमोशन में काफी बिजी भी हैं। कार्तिक ने अपनी इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है।बता दें, कार्तिक आर्यन फिल्म चंदू चैंपियन के दौरान बता रहे हैं कि उन्होंने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है। वो मेहनत आप फिल्म के ट्रेलर में देख सकते हैं क्योंकि कार्तिक ने अपनी बॉडी पर काम किया है।अगर आपको भी फिल्म चंदू चैंपियन का इंतजार है तो फटाफट ऑनलाइन बुकिंग साइट पर जाकर फिल्म की टिकट बुक कर सकते हैं। फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल में नजर आएंगे इनके अलावा राजपाल यादव, विजय राज और पलक लालवानी जैसे कलाकार नजर आएंगे।

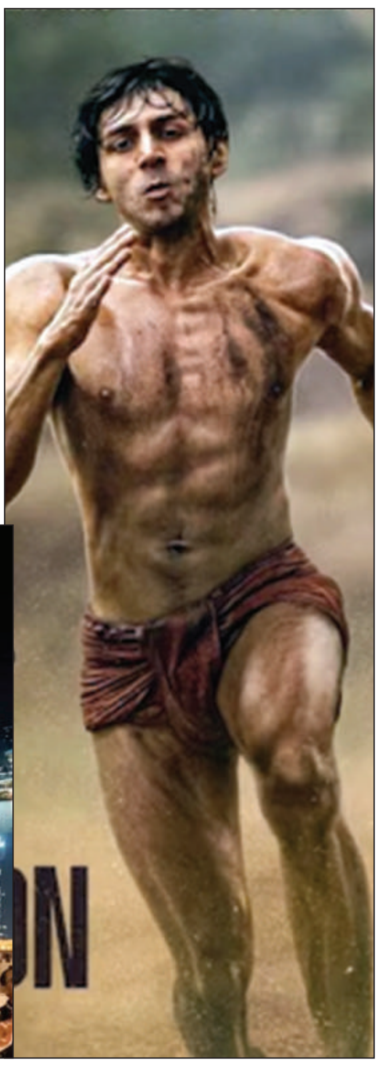

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिला झुला रहेगा। कुछ कामों में रुकावटें आएंगी कुछ काम भी बनेंगे. मेहनत ज्यादा हो सकती है. जॉब बदलाव के योग बनेंगें , लेकिन सोच-समझकर फैसला लें. किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है. सेहत को लेकर सावधान रहें. आज कुछ नयी वस्तु खरीदारी के लिए बाजार जा सकते हैं पैसे सेविंग के लिए किसी ऐक्सपर्ट से सलाहमशवरा हो सकती हैं . निवेश या खर्चे को लेकर भी बातचीत हो सकती है. बच्चों का व्यवहार अच्छा रहेगा. दाम्पत्य जीवन मे मधुरता रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

काफी समय से चल रही महनत आज रंग लाएगी नये कारखाने की नींव आप के हाथों से रखी जाएगी समझौते के रास्ते पर भविष्य में अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते है. सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है. आपको योग्य लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं. पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा.आपको अपनी जीवन-शैली में सुधार करना चाहिए भविष्य मे संतुष्टि होगी .आप और आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य शुभ रहेगा. चिन्ता को छोड दें मुसकुराते रहें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप की अव्यवस्थित दिनचर्या और सुस्त और आलसी रवैया आप को सेहत संबंधी समस्या बना सकता हैं. आज दिनभर आप किसी न किसी मीटिंग में व्यस्त रहेंगे .आपके सुझावों को महत्व मिलेगा. और लाभकारी भी रहेंगे । आपके परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. कोई कोर्ट न्यायालय सम्बन्धित वाद-विवाद में आपकी विजय होगी. जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करेंगे.भगवान शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज यात्रा का योग बन सकता हैं गुड धनिया का सेवन करके ही यात्रा पर प्रस्थान करें इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है. किसी काम की गति धीमी हो सकती है. इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है. परन्तु कार्य पूरे जरूर होंगे जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं. दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है. किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए.. छोटे बच्चे को पार्क मे घूमने लेकर जाए खुशी का संचार होगा। कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सरकारी कामकाज मे दिक्कतें आ सकती हैं कोई पुरानी फाईल के काम मे अधिकारि आप का सहयोग नही करेंगे और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा. ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है. बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें. जल्दबाजी न करें. अकेलेपन से बचें. अधूरे काम पहले निपटाले में आज मिलने वाले पैसों को आने वाले समय के लिए बचा कर रखें.दाम्पत्य जीवन को अगर सुखी बनाना हो तो संयम बहुत जरूरी हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

काफी समय से चालू व्यापरिक गतिविधियों को मूर्त रुप देने का सही समय हैं पुश्तैनी जमीन जायदाद का झगडा सुलझ सकता हैं छात्रों को सफलता मिलेगी आर्थिक रूप से दिन समृद्ध है. आज आपकी मेहनत का फल आपको लाभ मिलेगा. आपका पारिवारिक-जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. रिश्तेदारों के साथ संबंध में काफी सुधार होगा. आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी राजनीति सफर भी सुखद रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का चोला चढाए मनोकामना सिद्ध होंगी आपकी चिंता कम होगी और उसके कारण आपका मन खुश रहेगा. व्यावसायिक बाधाएं आएंगी. व्यापार मे प्रतिस्पर्धा बढेगी विवादो से दूर रहें आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा. हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें. आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं.पारिवारिक बातों को सोचकर ज्यादा संवेदनशील होने की आवश्यकता नही हैं यात्रा पर जाना चाहते हैं तो यात्रा फायदेमंद रहेगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप का स्वतंत्र व्यापार हैं , तो सोच विचार कर के ही निर्णय करें क्योंकि मुसीबतें आप का ही इन्तजार कर रही हैं नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है. कानूनी मामले उलझ सकते हैं।

फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं. स्थान में बदलाव संबंधी कोई बात हो सकती है. कामकाज के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है अगर आप अविवाहित है तो विवाह सम्बन्ध के योग बनेंगे. सेहत के मामले में रिस्क नही लेना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज पारिवारिक दृष्टि से और दाम्पत्य जीवन मे भी चीजें आप के प्रतिकूल होंगी परन्तु मित्रों और व्यापारिक प्रेम संबंध यथावत रहेंगे. समर्पित परिश्रम से आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं. यदि आप अपना दृष्टिकोण बदल सकते हैं और ईमानदारी से काम कर सकते हैं तो. आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है.योग और व्यायाम करें स्वास्थ्य ठीक रहेगा मौसमी बिमारियों से बचें रहेंगे अपने कार्यों मे गौ सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई-मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज काफी समय के बाद खुशी होने का मौका हैं आपका दिन बढ़िया रहेगा. आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है. नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं. आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है. आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा. दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढ़ना होगा . स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिल सकता है. आप को अपने दैनिक पूजा पाठ मे हनुमान चालीसा का अनुष्ठान करना चाहिए पदोन्नति और सफलता मिलती रहेगी।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 11 जून 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 05:29 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 11:39 तक
योग : व्याघात सायं 04:46 तक
करण : बालव सायं 05:29 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 11:39 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30

लाभ : 10:30 से 12:00

अमृत : 12:00 से 01:30

राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30

दिशाशूल : उत्तर दिशा

उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें

दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , सांई टेऊराम पुण्यतिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

खतरनाक गैस का रिसाव बढ़ा रहा राजस्थान का तापमान

राजस्थान,10 जून (एजेंसियां)।

चिड़ावा में कचरे के ढेर से मीथेन गैस बहुत ज्यादा निकल रही है। इसका सीधा असर हमारे मौसम पर पड़ रहा है। तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से पिछले दिनों किए गए एक अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है।

राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर और चिड़ावा में कचरे के ढेर से मीथेन गैस बहुत ज्यादा निकल रही है। इसका सीधा असर हमारे मौसम पर पड़ रहा है। तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (खडठज) की ओर से पिछले दिनों किए गए एक अध्ययन में इसका खुलासा हुआ। अध्ययन में बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर और चिड़ावा के लैंडफिल स्थल देश के शीर्ष 22 मीथेन हॉटस्पॉट में पाए गए। इनमें बाड़मेर चौथे, जैसलमेर छठे, तारानगर आठवें और चिड़ावा ग्यारहवें नंबर पर है।

शोधकर्ताओं ने ठोस अपशिष्ट लैंडफिल साइटों, डंपिंग यार्ड, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, वेटलैंड्स, तेल और गैस क्षेत्रों, तेल रिफाइनरियों और कपड़ा उद्योगों से निकलने वाले अलग-अलग मीथेन प्लम की पहचान की। इसमें मीथेन बढ़ने का मुख्य कारण कचरे का सही से निस्तारण नहीं होना माना गया।

इसरो के अध्ययन में ये हैं बड़े उत्सर्जक

अध्ययन में बाड़मेर में एक साइट (ओ एंड जी एबीएच फेसिलिटी, बंदा तलवार) को सबसे बड़ा उत्सर्जक बताया गया है, जो प्रति घंटे 1476 किलोग्राम मीथेन उत्सर्जित करता है। इसी तरह जैसलमेर में (ओ एंड जी, जीजीएस) 932 किलोग्राम/घंटा मीथेन उत्सर्जित पाया गया। तारानगर में (एसडब्ल्यू भूतिया) 589 किलोग्राम/घंटा और चिड़ावा में (एसडब्ल्यू डंप) 589 किलोग्राम/घंटा मीथेन उत्सर्जित करता है।

कचरे का सही निस्तारण नहीं

शोधकर्ताओं ने ठोस अपशिष्ट लैंडफिल साइटों, डंपिंग यार्ड, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, वेटलैंड्स, तेल और गैस क्षेत्रों, तेल रिफाइनरियों और कपड़ा उद्योगों से निकलने वाले अलग-अलग मीथेन प्लम की पहचान की। इसमें मीथेन बढ़ने का मुख्य कारण कचरे का सही से निस्तारण नहीं होना माना गया। दरअसल मीथेन गैस वातावरण को गर्म करती है। इससे ग्लोबल वार्मिंग होती है और तापमान बढ़ता है।

साइटों पर जाकर अध्ययन करेंगी टीमें

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेटवाल ने बताया कि इसरो की रिपोर्ट सामने आने के बाद विभिन्न सरकारी विभागों की टीमें इन जगहों पर जाकर अध्ययन करेंगी और समस्या का हल ढूंढेंगी। राजस्थान के चार शहर मीथेन के हॉट स्पॉट मिले हैं। इसके अध्ययन के लिए टीमें संबंधित जगहों पर जाएंगी। टीम के आने से पहले संबंधित नगर पालिका के ईओज के साथ मीटिंग कर जानकारी ली जाएगी।

झुंझुनू ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार मीथेन गैस

मीथेन शक्तिशाली गैस है। इसकी ग्लोबल वार्मिंग क्षमता कार्बन डाइऑक्साइड से 28 गुना ज्यादा है जो हमारे ग्रह के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा है। इसे देखते हुए मीथेन के हॉट स्पॉट का अध्ययन किया जाएगा।

मां-बेटी संबंध बनाने के लिए बनाती थीं दबाव

परेशान होकर ऑटो चालक ने दे दी जान

दौसा,10 जून (एजेंसियां)।

दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना इलाके में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि अंतेश शर्मा नांदरी गांव का रहने वाला था। उसने मरने से पहले एक सुसाइड नोट में उसने जान देने के कारण का जिक्र किया। उसमें लिखा है कि उसे दो महिलाएं परेशान करती हैं, जो रिश्ते में मां बेटी हैं। ये दोनों संबंध बनाने का दबाव बनाती थीं और उसके मना करने पर उसे फंसाने की धमकी दे रही थीं।

मेहंदीपुर बालाजी थाना अधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि बालाजी की एक धर्मशाला में किसी व्यक्ति के सुसाइड की सूचना मिली थी। युवक ने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नीचे उतारा गया तो उसकी जेब में सुसाइड नोट मिला। उसमें दो महिलाओं पर उसको परेशान करने का जिक्र था। उधर, दौसा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश अग्रवाल ने बताया कि मृतक अंतेश शर्मा जिसकी उम्र 30 साल थी उसने फंदा लगाकर जान दी है। अंतेश के पास एक सुसाइड नोट मिला है, उसमें लिखा है कि दो महिलाएं उसे लगातार उनसे संबंध बनाने के लिए परेशान कर रही थीं। उधर, अंतेश उन दोनों महिलाओं के पास जाना नहीं चाहता था। बताया तो ये भी जा रहा है कि दोनों महिलाएं आपस में मां-बेटी हैं। अंतेश ऑटो चलाने का काम करता था। उस पर ये दोनों मां बेटी संबंध बनाने का लगातार दबाव बना रही थी।

चुनावो के कारण कैनल का पानी गावों तक पहुंचाने का काम रुका

झुंझुनू,10 जून (एजेंसियां)।

पानी पहुंचाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में दोनों ही बड़े दलों के नेताओं की बयानबाजी तो काफी रही। पानी पहुंचाने में नाकाम ही साबित हुए। दोनों विधानसभा क्षेत्र के गांवों में पानी पहुंचाने के लिए योजना भी बनाई गई, लेकिन ये सिरे नहीं चढ़ पाई।

पेयजल संकट से जूझ रहे जिले के सभी गांवों के घरों में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के तहत कुंभाराम लिट कैनाल के तहत पानी पहुंचाने का काम धीमी गति से चल रहा। पहले विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा चुनावों की वजह से काम अटक गया। इसका नतीजा ये रहा कि जिले के मंडावा और झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र के महज 70 गांवों में ही कुंभाराम लिट कैनाल का पानी पहुंचा है, जबकि दोनों ही विधानसभा क्षेत्र के काफी गांवों में अभी पानी पहुंचाना बाकी है।

पेयजल संकट से जूझ रहे कई गांव

पुराने प्रोजेक्ट के तहत जिले 70 गांवों में ही पानी पहुंचा है। इसके तहत 255 गांवों में पानी पहुंचाया जाएगा। इस कार्य को 31 जुलाई 2024 तक पूरा करने के दावे किए जा रहे हैं। आचार संहिता के हट गई है, तो अब इनमें काम शुरू किया जाएगा। झुंझुनू जिले के गांवों को पानी पहुंचाने का ये प्रोजेक्ट आज भी रेंग रहा। इसकी शुरुआत में केवल खेतड़ी (अब नीमकाथाना में) के गांव-ढाणियों को पानी पहुंचाने का कार्य किया। इसके बाद मंडावा और झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र के गांवों में पानी पहुंचाया गया। हालांकि दोनों विधानसभा क्षेत्रों के अब भी दर्जनों गांव पानी से वंचित हैं। नवलगढ़, चिड़ावा, पिलानी, सूरजगढ़, उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को आज भी पानी नहीं मिला है। उक्त विधानसभा क्षेत्र के लोगों को पानी के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। सूरजगढ़ और उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्रों में पानी पहुंचाने के मामले पर शुरू से ही संशय बरकरार है। पानी पहुंचाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में दोनों ही बड़े दलों के नेताओं की बयानबाजी तो काफी रही, लेकिन पानी पहुंचाने में नाकाम ही साबित हुए।

बाइक से टकराकर सड़क किनारे पेड़ पर जा चढ़ी कार

हादसे का केंद्र बनी बगड़-चिड़ावा रोड

झुंझुनू,10 जून (एजेंसियां)।

झुंझुनू में अग्रसेन सर्कल से आगे बगड़-चिड़ावा रोड पर शनिवार को एक कार सड़क पार कर रही बाइक से टकराकर सड़क किनारे खड़े पेड़ पर जा चढ़ी। हादसे में बाइक सवार के सिर में चोट आई है, उसका बीडीके अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे बगड़ की तरफ से एक कार तेज गति से आ रही थी, जो कि उसी समय सड़क पार कर रही बाइक से टकरा गई।

कार के चालक ने बाइक सवार को बचाने के लिए स्पीड में ही कार को ब्रेक लगा दिए, इससे कार असंतुलित होकर बाइक से टकराई और सड़क किनारे खड़े एक पेड़ पर चढ़ गई। कार चिड़ावा निवासी कर्मवीर चला रहा था। उसके हाथ में चोट आई है। बाइक सवार पूरणमल पुत्र पोकरमल के सिर में भी चोट आई है।

हादसों का स्पॉट बना बीड़ क्षेत्र

शहर के अग्रसेन सर्कल से निकलते ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू होने से लेकर बगड़ तक झुंझुनू-चिड़ावा-दिल्ली रोड हादसों का स्पॉट बना हुआ है। बीड़ में कई घुमाव होने की वजह से आमने-सामने आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते और सड़क के दोनों तरफ फुटपाथ पर जगह कम होने की वजह से यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं।

कोटा पुलिस पर हुए हमले में जिला प्रशासन ने उठाया कड़ा कदम

आरोपी के ठिकानों पर चलाया बुलडोजर

बूंदी,10 जून (एजेंसियां)।

बूंदी जिले में कोटा पुलिस पर हुए हमले के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। प्रशासन ने बदमाश की कमर तोड़ने के लिए उसके ठिकानों पर बुलडोजर चलाकर बासनी गांव के मोस्ट वांटेड रामराज की संपत्ति को ध्वस्त कर दिया।

जानकारी के अनुसार एसडीएम विनोद कुमार, डीएसपी घनश्याम मीना, हिंडोली सीआई पवन कुमार भारी पुलिस बल के साथ बासनी गांव पहुंचे और बुलडोजर चलाकर संपति को कब्जे में ले लिया। आरोपी रामराज ने राजस्व और फॉरेस्ट की करोड़ों रुपए की बेशकीमती भूमि पर कब्जा किया हुआ था और जब पुलिस पर हमला किया गया तब वह यहीं छुपा हुआ था। पुलिस के अनुसार से हार्डकोर अपराधी पर हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, चोरी सहित सरकारी भूमि, वन विभाग की भूमि पर कब्जा करने व अवैध खनन सहित कई मामले दर्ज हैं। बता दें कि कोटा पुलिस की टीम 23 मई को बासनी के जंगल में रह रहे अपराधी रामराज मीणा को गिरफ्तार करने आई थी। इस दौरान उनके साथ हिंडोली थाने का जाप्ता भी मौजूद था। आरोपी और उसके परिवार के लोगों ने पुलिस को आते हुए देखा तो पत्थरों की बौछार कर दी। कुछ लोग हथियार लेकर आए और पुलिसकर्मियों पर वार करने लगे। इन्ही में से किसी एक ने बंदूक से फायर कर दिया, जिससे हिंडोली पुलिस का कांस्टेबल नरपत सिंह घायल हो गया। आरोपी के खिलाफ दस संगीन मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

संबंध बनाने से मना करने पर प्रेमी ने किया एसिड अटैक

अलवर,10 जून (एजेंसियां)।

कठूमर में एक प्रेमी ने घर में सो रही युवती पर एसिड अटैक कर दिया। युवक पीड़िता से संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। युवती ने मना किया तो उसने युवती पर तेजाब फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों ने तुरंत पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे अलवर रैफर किया गया है। मामले में पीड़िता ने कहा कि वह 4 साल से युवक से फोन पर बात कर रही थी। युवक उससे संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था, जब पीड़िता ने मना कर दिया तो वो उसके साथ गाली-गलौच करने लगा और मौका पाकर उसने उस पर एसिड अटैक कर दिया।

रेवाड़ी से चलने वाली 18 स्पेशल ट्रेनों को किया गया नियमित

नारनौल,10 जून (एजेंसियां)।

रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों को अब नियमित ट्रेनों के रूप में चलाने का फैसला लिया है। इस फैसले से रेवाड़ी, रोहतक, भिवानी, जींद, हिसार सहित अन्य स्टेशनों से आवागमन करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

रेलवे विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 46 स्पेशल रेल सेवाओं को अब 1 जुलाई से नियमित गाड़ी संख्या से संचालित किया जा रहा है। इन 46 ट्रेनों को नियमित करने से लाखों यात्रियों को दिल्ली सहित प्रदेश के एक जिले से दूसरे जिले में जाने में आसानी होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार 46 स्पेशल रेलसेवाएं अब नियमित गाड़ी संख्या से संचालित होगी।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार बीएसएफ जवान और दादी की मौत

फतेहाबाद,10 जून (एजेंसियां)।

फतेहाबाद के गांव भूथनकलां और झलनिया के बीच सोमवार दोपहर को गाड़ी पेड़ से जा टकराई। कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और कार चला रहे बीएसएफ के जवान और उसकी दादी की मौत हो गई। गाड़ी में लिफ्ट लेकर सवार हुए व्यक्ति को गंभीर हालत में हिसार रेफर किया गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल फतेहाबाद लाया गया है।

भूथन कलां निवासी 31 वर्षीय सोनू बीएसएफ में तैनात है और उसकी ड्यूटी जम्मू कश्मीर के उरी में थी। 18 मई को वह छुट्टी लेकर गांव आया हुआ था। सोमवार दोपहर वह कार में सवार होकर अपनी दादी के साथ फतेहाबाद के अस्पताल में दाखिल चाची को खाना देने आ रहा था। रास्ते में गांव के ही रामचंद्र ने भी कार में लिफ्ट ले ली।बताया जा रहा है कि जैसे ही वे गांव झलनिया के पास पहुंचे तो कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों द्वारा

एंबुलेंस को सूचना दी गई, जिसके बाद तीनों को फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने बीएसएफ जवान व उसकी दादी को मृत घोषित कर दिया, जबकि रामचंद्र को गंभीर हालत में हिसार रेफर कर दिया। घटना के बाद सदर थाना पुलिस अस्पताल में पहुंची और परिजनों के बयान दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की है।

पुरानी रंजिश में गांव गदराना में हत्या

हथियारबंद लोगों ने की वारदात, गांव में तनाव

सिरसा,10 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के सिरसा में कालांवाली थाना क्षेत्र के गांव गदराना में सोमवार सुबह साढ़े छह बजे 10 से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद गांव में भारी तनाव बना हुआ है। मौके पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल सिरसा पहुंचाया गया है। जहां पर पुलिस बल सुरक्षा को देखते हुए तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार गांव गदराना में दो पक्षों के बीच काफी समय से आपसी रंजिश चल रही है। इसी रंजिश के चलते पहले भी मर्डर की वारदात हो चुकी है। बताया जा रहा है कि 28 वर्षीय देवेंद्र उर्फ गग्गू अपने घर के बाहर कुत्ते को घूमा रहा था। सुबह लगभग साढ़े 6 बजे आधा दर्जन लोग वहां पहुंचे, जोकि हाथों में तेजधार हथियार लिए हुए थे।

वह अपने साथ असलाह भी लिए हुए थे। हमलावरों ने आने के साथ ही गग्गू पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। हालांकि इस दौरान फायरिंग की बात सामने आई है। युवक के चीखने-चिल्लाने व फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। जब तक आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचते, तब तक हमलावर मौके से घटना को अंजाम देकर फरार हो चुके थे। आसपास के लोगों व परिवारजनों ने गग्गू को उपचार के लिए कालांवाली के अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स को मौके पर तैनात किया गया। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। बताया जाता कि मृतक पर लड़ाई-झगड़े के आधा दर्जन मामलें दर्ज हैं। जबकि हमलावरों पर भी अनेक मामले पहले से ही दर्ज हैं। दो गुटों में रंजिश की वजह से पहले भी मर्डर हो चुके हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अगले पांच दिनों तक औसत बारिश रहेगी जारी

तटीय, पर्वतीय और उत्तरी कर्नाटक में भारी बारिश का अनुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चक्रवात मेलाई के कारण, दक्षिण-पश्चिम मानसून मजबूत है और तटीय, पहाड़ी और उत्तरी कर्नाटक भागों में उग्र है। उत्तर कन्नड़, बेलगावी, उडुपी, शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, बीजापुर समेत उत्तरी कर्नाटक के कई जिलों में व्यापक भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण नाले और नदियां उफान पर हैं। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक औसत बारिश जारी रहेगी। तटीय, पर्वतीय नाडु और उत्तर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। रविवार को भी कई जिलों में भारी बारिश हुई और झील में पानी आ गया। पिछले तीन-चार दिनों से हो रही भारी बारिश को देखते हुए मौसम

विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम और रात में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 15 जून तक मानसून मजबूत रहेगा और राज्य के अधिकांश जिलों में व्यापक या अर्ध-व्यापक बारिश होगी। कोडागु समेत पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के कारण तुंगभद्रा, कावेरी, घटप्रभा समेत प्रमुख नदियों का प्रवाह बढ़ रहा है। केरल में भी अच्छी बारिश के कारण कावेरी नदी बेसिन जिलों में भी जलस्तर बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर इस बार मानसून शुरू से ही उग्र है। लेकिन पिछले साल की शुरुआत में ऐसा अंधेरा छाया रहा कि मानसून आया ही नहीं। इस बार मानसून सीजन से पहले ही शुरू हो गया है और शुरुआत से ही अच्छी बारिश हो रही है जिससे किसानों को मानसून सीजन की बुआई की तैयारी में आसानी हो रही है। साथ ही झीलों और नदियों से आने वाला पानी भी राहत देने वाला है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक इस बार सामान्य मात्रा में बारिश होगी। इसके अलावा पिछले 2 सप्ताह से प्रदेश भर में अच्छी बारिश हो रही है।

नवजात शिशु की बिक्री के आरोप में डॉक्टर समेत पांच गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक अविवाहित मां से कथित तौर पर जन्मे शिशु को बेचने और खरीदने के आरोप में बेलगावी पुलिस ने एक डॉक्टर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बैलहोंगल की महादेवी उर्फ प्रियंका बाहुबली जैन, सौंदत्ती के पास हंचिनाल गांव के चिकित्सक अब्दुलगफर हुसैनसाब लाडखान, बैलहोंगल के पास शिगीहाली गांव के चंदन सूबेदार, बैलहोंगल के पास संपागांव गांव के पवित्र सोमप्पा मदीवालर और धारवाड़ के प्रवीण मंजूनाथ मदीवालर को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जिला बाल संरक्षण प्रकोष्ठ के सरकारी दत्तक ग्रहण केंद्र के समन्वयक राजकुमार निंगप्पा राठौड़ की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक महीने की बच्ची की बिक्री की जांच की। उन्हें पता चला कि डॉ. लाडखान ने बच्ची को 60,000 रुपये में

जैन को बेचा था। इसके बाद, जैन ने बच्ची को बेचने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों की एक टीम ने गुप्त रूप से जाकर उससे संपर्क किया। उन्होंने उसे आश्वस्त किया कि वे बच्ची को 1.4 लाख रुपये में खरीद लेंगे। जब वह बच्ची के साथ बेलगावी में आपसी सहमति से तय की गई जगह पर पहुंची तो उन्होंने उसे गिरफ्तार कर लिया। बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आगे की जांच में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस उपायुक्त (अपराध) पी.वी. स्नेहा ने कहा यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या यह लेनदेन किसी रैकेट का हिस्सा था। मालमारुति पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। जांच दल का नेतृत्व उपायुक्त रोहन जगदीश और स्नेहा ने किया और इसमें इंस्पेक्टर जे.एम. कालीमिर्ची, रामनगौड़ा संकनाला, के.बी. गौरानी और जैस्मीन मुल्ला शामिल थे।

क्रिकेट मैच के दौरान बढ़ा विवाद दोस्त ने दोस्त की ले ली जान

पटना (एजेंसियां)।
नवादा में दोस्त ने दोस्त की हत्या कर दी। घटना नगर थाना क्षेत्र के कुरमा गांव की है। मृतक बच्चे की पहचान पप्पू चौधरी के पुत्र राहुल कुमार (12) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि क्रिकेट खेलने के दौरान बढ़े विवाद में यह घटना हुई है।

मृतक के पिता पप्पू चौधरी ने बताया कि कुरमा गांव में घर के पास ही कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। क्रिकेट खेलने के दौरान मेरे पुत्र राहुल कुमार और पिंटू चौधरी के पुत्र रौशन कुमार में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते दोनों बच्चे एक दूसरे को गाली देने लगे।

इसी बीच रौशन कुमार के दादा सुरेश चौधरी वहां पहुंच गए और सुरेश चौधरी ने राहुल का हाथ पकड़ लिया और उनके पोता रौशन कुमार ने राहुल के सिर पर ईट से सर पर वार कर दिया। सर पर चोट लगते ही वह वही गिर गया। राहुल के जमीन पर गिरते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। स्थानीय लोगों ने राहुल कुमार को आननफानन में नवादा सदर अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पिता पप्पू चौधरी ने बताया कि पुरानी रंजिश को क्रिकेट के बहाने लाकर मेरे पुत्र की हत्या की गई है।

घटना के संबंध में सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार यादव का कहना है कि परिजनों के द्वारा आवेदन दिया गया है। प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

बच्चों के विवाद में घटना हुई है। घटना के बाद पुलिस द्वारा छापेमारी की गई है लेकिन सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया हैं। मृतक के परिजनों ने बूंदी चौधरी के पुत्र सुरेश चौधरी और पिंटू चौधरी के पुत्र रौशन कुमार (15) को आरोपित किया है।

नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार में बिहार के आठ सांसद बने मंत्री

पटना (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की नई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में बिहार के कुल आठ सांसदों को मंत्रीपद की शपथ दिलाई गई। इनमें छह लोकसभा के सांसद हैं, जबकि दो राज्यसभा सांसद हैं। आठ मंत्रियों में चार भारतीय जनता पार्टी, दो जनता दल यूनाईटेड, एक लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और एक हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के सांसद हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र में सरकार बनाने के लिए बधाई दी। वह जदयू कोटे के मंत्रियों के साथ राज्यसभा सांसद संजय झा सहित शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंचे थे।

पिछली बार बिहार की 40 में से 39 सीटें जीतने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को इस बार 30 सीटों से संतोष करना पड़ा। इसमें भाजपा और जदयू के 12-12 सांसद चुने गए। भाजपा से पिछली सरकार में भी तीन मंत्री बने थे। इस बार चार मंत्री बनाए

गए हैं- बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह, उजियारपुर सांसद नित्यानंद राय, मुजफ्फरपुर सांसद राजभूषण चौधरी और राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे।

जदयू से मुंगेर सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को केंद्र में मंत्रीपद की शपथ दिलाई गई। चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) के सभी पांच प्रत्याशी सांसद चुने गए। चिराग को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्रीपद की शपथ दिलााई गई। हम (सेक्युलर) को लड़ने के लिए एनडीए में एक ही सीट मिली थी और पार्टी प्रमुख जीतन राम मांझी गया से सांसद बनने के बाद अब केंद्रीय मंत्री बनाए गए हैं।

रविवार को राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में गिरिराज सिंह, ललन सिंह, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान को कैबिनेट मंत्री बनाया गया। राज्यमंत्री के रूप में रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दूबे और राजभूषण चौधरी निषाद को शपथ दिलाई गई।

जीतन राम मांझी ने 1980 में राजनीति में प्रवेश किया और बिहार विधानसभा के सदस्य बने। जीतनराम मांझी 1980-1990 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में रहे। फिर 1990-1996 तक वह जनता दल में रहे। फिर 1996-2005 तक वह राष्ट्रीय जनता दल के साथ रहे। 2005-2015 तक वह जनता दल यूनाइटेड के साथ रहे। चंद्रशेखर सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में पहली बार मंत्री बने थे। मई 2014 से फरवरी 2015 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। मोदी सरकार में वह केंद्रीय मंत्री बने।

चिराग पासवान ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 2014 के लोकसभा चुनाव से की थी। वह जमुई से पहली बार सांसद बने। 2019 के चुनाव में वह फिर से जमुई से सांसद बने। 2024 के लोगसभा चुनाव में चिराग हाजीपुर से चुनाव लड़े और कुल 6,15,718 वोट लाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी व राजद उम्मीदवार शिवचन्द्र राम को 1.70 लाख से अधिक वोटों से हराया। मोदी के हनुमान कहे जाने वाले चिराग पासवान इस बार पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं।

गिरिराज सिंह पहली बार 2007 में मंत्री बने। गिरिराज सिंह 2008 से 2010 तक वह सहकारिता मंत्री रहे। 2010-13 तक वह पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रहे। 2014 में पहली बार नवादा के संसद बने। इसके बाद मोदी कैबिनेट में मंत्री बने। फिर 2017 में पहली बार केंद्र में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहे।

रामनाथ ठाकुर 1989 और 1995 में लालू प्रसाद यादव के द्वारा एमएलसी बनाये गये। फिर वह लालू सरकार में मंत्री भी रहे। इसके बाद उन्होंने लालू प्रसाद यादव का साथ छोड़कर नीतीश कुमार के साथ हो लिए। इसके बाद वह दो बार विधायक और बिहार सरकार नीतीश कैबिनट में मंत्री भी बने। दो बार विधायक रहने के बाद वह अख्तरुल इस्लाम शाहीन से चुनाव हार गए। इसके बाद नीतीश कुमार ने उन्हें राज्यसभा भेज दिया।

ललन सिंह वर्ष 2000 से 2004 तक जनता दल यूनाइटेड के राज्यसभा सांसद रहे। 2009 से 2014 तक वह जनता दल यूनाइटेड के मुंगेर से सांसद रहे। वर्ष 2021 में पहली बार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने।

ट्यूशन के बहाने शिक्षक ने किया किशोरी का यौन शोषण

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के कटिहार में ट्यूशन के बहाने शिक्षक ने किशोरी का महीनों तक यौन शोषण किया। पुलिस ने सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को मेडिकल टेस्ट के बाद जेल भेज दिया है।

कटिहार सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि सहायक थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि एक शिक्षक ट्यूशन के बहाने किशोरी का यौन शोषण कर रहा है।

एसएचओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी स्थानीय निजी न्यूज चैनल का भी कर्मी है।

कटिहार सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ सहायक थाने में पॉस्को एक्ट और अन्य सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज की है और तफ्तीश की जा रही हैं।

यज्ञ देखने गए छात्र की आरा में गोली मारकर हत्या

परिजनों ने दोस्तों पर लगाया जान लेने का आरोप

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के आरा में घर से यज्ञ देखने अपने दोस्तों के साथ गए एक इंटर के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी मच गई। मृतक के परिजनों ने इस वारदात को अंजाम देने का आरोप उसके दोस्तों पर लगाया है। हालांकि सभी आरोपी दोस्त घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। यह घटना नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गैस एजेंसी के पास की है।

मृतक की पहचान बहिरो मोहल्ला निवासी बुद्धदेव उर्फ बुधन पासवान के बेटे साहिल उर्फ भोला पासवान (17) के तौर पर हुई है। साहिल टाउन हाई स्कूल में इंटर का छात्र था। इधर, युवक की हत्या की खबर मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए आरा सदर अस्पताल ले गई। इसके साथ ही पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन भी शुरू कर दी है।

मृतक के पिता बुद्धदेव उर्फ बुधन पासवान ने बताया कि मेरा बेटा कल रात करीब आठ बजे अपने तीन दोस्तों के साथ पास के गोठउला गांव में आयोजित यज्ञ देखने के लिए गया हुआ था। जब देर रात तक वह घर नहीं आया तो हम लोग उसे ढूंढने के लिए निकले। लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल पाया। इसके बाद आज सुबह बालू ढोने वाले ट्रैक्टर चालकों ने उसके शव को देखा और इसकी जानकारी हम लोगों को दी। जब हम लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि मेरे बेटे के गर्दन के पीछे गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

ट्रक ने बाइक सवार मां बेटे को कुचला, मौके पर हुई दोनों की मौत

पटना (एजेंसियां)।
पटना में अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचल डाला, जिसमें दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना बेउर थाना क्षेत्र के बाईपास की है। मृतकों की पहचान दीदारगंज निवासी मन्ना देवी और उसके पुत्र राकेश कुमार के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि मन्ना देवी अपने बेटे राकेश कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर अपने बीमार रिश्तेदार से मिलने अस्पताल गए थे। वापस लौटने के दौरान बेउर थाना के 70 फीट के पास तेज रफ्तार से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। घटना होते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। ट्रक ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना के बाद दोनों मां बेटे का शव सड़क पर काफी देर तक पड़ा रहा। हालांकि घटना के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गये। इस बीच कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। फिर स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना बेउर थाना को दी।

पटना, भागलपुर समेत 18 जिलों में लू का अलर्ट जारी, 44 डिग्री तक जा सकता है पारा

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। सोमवार को पटना, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद के साथ-साथ दक्षिण पश्चिम के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल दक्षिण पूर्व के भागलपुर बांका, जमुई, खगड़िया जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की मानें तो राज्य के बांका दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य भाग के इलाकों में गर्म हवाएं जिसकी रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से होगी चलने वाली है। इसके अलावा राज्य के दक्षिण पश्चिम के पटना, गया, नालंदा जिला में गर्म रात्रि के आसार जताए गए हैं। पिछले 24 घंटे के

दौरान 21 जिलों में तापमान 40 से 46 डिग्री के बीच रहा। पटना में 43.5, गया में 44.5, भागलपुर में 40.6, छपरा में 42.01 डेहरी में 43.9, शेखपुरा में 45.02, गोपालगंज में 41.3, जमुई में 43.02, बक्सर में 46.01, भोजपुर में 45.4 , समस्तीपुर में 40.4 ,वैशाली में 44.5, औरंगाबाद में 44.8, बेगूसराय में 46.01, बांका में 44.01, नवादा में 44.3, राजगीर में 43.2, जीरादेई में 41.3, अरवल में 44.8, बिक्रमगंज में 44.5 और मुंगेर 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।। सर्वाधिक अधिकतम तापमान बक्सर में 46.01 वहीं सबसे कम मोतिहारी में 25.5 डिग्री तापमान दर्ज किए गए।

विगत 24 घंटे के दौरान राज्य का मौसम शुष्क रहा। पटना, गया, गोपालगंज, जमुई,नालंदा एवं सिवान उष्ण लहर एवं शेखपुरा, बक्सर, भोजपुर, वैशाली, औरंगाबाद, बांका नवादा और अरवल अति उष्ण लहर का प्रकोप रहा। गया मौसम वेधशाला से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पश्चिमी हवा जिसकी रफ्तार 36 से 38 किलोमीटर प्रति घंटा के आसपास रहा। दक्षिण पश्चिम मानसून सीजन का आज नौवां दिन है लेकिन आज भी मानसून की उत्तरी सीमा उप हिमालय पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर पर आकर रुका हुआ है। सतह पर बिहार के दक्षिणी भागों में उत्तर पश्चिमी हवा का प्रवाह जारी है आज के प्राप्त न्यूमेरिकल मॉडल के अनुसार अगले 48 घंटे तक जारी रहने का पूर्वानुमान है। इस हवा के कारण केवल सुबह में मौसम खुशनुमा रहेगा। रात में आसमान साफ रहेगा तो पिछले दिन की जो गर्मी है वह रात भर में वापस लौट जाएगी। जिस कारण सुबह अच्छी लगेगी और उसके बाद जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा आसमान साफ रहने के कारण सूर्य की पूरी रोशनी के साथ नीचे उतरेगी। तीखी रोशनी पहुंचने के कारण तापमान बढ़ेगा।

विशेष रूप से भीषण गर्मी दक्षिण पश्चिम भाग वैशाली, पटना गया नालंदा शेखपुरा जमुई एवं बांका को प्रभावित करेगा। इस गर्मी से बचने के लिए सभी सावधानी बरते। सामान्य तौर पर पिछले कई वर्षों से लगातार मानसून को आने और उसकी गतिविधि के आधार पर मानसून के आने का औसत समय सीमा बिहार में 10 से 15 जून का समय सीमा निर्धारित है। बिहार के कई जिलों में 40 डिग्री से नीचे दर्ज किए गए। पूर्णिया में 35.02 ,वाल्मीकि नगर में 38.4, मुजफ्फरपुर में 38.4 दरभंगा में 38.02, सुपौल में 36.01 फारबिसगंज में 34.4, मधुबनी में 36.02, मोतिहारी में 39.8, कटिहार में 36.01, अररिया में 33.1, पूसा में 39.02 और किशनगंज में 31.02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com